www.tamsasanket.com
वर्षः 06 || अंक 207 || लखनऊ
गुरुवार
29 अक्टूबर 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
https://epaper.tamsasanket.com
दैनिक
तमसा संकेत
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 06:14
सूर्यास्तः 05:26
अधिकतमः 29°00
न्यूनतमः 22°00

पेज 07

विशेष समाचार केरल की वृद्ध संरक्षण पहल से ... >>पेज 04 | जनशिकायतों के निस्तारण में ... >>पेज 06 | अभिषेक शर्मा बने नंबर 1 टी20 ...

सबसे निचले कर्मचारी को ₹540 और कैबिनेट सचिव लेवल के अफसर को ₹7500 महीने का फायदा

केंद्रीय कर्मचारियों का महंगाई भत्ता 3% बढ़ा

खुशखबरी

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार के कर्मचारियों और पेंशनर्स के लिए महंगाई भत्ते (DA) में बढ़ोतरी से जुड़ी बड़ी खबर सामने आई है। दी गई जानकारी के मुताबिक, केंद्र सरकार ने महंगाई भत्ते में तीन प्रतिशत की बढ़ोतरी को मंजूरी दी है। इसके बाद महंगाई भत्ता 60 प्रतिशत से बढ़कर 63 प्रतिशत हो जाएगा। इस फैसले से करीब 48 लाख केंद्रीय कर्मचारियों और 68 लाख पेंशनर्स को लाभ मिलने की बात कही गई है।

बताया गया है कि बुधवार, 28 अक्टूबर 2026 को केंद्रीय कैबिनेट ने बढ़ी हुई दरों को एक जुलाई 2026 से लागू करने की मंजूरी दी। इसके तहत पात्र कर्मचारियों को बढ़े हुए महंगाई भत्ते के साथ पिछले महीनों का बकाया भी मिल सकता है। हालांकि, एरियर का भुगतान कब होगा, इसकी पुष्टि आधिकारिक आदेश से किया जाना जरूरी है। यदि तीन प्रतिशत की बढ़ोतरी आधिकारिक रूप से लागू होती है, तो पात्र कर्मचारियों और पेंशनर्स को इसका वित्तीय लाभ मिलेगा। हालांकि, बढ़ोतरी, लाभार्थियों की संख्या, कुल सरकारी खर्च और एरियर भुगतान से संबंधित विवरण की पुष्टि आधिकारिक कैबिनेट विज्ञप्ति या वित्त मंत्रालय के आदेश से की जानी चाहिए। केंद्र सरकार आमतौर पर साल में दो बार महंगाई भत्ते और महंगाई राहत की दरों की समीक्षा करती है।

>> (शेष पेज 06 पर)

> नई दर एक जुलाई से लागू होने की स्थिति में कर्मचारियों को पिछले महीनों के बकाये का लाभ मिल सकता है। उदाहरण के तौर पर, यदि बढ़ी हुई दर का भुगतान बाद में किया जाता है, तो जुलाई, अगस्त और सितंबर के लिए पुरानी और नई दर के बीच का अंतर एरियर में शामिल हो सकता है। हालांकि, एरियर का भुगतान आगामी वेतन के साथ होगा या अलग से, यह संबंधित सरकारी आदेश और भुगतान प्रक्रिया पर निर्भर करेगा। इसलिए कर्मचारियों को भुगतान की तारीख और बकाया राशि के लिए विभागीय सूचना पर ध्यान देना चाहिए।

महंगाई के असर को कम करने के लिए मिलता है भत्ता

महंगाई भत्ता सरकारी कर्मचारियों के वेतन का एक हिस्सा है, जिसे बेसिक सैलरी के प्रतिशत के रूप में दिया जाता है।

सरकारी फैसले की तीन बड़ी बातें

1. महंगाई भत्ता तीन प्रतिशत बढ़ने से 63 प्रतिशत होने का दावा
दी गई जानकारी के अनुसार, केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनर्स का महंगाई भत्ता तीन प्रतिशत बढ़ाया गया है। इससे पहले यह 60 प्रतिशत था। नई दर लागू होने पर कर्मचारियों को बेसिक सैलरी के हिसाब से अतिरिक्त राशि मिलेगी।

2. 18 हजार रुपये बेसिक सैलरी पर हर महीने 540 रुपये का अंतर
यदि किसी कर्मचारी की बेसिक सैलरी 18,000 रुपये है, तो तीन प्रतिशत के हिसाब से महंगाई भत्ते में 540 रुपये प्रतिमाह की बढ़ोतरी होगी। वहीं, 56,100 रुपये बेसिक सैलरी वाले कर्मचारी के लिए यह अंतर 1,683 रुपये प्रति माह होगा। ये गणनाएं केवल तीन प्रतिशत अतिरिक्त DA के आधार पर उदाहरण के तौर पर दी गई हैं।

3. एक जुलाई से लागू होने पर मिलेगा बकाया
बताया गया है कि नई दरें एक जुलाई 2026 से प्रभावी होंगी। ऐसे में पात्र कर्मचारियों को जुलाई से नई और पुरानी दर के बीच का अंतर एरियर के रूप में मिल सकता है। हालांकि, भुगतान की वास्तविक तारीख और बकाया की अवधि आधिकारिक आदेश के अनुसार ही तय होगी।

बेसिक सैलरी के हिसाब से बढ़ेगी मासिक रकम

महंगाई भत्ते की गणना कर्मचारी की बेसिक सैलरी के प्रतिशत के आधार पर की जाती है। उदाहरण के तौर पर, यदि किसी कर्मचारी की बेसिक सैलरी 18,000 रुपये है और DA में तीन प्रतिशत की वृद्धि होती है, तो मासिक महंगाई भत्ता 540 रुपये बढ़ेगा। इसी तरह 56,100 रुपये की बेसिक सैलरी वाले कर्मचारी को 1,683 रुपये प्रतिमाह का अतिरिक्त DA मिलेगा। यहां ध्यान देने वाली बात है कि तीन प्रतिशत की बढ़ोतरी का अर्थ बेसिक सैलरी में तीन प्रतिशत की सीधी वृद्धि नहीं है। इसका मतलब महंगाई भत्ते की दर में तीन प्रतिशत अंक का इजाफा है। कर्मचारी की मूल सैलरी में अलग से बदलाव नहीं होता, बल्कि DA की राशि बढ़ती है।

अप्रैल में दो प्रतिशत बढ़ा था महंगाई भत्ता

दी गई जानकारी के मुताबिक, इससे पहले अप्रैल में महंगाई भत्ते में दो प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई थी। उस समय DA की दर 60 प्रतिशत हो गई थी। अब तीन प्रतिशत की नई बढ़ोतरी के बाद इसके 63 प्रतिशत तक पहुंचने की बात कही जा रही है। महंगाई भत्ते का उद्देश्य बढ़ती कीमतों के कारण कर्मचारियों और पेंशनर्स के घरेलू खर्च पर पड़ने वाले असर को कम करना है। खाद्य पदार्थों, परिवहन, आवास और रोजमर्रा की जरूरतों की कीमतों में बदलाव के बीच यह भत्ता उनकी आय में कुछ अतिरिक्त सहायता देता है।

सरकार पर पड़ेगा करीब 10 हजार करोड़ रुपये का भार

महंगाई भत्ते में तीन प्रतिशत की बढ़ोतरी से केंद्र सरकार के खर्च में भी इजाफा होगा। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, इस फैसले से सरकारी खजाने पर करीब 10 हजार करोड़ रुपये का अतिरिक्त वित्तीय भार पड़ने का अनुमान है। महंगाई भत्ता कर्मचारियों को उनकी बेसिक सैलरी के आधार पर दिया जाता है, जबकि पेंशनर्स को बेसिक पेंशन के आधार पर महंगाई राहत (DR) मिलती है। महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी का सीधा असर कर्मचारियों की मासिक आय पर पड़ता है। हालांकि, वास्तविक बढ़ोतरी कर्मचारी की बेसिक सैलरी और लागू सेवा नियमों के अनुसार तय होती है।

>> (शेष पेज 06 पर)

कांग्रेस कितनी एमएलसी सीटें जीती : मोदी

लखनऊ/पटना/बेंगलुरु/मुंबई। MLC चुनावों के रिजल्ट पर पीएम मोदी ने कांग्रेस पर तंज कसा है। उन्होंने कहा, '4 बड़े राज्यों- उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार और कर्नाटक में 28 सीटों पर MLC चुनाव हुए। चुनाव बैलट पेपर से हुए। अंदाजा लगाइए कांग्रेस ने कितनी सीटें जीतीं।' दरअसल, पहले इन 28 सीटों में से कांग्रेस के पास 4 सीटें थीं। पार्टी इन चुनावों में एक भी सीट नहीं जीत पाई है। कांग्रेस समेत पूरे विपक्ष का आरोप है कि भाजपा EVM में हेरफेर कर चुनाव जीतते आ रही है। हाल के SIR के विरोध के दौरान भी विपक्ष ने भाजपा और चुनाव आयोग पर वोट चोरी कर चुनाव जीतने का आरोप लगाया। लोकसभा और विधानसभा चुनाव EVM से कराने की मांग कर रहा है। गोरखपुर में भाजपा बेहद कड़े मुकाबले में 307 वोटों से जीत गई। ध्रुव त्रिपाठी ने विक्ट्री साइन दिखाकर खुशी जताई।

विपक्ष घोस्ट वोटर्स लिस्ट चाहता था : नितिन नवीन

ताकि उनकी राजनीति चलती रहे, एसआईआर ने ये गड़बड़ी सुधारी

मतदाता

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने बुधवार को दिल्ली में कहा कि, SIR के जरिए वोटर्स लिस्ट में सुधार किया गया है। ऐसे मतदाता हैं जिनकी मौत हो चुकी है, लेकिन उनके नाम मतदाता सूची में बने हुए हैं। कुछ लोगों के नाम दो जगहों की मतदाता सूची में दर्ज हैं। ऐसे करोड़ों मतदाता हैं जिनके नाम एक से अधिक बार दर्ज हैं, जबकि कई अन्य लोगों का पता नहीं लगाया जा सकता। इसे ही 'घोस्ट वोटर्स लिस्ट' कहा जाता है। वे (विपक्ष) चाहते थे कि ऐसी मतदाता सूची बनी रहे, ताकि उनके राजनीतिक हित पूरे होते रहें।

>> (शेष पेज 06 पर)

नितीन नवीन बोले- लोकतंत्र सुरक्षित हाथों में है

नितिन नवीन ने कहा, भगवान महावीर की इस पवित्र भूमि के सामने खड़े होकर हम इस यात्रा, इस पैदल मार्च की शुरुआत करने जा रहे हैं। हमारे मित्र और विपक्ष के कई साथी सोचते हैं कि भाजपा के कार्यकर्ता किस मिट्टी के बने हैं। वे सत्ता में रहते हुए भी सड़कों पर संघर्ष करते हैं और विपक्ष में रहते हुए भी सड़कों पर अपनी आवाज उठाते हैं।

अदालती कार्यवाही के दौरान नारेबाजी पर हाईकोर्ट सख्त

वकीलों के खिलाफ अवमानना व अनुशासनात्मक कार्रवाई के निर्देश

निर्देश

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने परिसर के कॉरिडोर में नारेबाजी करने और अदालती कार्यवाही में बाधा डालने की घटना पर सख्त रुख अपनाया है। कोर्ट ने घटना में शामिल अधिवक्ताओं की पहचान कर उनके खिलाफ अवमानना और अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू करने के निर्देश दिए हैं। इसके लिए कोर्ट परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच कर रिपोर्ट मांगी गई है।

>> (शेष पेज 06 पर)

> कोर्ट ने कहा कि दूर-दराज से गरीब वादकारी अपनी समस्याओं के समाधान के लिए हाईकोर्ट आते हैं। ऐसे में न्यायिक कार्यवाही में बाधा डालना उचित नहीं है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यदि किसी अधिवक्ता को किसी विशेष न्यायालय से कोई समस्या है, तब भी उसे दूसरे न्यायालयों के बाहर चिल्लाने, नारेबाजी करने, न्यायिक कार्यवाही बाधित करने या न्यायालय को डराने-धमकाने वाले शब्दों का इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं दी जा सकती। कोर्ट ने इस व्यवहार को अनुचित और घोर अवमाननापूर्ण करार दिया।

फास्ट न्यूज

एमपी से राज्यसभा जाएंगे केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी

भोपाल। भाजपा ने केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी को मध्य प्रदेश से राज्यसभा उपचुनाव के लिए उम्मीदवार बनाया है।
पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति ने 28 अक्टूबर को उनके नाम की घोषणा की। पुरी केंद्र सरकार में पेट्रोलियम मंत्री हैं।

धीरेंद्र शास्त्री ने करवा चौथ का नाम 'खसम पूजन-दिवस' बताया

खजुराहो। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने करवा चौथ को 'खसम पूजन दिवस' बताया है। शास्त्री शिवपुरी के करैरा में सात दिवसीय श्रीराम कथा कर रहे हैं। सोमवार को 'सीधी बात' सेशन के दौरान एक अनुयायी ने करवा चौथ का व्रत रखने को लेकर सवाल पूछा। इस पर शास्त्री ने मजाकिया अंदाज में जवाब दिया। उन्होंने कहा कि सिर्फ एक दिन व्रत रखकर बाकी 364 दिन पतियों को ताने नहीं देने चाहिए। ये न कहें कि कहां से मिल गए।

बेंगलुरु मेट्रो में चोरी-छिपे महिला का वीडियो बनाने का आरोप

बेंगलुरु। बेंगलुरु मेट्रो में सफर के दौरान एक महिला ने युवक पर चोरी-छिपे उसका वीडियो बनाने का आरोप लगाया। महिला की पहचान सौपिका के रूप में हुई है। घटना मंगलवार शाम 4:30 बजे व्हाइटफील्ड में मेट्रो ट्रेन के अंदर हुई। महिला ने घटना का वीडियो अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया।

टाटा ग्रुप को बर्बाद किया जा रहा : राहुल

इंडियन बिजनेस सरकार का खिलौना नहीं

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। राहुल गांधी ने बुधवार को कहा कि टाटा ग्रुप को क्रिमिनल तरीके से बर्बाद किया जा रहा है। कोई भी बिजनेस लीडर एक शब्द भी कहने की हिम्मत नहीं कर रहा है। उन्होंने X पर लिखा- इंडियन बिजनेस सरकार का खिलौना नहीं है। हम इन अपराधों का इंसाफ करेंगे। इसके जवाब में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि राहुल अविश्वास फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्हें हर मुद्दे का राजनीतिक-रण करने से बचना चाहिए। दरअसल, टाटा ग्रुप में विवाद टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा और टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन के बीच है। नोएल चंद्रशेखरन की फिर से नियुक्ति के फेवर में नहीं थे। वहीं, RBI चाहता है कि टाटा संस शेयर बाजार में लिस्ट हो ताकि पारदर्शिता बनी रहे। हालांकि, 66% हिस्सेदारी रखने वाला टाटा ट्रस्ट्स इसके सख्त खिलाफ है, क्योंकि इससे ग्रुप पर उसका कंट्रोल कम हो सकता है। सीतारमण ने कहा, 'मोदी सरकार भारतीय उद्योग को रोजगार देने वाला और आर्थिक विकास का आधार मानती है।

>> (शेष पेज 06 पर)

दिल्ली एसआईआर पर सुप्रीम कोर्ट ■ पूछा- दोबारा नाम जुड़वाने के लिए फॉर्म -6 क्यों भरें

चुनाव आयोग फॉर्म 6, 7,8 में बदलाव नहीं कर सकता

सवाल

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को चुनाव आयोग से सवाल किए। कोर्ट ने पूछा कि ड्राफ्ट मतदाता सूची से बाहर हुए करीब 43 लाख लोगों में जिनके नाम 'स्थानांतरित या अनुपस्थित' श्रेणी में दर्ज हैं, उन्हें दोबारा नाम जुड़वाने के लिए फॉर्म-6 भरने को क्यों कहा जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने सवाल उठाया कि फॉर्म-6 नए मतदाताओं के पंजीकरण के लिए होता है, जबकि संबंधित लोग पहले से ही मतदाता सूची में शामिल थे। ऐसे में उन्हें नए पंजीकरण वाला फॉर्म भरने के लिए कहने का आधार क्या है।

कोर्ट ने चुनाव आयोग से यह भी कहा कि फॉर्म-6, फॉर्म-7 और फॉर्म-8 में बदलाव नहीं किया जा सकता है।

सुनवाई के दौरान मतदाता सूची से बाहर हुए लोगों के नाम दोबारा जोड़ने की प्रक्रिया पर सवाल उठाए गए। दिल्ली में विशेष गहन पुनरीक्षण से पहले करीब 1.45 करोड़ मतदाता थे। 31 अगस्त को जारी ड्राफ्ट मतदाता सूची में लगभग 97.53 लाख नाम शामिल किए गए।

दिए गए आंकड़ों के मुताबिक, करीब 47.57 लाख नाम ड्राफ्ट सूची में शामिल नहीं थे।

इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से प्रक्रिया को लेकर सवाल किए हैं।

सुनवाई के दौरान आयोग का विस्तृत जवाब और आगे की कार्रवाई से संबंधित जानकारी उपलब्ध होने पर स्थिति स्पष्ट होगी।

● फॉर्म-6, 7 और 8 का इस्तेमाल क्यों होता है

फॉर्म	इस्तेमाल
फॉर्म-6	वोटर लिस्ट में नाम शामिल कराने के लिए
फॉर्म-7	आपत्ति या नाम हटाने के लिए आवेदन
फॉर्म-8	दर्ज जानकारी में सुधार, पता बदलने और अन्य निर्धारित बदलावों के लिए

फॉर्म 6 पर विवाद क्या है?

फॉर्म 6 का विवाद तब शुरू हुआ जब पिछले महीने 'इंडियन एक्सप्रेस' ने रिपोर्ट दी कि दो चुनाव आयुक्तों ने SIR के फॉर्म 6 बदलावों पर आपत्ति जताई थी। इसी आधार पर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की गई। Form-6 को लेकर विपक्ष का मुख्य आरोप है कि चुनाव आयोग ने नए मतदाताओं के फॉर्म में SIR से जुड़ी अतिरिक्त घोषणा जोड़कर नियमों का उल्लंघन किया और पहली बार वोटर बनने वालों के लिए अनावश्यक बाधा खड़ी की।

घटना : कई डिब्बे मलबे में बदले, इन ट्रेनों की एवरेज स्पीड 200 किमी/घंटा से ज्यादा

स्पेन में हाई स्पीड ट्रेनें टकराईं, 64 की मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

मैड्रिड। स्पेन के टोलेडो प्रांत में बुधवार को दो हाई स्पीड ट्रेनें टकरा गईं। डीडी न्यूज के मुताबिक, हादसे में 64 लोगों की मौत हो गई, जबकि 179 लोग घायल हुए हैं। राहत और बचाव के लिए इमरजेंसी और मेडिकल टीमें मौके पर पहुंचीं। स्पेनिश मीडिया के मुताबिक, हादसा स्थानीय समयानुसार सुबह 9 बजे मोरा और ओरगाज कस्बों के बीच हुआ। एक ट्रेन ने दूसरी को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि कई डिब्बे बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। हादसे के बाद राजधानी मैड्रिड को दक्षिणी अंदालूसिया क्षेत्र से जोड़ने वाली रेल लाइन बंद कर दी गई। दोनों ट्रेनें सरकारी कंपनी रेनफे (Renfe) और निजी कंपनी इर्यो (Iryo) की थीं। इन ट्रेनों की रफ्तार आमतौर पर 200 किमी/घंटे से ज्यादा होती है। स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज ने कहा कि इस हादसे की खबर सुनकर वे सदमे में हैं। राहत और बचाव दल मौके पर मौजूद हैं और हादसे में प्रभावित लोगों की मदद कर रहे हैं।

टोलेडो के पास उर्दा शहर के मेयर मैनुअल गालान ने बताया कि बचाव दल ने उनसे घायलों के इलाज और देखभाल के लिए एक स्पोर्ट्स हॉल तैयार रखने को कहा है। राजधानी मैड्रिड को जोड़ने वाली ट्रेन सर्विस बंद होने की वजह से यात्रियों को लंबा इंतजार करना पड़ रहा है। मैड्रिड के स्टेशनों पर यात्री ट्रेनों के इंतजार में खड़े हैं। स्पेन में इसी साल जनवरी में भी इन्हीं दोनों कंपनियों की ट्रेनें टकराई थीं। हादसा अंदालूसिया के अदामुज के पास हुआ था।

इसमें 46 लोगों की मौत हुई थी। Iryo कंपनी की हाई-स्पीड ट्रेन मालागा से मैड्रिड जा रही थी। ट्रेन के कुछ डिब्बे पटरी से उतरकर दूसरी पटरी पर चले गए थे और सामने से आ रही Renfe की ट्रेन से टकरा गए थे।

मैड्रिड में ट्रेन यात्रियों का इंतजार बढ़ा

यह साफ नहीं है कि हादसा किस वजह से हुआ। जांच की जाएगी कि ट्रेन समय पर क्यों नहीं रुकी। क्या सिग्नल सिस्टम में खराबी थी या ड्राइवर ब्रेक लगाने में चूक गया, इसकी भी जांच होगी। जांच में यह भी देखा जाएगा कि टक्कर से पहले ये सिस्टम काम कर रहे थे या नहीं। रिपोर्ट के मुताबिक, रेनफे ट्रेन का ड्राइवर अभी लापता है। ट्रेन ड्राइवरों के संगठनों ने हादसे को असामान्य बताया है।

मैड्रिड से 72 किमी दूर हुआ हादसा

तूफान अर्नब से आंध्रप्रदेश में तबाही, 3 लोगो की मौत

57 हजार लोग शिफ्ट, 50 ट्रेनें-21 फ्लाइट रद्द

नुकसान

तमसा संकेत, एजेंसी

विशाखापट्टनम/भुवनेश्वर/हैदराबाद/चेन्नई। बंगाल की खाड़ी से उठा चक्रवाती तूफान 'अर्नब' मंगलवार देर रात 3:30 बजे आंध्र प्रदेश के तट से टकराया। यहां 125 से 135 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाओं के साथ भारी बारिश हो रही है।

आंध्र प्रदेश में 3 मौतें हुई हैं। राज्य के 31 घरों को नुकसान पहुंचा। 57 हजार लोगों को शिफ्ट किया गया है। तूफान के कारण 50 ट्रेनें और विजयवाड़ा-विशाखापट्टनम एयरपोर्ट पर 21 फ्लाइट्स रद्द की गईं। ओडिशा में भारी बारिश के चलते 16 जिलों में स्कूल बंद हैं।

यहां 30 हजार लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया है। आंध्र प्रदेश और ओडिशा में 4,000 साइक्लोन शेल्टर बनाए गए हैं। विशाखापट्टनम में रात 27 अक्टूबर की सुबह 8:30 बजे से 28 अक्टूबर की सुबह 3 बजे तक, यानी करीब 18 घंटे में 200mm से ज्यादा बारिश दर्ज की गई। यह जुलाई में होने वाली औसत बारिश के डेढ़ गुना से ज्यादा है। यहां जुलाई में औसतन 133mm बारिश होती है।

संतों की वाणी समाज में जगाती है समरसता, 2047 तक विकसित राष्ट्र बनेगा भारत : ओम बिरला

'डबल इंजन सरकार में विकास को मिली गति'

समारोह

- 2047 तक विकसित और शक्तिशाली राष्ट्र बनेगा भारत : केशव प्रसाद मौर्य

लोकसभा अध्यक्ष ने किया कबीर स्मृति भवन का शिलान्यास

भारत तेजी से विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत तेजी से विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है। केंद्र और प्रदेश की डबल इंजन सरकार सबका साथ, सबका विकास के संकल्प के साथ बिना भेदभाव जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचा रही है। वर्ष 2014 से पहले के भारत और 2017 से पहले के उत्तर प्रदेश की तुलना में आज विकास और सुशासन की तस्वीर बदली है। उन्होंने कहा कि आजादी के 100 वर्ष पूरे होने पर वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य है। देश प्रत्येक क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है और आने वाले वर्षों में वैश्विक स्तर पर अपनी मजबूत पहचान स्थापित करेगा। उन्होंने विकास और जनकल्याण के संकल्प को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। प्रदेश में कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाने और अपराधियों के विरुद्ध कार्रवाई का भी उल्लेख किया।

जल शक्ति मंत्री श्री स्वतंत्रत देव सिंह कहा कि सरकारी जमीन, नाली और पोखरों पर कब्जा करने के बजाय बच्चों की शिक्षा और उनके उज्ज्वल भविष्य पर ध्यान देना चाहिए।

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । संतों की वाणी समाज में समरसता, सद्भाव और मानवीय मूल्यों को मजबूत करती है। संत कबीर साहब की शिक्षाएं आज भी प्रासंगिक हैं और समाज को समानता एवं विवेक का संदेश देती हैं। यह बात लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बुधवार को लखीमपुर खीरी में संत श्री असंगदेव जी महाराज के 60वें अवतरण दिवस पर आयोजित कबीर महोत्सव एवं कबीर स्मृति भवन के भूमि पूजन समारोह में कही। उन्होंने कबीर स्मृति भवन का शिलान्यास कर संत परंपरा के सामाजिक एवं आध्यात्मिक योगदान की सराहना की।

लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि संत कबीर साहब ने अपनी निर्भीक वाणी के माध्यम से सामाजिक कुरीतियों, पाखंड और जातिगत भेदभाव पर प्रहार किया। उनकी शिक्षाएं समानता, विवेक और मानवीय मूल्यों को अपनाने की प्रेरणा देती हैं। लोकतंत्र में विचारों की भिन्नता स्वाभाविक है, लेकिन सहमति और असहमति दोनों का सम्मान जरूरी है। कबीर की वाणी संयम, मर्यादा और विवेक के साथ अपनी बात रखने का संदेश देती है। उन्होंने संत श्री असंगदेव जी महाराज के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि संतों का सान्निध्य व्यक्ति को नैतिकता और संयम के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। गांव-गांव तक कबीर साहब के विचारों और जीवन दर्शन को पहुंचाने का कार्य समाज में सकारात्मक बदलाव का आधार है।

समारोह में प्रदेश सरकार के मंत्री एवं प्रभारी मंत्री नितिन अग्रवाल, पूर्व केंद्रीय मंत्री अजय मिश्र टेनी, विधायक योगेश वर्मा, विनोद शंकर अवस्थी, शशांक वर्मा, अमन गिरी, रोमी साहनी, भाजपा जिलाध्यक्ष अरविंद गुप्ता सहित विभिन्न राज्यों से आए संत-महात्मा और बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। कार्यक्रम का समापन भारत माता की जय और जय श्रीराम के उद्घोष के साथ हुआ।

यूपी में नवंबर में कम आएगा बिजली का बिल

बिजली खरीद और ईंधन की लागत घटने से कम होगा बिल

तमसा संकेत, एजेंसी

यूपी के बिजली उपभोक्ताओं को नवंबर महीने के बिजली बिल में 9.17% की छूट मिलेगी। यह राहत फ्यूल एंड पावर परचेज एडजस्टमेंट सरचार्ज (एफपीएएएस) के तहत मिलेगी। इसका फायदा घरेलू, व्यावसायिक और अन्य श्रेणियों के बिजली उपभोक्ताओं को मिलेगा।

यूपी पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (UPPCL) के मुताबिक, बिजली खरीद और ईंधन की वास्तविक लागत कम होने का फायदा उपभोक्ताओं को दिया जाएगा। जुलाई से नवंबर तक लगातार 5 महीने बिजली बिल में राहत दी जा रही है। UPPCL के अनुसार, पिछले 4 महीनों से उपभोक्ताओं को एफपीएएएस के तहत राहत दी गई है। जुलाई में 4.43%, अगस्त में 2.92%, सितंबर में 7.93% और अक्टूबर में 5.24% की राहत मिली थी। अब नवंबर में यह बढ़कर 9.17% हो गई है।

एफपीएएएस व्यवस्था के तहत बिजली खरीद और ईंधन की वास्तविक लागत, टैरिफ में शामिल अनुमानित लागत से कम होने पर उसका लाभ उपभोक्ताओं को दिया जाता है। यूपीपीसीएल इसी व्यवस्था के तहत बिजली बिल में राहत पहुंचा रहा है। UPPCL का कहना है कि प्रदेश में विश्वसनीय और गुणवत्ता-पूर्ण बिजली आपूर्ति के साथ उपभोक्ता सेवाओं को बेहतर बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

अवध बार एसोसिएशन का चुनाव, 5000 वकील डाल रहे वोट

लखनऊ । लखनऊ में इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ के अवध बार एसोसिएशन के वार्षिक चुनाव के लिए बुधवार को मतदान हो रहा है। 22 पदों के लिए करीब 5 हजार वकील वोट डाल रहे हैं। इस दौरान अधिवक्ता शोभा राजपूत ने कहा कि नए पदाधिकारियों से उनकी मांग होगी कि कोर्ट में न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाने के लिए प्रयास किए जाएं। जजों की कमी के कारण मुकदमों की सुनवाई लंबी खिंचती है। इससे अधिवक्ताओं के साथ उनके क्लाइंट भी परेशान होते हैं। कई बार तारीख पर तारीख मिलती है, लेकिन मामलों का निस्तारण नहीं हो पाता। मतदान के लिए अधिवक्ताओं को सीओपी प्रमाण पत्र या अवध बार एसोसिएशन का पहचान पत्र साथ लाना होगा। गुरुवार को मतगणना शुरू होगी, जो परिणाम घोषित होने तक जारी रहेगी। सह चुनाव अधिकारी आरबीएस राठौर के मुताबिक, अध्यक्ष पद के लिए 11 और महासचिव पद के लिए आठ प्रत्याशी मैदान में हैं।

उत्तर रेलवे सतर्कता विभाग द्वारा सतर्कता प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। सतर्कता जागरूकता सप्ताह के तीसरे दिन, आज उत्तर रेलवे मुख्यालय में सतर्कता विभाग द्वारा एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में विभिन्न राउंड शामिल थे, जिसमें रेलवे स्थापना नियम, सतर्कता (अनुशासन और अपील), संविधान, पर्यावरण संबंधी मुद्दे, समसामयिक मामले, दृश्य-श्रव्य मामले जैसे विषयों पर प्रश्न शामिल थे । इस आयोजन में विभिन्न रेलवे विभागों की नौ टीमों ने भाग लिया। इसके अतिरिक्त आज 'सत्यनिष्ठा से समृद्धि' विषय पर एक विचार-विमर्श प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसमें राजपत्रित और अराजपत्रित रेल कर्मियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। यह कार्यक्रम सतर्कता जागरूकता सप्ताह समारोह का हिस्सा है, जिसकी इस वर्ष की थीम सत्यनिष्ठा से समृद्धि" है । सतर्कता जागरूकता सप्ताह का उद्देश्य रेलवे संगठन के भीतर पारदर्शिता, जवाबदेही और सत्यनिष्ठा की संस्कृति को बढ़ावा देना है ।

लखनऊ के तीन, आगरा, अलीगढ़, गोरखपुर और लखीमपुर खीरी के एक-एक रक्त केंद्र पर कार्रवाई

यूपी में 40 चैरिटेबल ब्लड सेंटरों की जांच

सात के संचालन पर तत्काल रोक

तमसा संकेत, संवाददाता

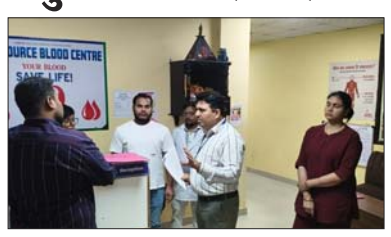

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मरीजों को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण रक्त उपलब्ध कराने के लिए खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) ने रक्त केंद्रों के विरुद्ध विशेष जांच अभियान शुरू किया है। एफएसडीए आयुक्त के निर्देश पर जनस्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए रक्त की जांच, सुरक्षित भंडारण और आपूर्ति की पूरी प्रक्रिया में निर्धारित मानकों का कड़ाई से पालन करने के उद्देश्य से प्रदेश के 10 जनपदों में चैरिटेबल ट्रस्ट और सोसाइटी द्वारा संचालित 40 रक्त केंद्रों का औचक निरीक्षण किया गया। जांच में गंभीर अनियमितताएं मिलने पर सात रक्त केंद्रों में रक्त एवं रक्त घटकों से संबंधित गतिविधियों पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी गई है, जबकि अन्य केंद्रों में मिली कमियों के संबंध में कारण बताओ नोटिस जारी किए जा रहे हैं।

औषधि निरीक्षकों की अंतरजनपदीय टीम द्वारा चलाए जा रहे अभियान के तहत रक्त की गुणवत्ता, अनिवार्य संक्रमण जांच, सुरक्षित भंडारण, तापमान नियंत्रण, स्टॉक प्रबंधन, मूल्य निर्धारण और प्रशिक्षित तकनीकी कर्मचारियों की उपलब्धता समेत विभिन्न मानकों की जांच की जा रही है, जो नियमित रूप से जारी रहेगी।

लखनऊ में सबसे अधिक 13 रक्त केंद्रों का निरीक्षण

विशेष अभियान के तहत लखनऊ में 13 रक्त केंद्रों की जांच की गई। इसके अलावा आगरा में पांच, मुजफ्फरनगर में चार, बिजनौर में चार, कानपुर में पांच, अलीगढ़ में तीन, गाजियाबाद और वाराणसी में दो-दो तथा गोरखपुर और प्रयागराज में एक-एक रक्त केंद्र का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान रक्त केंद्रों में अनिवार्य परीक्षणों, रक्तदाताओं एवं रक्त प्राप्तकर्ताओं के अभिलेखों, तापमान नियंत्रण व्यवस्था, स्टॉक रजिस्टर, लाइसेंस की वैधता और आवश्यक चिकित्सा एवं तकनीकी कर्मचारियों की उपलब्धता की जांच की गई।

बिना अनिवार्य जांच रक्त जारी करने समेत कई खामियां

जांच में कुछ रक्त केंद्रों पर अनिवार्य एलिसा (ELISA) और अन्य संक्रमण संबंधी परीक्षणों में लापरवाही, रक्त प्राप्तकर्ताओं का पूरा विवरण दर्ज नहीं करने तथा तापमान रिकॉर्ड और स्टॉक रजिस्टर का समुचित रखरखाव नहीं करने जैसी अनियमितताएं सामने आईं। कुछ केंद्रों पर प्रभारी चिकित्सा अधिकारी और तकनीकी कर्मचारी भी अनुपस्थित मिले। रक्त की सुरक्षा के लिए एचआइवी (HIV), एचबीएसएजी (HBsAg), एचसीवी (HCV), वीडीआरएल (VDRL) और मलेरिया जैसे संक्रमणों की निर्धारित जांच के साथ रक्त एवं उसके घटकों का उचित भंडारण और निर्धारित तापमान बनाए रखना जरूरी है। इन मानकों की अनदेखी से रक्त की गुणवत्ता प्रभावित होने और मरीजों की सुरक्षा के लिए जोखिम पैदा होने की आशंका रहती है।

युवाओं को 'जॉब सीकर' से 'जॉब क्रिएटर' बना रही योगी सरकार

युवाओं ने मंच पर पेश किए 20 से अधिक शानदार स्टार्टअप आइडिया

तमसा संकेत, संवाददाता

- 'आत्मनिर्भर यूपी' विजन के तहत अवध विश्वविद्यालय में हुआ 'यूपी राइज 2026' का भव्य आयोजन
- 15 बेहतरीन आइडिया हुए शॉर्टलिस्ट
- 'ग्रीन ग्रो ऑर्गेनिक फार्मिंग' ने जीता प्रथम पुरस्कार, 'पोर्टेबल क्रिमेशन सिस्टम' को मिला दूसरा स्थान

अयोध्या। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 'आत्मनिर्भर यूपी' विजन को धरातल पर उतारने और युवाओं को उद्यमिता के प्रति प्रेरित करने के लिए बुधवार को राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय में 'यूपी राइज 2026' कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस वृहद आयोजन में हजार से अधिक छात्र-छात्राओं ने भारी उत्साह के साथ प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं की मानसिकता में बदलाव लाकर उन्हें केवल नौकरी तलाशने वाला (जॉब सीकर) न बनाकर, स्वयं का उद्यम स्थापित कर दूसरों को रोजगार देने वाला 'जॉब क्रिएटर' बनाना है। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ जाने-माने कंटेट क्रिएटर मुख्य अतिथि हिमेश मदान ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। उत्तर प्रदेश सरकार प्रदेश में नवाचार (इनोवेशन) और स्टार्टअप इकोसिस्टम को मजबूत करने के लिए निरंतर काम कर रही है। कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों ने युवाओं को मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना, यूपी स्टार्टअप फंड, मुख्यमंत्री अभ्युदय निशुल्क कोचिंग योजना और यूपी स्किल मिशन जैसी महत्वाकांक्षी नीतियों के बारे में विस्तार से बताया।

दावा- सरकारी पैसे से बनाई गई, मार्केट कीमत 1170 करोड़ रुपए

आजम की जौहर यूनिवर्सिटी ईडी ने अटैच की

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने बुधवार को वरिष्ठ सपा नेता आजम खान की मोहम्मद अली जौहर यूनिवर्सिटी पर बड़ी कार्रवाई की। एजेंसी ने यूनिवर्सिटी की जमीन-इमारतों को अपने कब्जे में ले लिया है।

ईडी के मुताबिक, अटैच की गई संपत्तियों की कीमत 426.46 करोड़ रुपए है। हालांकि, इनकी अनुमानित बाजार कीमत करीब 1,170 करोड़ रुपए आंकी गई है। यह कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में की गई है।

ईडी की ओर से बताया गया है कि जौहर यूनिवर्सिटी का संचालन मोहम्मद अली जौहर ट्रस्ट करता है। ट्रस्ट की स्थापना आजम खान ने की थी। वह इसके प्रमुख ट्रस्टी हैं। यूनिवर्सिटी का परिसर रामपुर के जौहर नगर क्षेत्र में स्थित है।

फर्जी डोनेशन और टैक्स चोरी: जांच में खुलासा हुआ कि ट्रस्ट ने अपनी बैलेंस शीट में 78.32 करोड़ रुपए का डोनेशन दिखाया था, जिसमें से 66.03 करोड़ रुपए के फर्जी होने का पता चला है। इसी के चलते आयकर विभाग (IT) पहले ही ट्रस्ट का रजिस्ट्रेशन रद्द कर चुका है। गरीबों के मकान ढहाकर मलबा यूनिवर्सिटी भेजा: रामपुर में पुलिस जांच के दौरान यह भी सामने आया कि 2016 में आजम खान के इशारे पर कई गरीब परिवारों के मकानों पर बुलडोजर चलाकर उन्हें तोड़ा गया और उस मलबे का इस्तेमाल यूनिवर्सिटी निर्माण में किया गया था।

ईडी ने स्पष्ट किया है कि इस मामले में गहन जांच अभी जारी है। इससे पहले अगस्त- 2026 में ईडी ने आजम खान और उनसे जुड़े परिसरों पर छापेमारी कर कई महत्वपूर्ण डिजिटल सबूत और दस्तावेज बरामद किए थे।

ईडी का आरोप है कि सरकारी धन, ठेकेदारों से प्राप्त रकम और जमीन से जुड़े मामलों में अनियमितताओं के जरिए अपराध से अर्जित धन का इस्तेमाल यूनिवर्सिटी की संपत्तियां बनाने में किया गया।

1170 करोड़ की यूनिवर्सिटी कैंपस संपत्ति जब्त: जौहर नगर, सींगनखेड़ा (रामपुर) स्थित यूनिवर्सिटी कैंपस की इमारतें और जमीन मौलाना मोहम्मद अली जौहर ट्रस्ट के पास हैं। आजम खान इस ट्रस्ट के संस्थापक और यूनिवर्सिटी के मानद कुलाधिपति हैं।

सरकारी फंड और ठेकेदारों के पैसे का गलत इस्तेमाल: ईडी की जांच में सामने आया कि यूनिवर्सिटी के निजी कैंपस में सरकारी विकास योजनाओं और ठेकेदारों के फंड को ट्रस्ट के खातों में डायवर्ट किया गया। रामपुर नगर पालिका की सफाई मशीन तक को यूनिवर्सिटी में इस्तेमाल किया गया था।

किसानों और शत्रु संपत्ति पर अवैध कब्जे का आरोप: रामपुर के अजीम नगर थाने में दर्ज 26 एफआईआर के आधार पर ईडी ने जांच शुरू की थी। इसमें किसानों की जमीन हड़पने और लगभग 34 एकड़ शत्रु संपत्ति (Enemy Property) पर गैर-कानूनी कब्जे के मामले शामिल हैं।

सिंगापुर की कंपनियों को यूपी में निवेश का आमंत्रण

जेवर के पास 'सिंगापुर सिटी' बनाने का प्रस्ताव

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश को वैश्विक निवेश के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में योगी सरकार ने सिंगापुर की कंपनियों को प्रदेश में निवेश के लिए आमंत्रित किया है। मंगलवार को लखनऊ के ताज पैलेस होटल में वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना और औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी' ने सिंगापुर बिजनेस फेडरेशन के नेतृत्व में आए 14 सदस्यीय उच्चस्तरीय व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक की। इसमें लॉजिस्टिक्स, हाईटेक मैन्युफैक्चरिंग, सेमीकंडक्टर, डेटा सेंटर, स्वच्छ ऊर्जा, शहरी नियोजन और हॉस्पिटैलिटी सहित विभिन्न क्षेत्रों में निवेश की संभावनाओं पर चर्चा हुई।

बैठक में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट, जेवर के निकट समर्पित 'सिंगापुर सिटी' और हाईटेक औद्योगिक टाउनशिप विकसित करने का प्रस्ताव भी रखा गया। इसका उद्देश्य सिंगापुर की कंपनियों को उत्तर प्रदेश में निवेश के लिए आकर्षित करना और दोनों पक्षों के बीच औद्योगिक एवं कारोबारी सहयोग को नई गति देना है।

वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि उत्तर प्रदेश अपनी प्रतिबद्धताओं को धरातल पर उतारने में विश्वास रखता है। प्रदेश में 36 से अधिक क्षेत्र-विशिष्ट नीतियां और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) नीति निवेशकों को आकर्षक अवसर उपलब्ध करा रही है। उद्यमियों को अब तक लगभग 70,000 करोड़ रुपये से अधिक की प्रोत्साहन राशि दी जा चुकी है। उन्होंने सिंगापुर के निवेशकों से प्रदेश की नीतियों और कार्यप्रणाली पर भरोसा रखते हुए निवेश की संभावनाओं को आगे बढ़ाने का आह्वान किया।

सहयोग : रेलवे, एनडीआरएफ, सिविल डिफेन्स तथा अन्य एजेंसियो के संयुक्त तत्वाधान में हुई मॉक ड्रिल

आपदा प्रबंधन का संयुक्त अभ्यास

तमसा संकेत, संवाददाता

जनसम्पर्क विभाग द्वारा मीडीया को दुर्घटना से सम्बन्धित वास्तविक जानकारी उपलब्ध कराई गयी इसके साथ ही हेल्पलाइन नम्बर जारी किये गये व घायलों के परिजनों से सम्पर्क (समन्वय) हेतु सार्थक प्रयास किये गये ।

लखनऊ। उत्तर पश्चिम रेलवे के बीकानेर मंडल के लालगढ़ स्टेशन यार्ड में, संरक्षा विभाग द्वारा बुधवार को (28.10.26) को सुबह मॉक ड्रिल की गई। इस मॉक ड्रिल के अन्तर्गत गाडी संख्या 19720 (सूरतगढ़-जयपुर) जब लालगढ़ स्टेशन यार्ड में प्रवेश कर रही थी उसी समय इस ट्रेन के दो कोच 11.11 बजे डिरेलमेंट हो गये । इस स्थिति को देखकर ट्रेन मैनेजर ने तत्परता दिखाते हुए स्टेशन मास्टर को तुरंत सूचना दी 1 स्टेशन मास्टर ने कंट्रोल के माध्यम से उच्च अधिकारियों को सूचना दी । इसके बाद अधिकारियों ने सेल्फ प्रोपेल्ड एक्सीडेंट रिलीफ ट्रेन(SPART) एवं दुर्घटना राहत गाड़ी(ART) को घटनास्थल पर पहुँचने का आदेश दिया साथ ही NDRF (राष्ट्रीय आपदा मोचन बल)व SDRF (राज्य आपदा मोचन बल) को भी सूचित किया । आदेश पाकर उक्त राहत प्रदान करने वाली गाडीयां घटना स्थल लालगढ़ स्टेशन यार्ड के लिए रवाना हुई 1 अधिकारियों ने रेलवे अस्पताल लालगढ़, राजकीय अस्पताल बीकानेर, अग्निशमन विभाग,स्काउट गाइड एवं सिविल पुलिस बल को सहयोग के लिए तत्काल सूचित किया गया 1 घटनास्थल पर एक स्लीपर कोच दूसरे स्लीपर कोच के ऊपर चढ़ा हुआ था 1 इस स्थिति को देखकर सभी बचाव दलों, दुर्घटना राहत गाड़ियों व SPART ने त्वरित गति से कार्य शुरू किया । इसमें एनडीआरएफ की टीम ने टीम के सदस्यों ने अपनी सूझबूझ में अत्याधुनिक तकनीकी मशीनों से त्वरित कार्रवाई करते हुए राहत एवं बचाव कार्यों में महती भूमिका निभाने का प्रदर्शन किया। सर्वप्रथम दुर्घटनास्थल को विशेष चमकीले टैग से घेराबंदी किया गया और उसमें अनावश्यक खड़ी जनता को दूर किया गया, फिर एनडीआरएफ की टीम द्वारा लाउडस्पीकर से घोषणा की गई, कि हमारी टीम द्वारा सभी फंसे हुए घायलों को बाहर निकाल लिया जाएगा आप धैर्य बनाए रखें और अपना सहयोग प्रदान करें।

इस मॉकड्रिल में कुल 7 एम्बुलेंस पहुँची

इस घटना में कुल 38 व्यक्ति घायल हुए जिनको बाहर निकालकर उपचार किया गया। इसमें कुछ घायलों को निजी प्राइवेट हॉस्पिटल एवं स्थानीय सरकारी अस्पताल में भी उपचार हेतु एंबुलेंस के माध्यम से भेजा गया। इस मॉकड्रिल में कुल 7 एम्बुलेंस पहुँची जो रेलवे,राजकीय एवं प्राइवेट हॉस्पिटल, 108 एंबुलेंस की सर्विस सम्मिलित थी। इस प्रक्रिया में चिकित्सा विभाग द्वारा घरेलू की एक सूची तैयार की गई जिसमें रेलवे स्टाफ निश्चित किया कि कोई भी घायल अब इन कोचों में नहीं बचा है। 12.15. बजे मंडल रेल प्रबन्धक गौरव गोविल ने इसको मॉक ड्रिल घोषित कर दिया ।

अवध बार एसोसिएशन का चुनाव 5000 वकील डाल रहे वोट

लखनऊ में 22 पद, बैनर पोस्टर लेकर समर्थक गेट पर खड़े

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ के अवध बार एसोसिएशन के वार्षिक चुनाव के लिए बुधवार को मतदान हो रहा है। 22 पदों के लिए करीब 5 हजार वकील वोट डाल रहे हैं।

इस दौरान अधिवक्ता शोभा राजपूत ने कहा कि नए पदाधिकारियों से उनकी मांग होगी कि कोर्ट में न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाने के लिए प्रयास किए जाएं। जजों की कमी के कारण मुकदमों की सुनवाई लंबी खिंचती है। इससे अधिवक्ताओं के साथ उनके क्लाइंट भी परेशान होते हैं। कई बार तारीख पर तारीख मिलती है, लेकिन मामलों का निस्तारण नहीं हो पाता।

अधिवक्ता दीपक ने कहा कि अवध बार एसोसिएशन का चुनाव साल में एक बार होने वाला बेहद महत्वपूर्ण चुनाव है। चुने गए पदाधिकारी वकीलों के हितों के लिए काम करते हैं और उनकी समस्याओं व मुद्दों को संबंधित मंचों पर उठाते हैं। अधिवक्ता शोभा राजपूत ने कहा कि मतदान हम सभी अधिवक्ताओं के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। नए पदाधिकारियों से हमारी मांग होगी कि वे कोर्ट में न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाने पर जोर दें। जजों की कमी के कारण मुकदमों की सुनवाई लंबी खिंचती है।

सीओपी प्रमाण पत्र या आईडी कार्ड जरूरी

मतदान के लिए अधिवक्ताओं को सीओपी प्रमाण पत्र या अवध बार एसोसिएशन का पहचान पत्र साथ लाना होगा। गुरुवार को मतगणना शुरू होगी, जो परिणाम घोषित होने तक जारी रहेगी। सह चुनाव अधिकारी आरबीएस राठौर के मुताबिक, अध्यक्ष पद के लिए 11 और महासचिव पद के लिए आठ प्रत्याशी मैदान में हैं। वरिष्ठ उपाध्यक्ष का पद महिलाओं के लिए आरक्षित है। इस पर तीन प्रत्याशी चुनाव लड़ रही हैं। उपाध्यक्ष मध्य पद पर 14 और उपाध्यक्ष जूनियर पद पर 12 उम्मीदवार मैदान में हैं। संयुक्त सचिव के पदों पर भी मुकाबला है। महिलाओं के लिए आरक्षित एक सीट पर सात प्रत्याशी चुनाव लड़ रही हैं।

बेसमेंट की शटरिंग खोलते समय स्लैब गिरा

उन्नाव में 2 मजदूरों की मौत, 1 घायल, एसडीआरएफ ने चलाया रेस्क्यू ऑपरेशन

हादसा

तमसा संकेत, एजेंसी

- मलबे में दबे मजदूरों को निकालने के लिए पुलिस-प्रशासन के साथ एसडीआरएफ की टीम ने रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया।
- मलबे में दबे मजदूरों को एसडीआरएफ की टीम ने रेस्क्यू कर बाहर निकाला।

सरिया काटकर और कंक्रीट तोड़कर निकाले मजदूर

मलबे में मजदूरों के फंसे होने के कारण बचाव दल को सरिया काटना पड़ा और कंक्रीट के हिस्से तोड़ने पड़े। इसके बाद मजदूरों को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया। जिला अस्पताल में बुधवार दोपहर करीब तीन बजे डॉ. आशीष कुमार ने दो मजदूरों को मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान जयप्रकाश (35), पुत्र बैजनाथ, निवासी पटेलनगर, रामादेवी, कानपुर और सोहन, पुत्र रामकृपाल, निवासी सहानीपुर, हुसैनगंज, फतेहपुर के रूप में हुई है। सोहन के पिता रामकृपाल भी हादसे में घायल हुए हैं। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है।

गया है। मलबे में दबे मजदूरों को निकालने के लिए पुलिस-प्रशासन के साथ एसडीआरएफ की टीम ने रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। बुधवार दोपहर में मजदूर बेसमेंट में बने जीने की शटरिंग खोल रहे थे। इसी दौरान स्लैब और सीढ़ी का हिस्सा अचानक गिर गया, जिससे तीनों मजदूर मलबे में दब गए। हादसे के बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस-प्रशासन को सूचना दी गई। एसडीएम राजेश विश्वकर्मा, एसपी सिटी आयुष श्रीवास्तव और एसडीआरएफ की 30 सदस्यीय टीम ने राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। हादसे के बाद पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में राहत एवं बचाव कार्य कराया गया। एसडीआरएफ की टीम ने मलबे में दबे मजदूरों को निकालने में मदद की।

निर्माणाधीन मकान में शटरिंग खोलते समय स्लैब और सीढ़ी का हिस्सा गिरने से निर्माण कार्य के दौरान सुरक्षा इंतजामों पर सवाल उठे हैं। हादसा किन परिस्थितियों में हुआ और सुरक्षा के क्या इंतजाम थे, यह जांच के बाद स्पष्ट होगा। पुलिस ने दोनों मृतकों के शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए हैं। मृतक की पहचान जयप्रकाश (35), पुत्र बैजनाथ, निवासी पटेलनगर, रामादेवी, कानपुर और सोहन, पुत्र रामकृपाल, निवासी सहानीपुर, हुसैनगंज, फतेहपुर के रूप में हुई है। सोहन के पिता रामकृपाल भी हादसे में घायल हुए हैं। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है।

15 दिन पहले घर लौटे मजदूर ने किया सुसाइड

पत्नी से विवाद और मुकदमों से परेशान था, आम के बाग में फंदे से लटका मिला शव

तमसा संकेत, एजेंसी

हसनगंज, उन्नाव। उन्नाव के हसनगंज कोतवाली क्षेत्र के अमोईया गांव में बुधवार सुबह गांव के बाहर आम के बाग में 26 वर्षीय युवक का शव फांसी के फंदे से लटका मिला। सुबह खेतों की तरफ निकले ग्रामीणों ने जब पेड़ से लटका शव देखा, तो तुरंत इसकी सूचना परिजनों और पुलिस को दी। सूचना पाकर मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने शव को फंदे से नीचे उतरवाया और कब्जे में लेकर मामले की तफ्तीश शुरू कर दी है। मृतक की पहचान अमोईया गांव निवासी बृजमोहन मौर्य के बेटे अनुरुद्ध मौर्य (26) के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, अनुरुद्ध अपनी पत्नी पूनम के साथ चल रही अनबन और पारिवारिक कलह के

कारण पिछले काफी समय से मानसिक तनाव में चल रहा था। पत्नी पूनम अपने पति से अलग मायके में रह रही थी और उसने अनुरुद्ध के खिलाफ कोर्ट में कई मुकदमे भी दर्ज करा रखे थे। मुकदमों की तारीखों और पारिवारिक तनाव ने अनुरुद्ध को अंदर से तोड़ दिया था। अनुरुद्ध की शादी लगभग चार साल पहले हुई थी। उसकी डेढ़ साल की एक मासूम बेटी भी है, जो फिलहाल अपनी मां के साथ ही रह रही है। अनुरुद्ध रोजी-रोटी के सिलसिले में उत्तराखंड के रुद्रपुर में रहकर मजदूरी करता था और करीब 15 दिन पहले ही अपने गांव लौटा था। वह दो भाइयों और तीन बहनों में शामिल था। उसकी इस असामयिक मौत से जहां मासूम बेटी के सिर से पिता का साया उठ गया है, वहीं परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे कोतवाल शरद कुमार ने स्थिति का जायजा लिया और फोरेंसिक साक्ष्य जुटाए। कोतवाल ने बताया कि शव का पंचनामा भरकर उसे पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया गया है। परिजनों के बयानों और प्राथमिक जांच में मामला पारिवारिक विवाद के चलते खुदकुशी का प्रतीत हो रहा है।

फास्ट न्यूज

गंगा एक्सप्रेसवे से नीचे गिरी कार

उन्नाव। उन्नाव में गंगा एक्सप्रेसवे पर बुधवार सुबह करीब 10 बजे एक कार अनियंत्रित होकर नीचे गिर गई। इस हादसे में कोलकाता के सात लोग घायल हो गए। सभी घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। जानकारी के अनुसार, कार सवार सभी लोग कश्मीर से कोलकाता जा रहे थे। शुरुआती जांच में आशंका है कि चालक को नींद आने के कारण कार बेकाबू हुई।

हरदोई में ज्ञान-विज्ञान मेला

हरदोई। हरदोई के पिहानी स्थित सरस्वती शिशु मंदिर विद्या मंदिर के 45 छात्र-छात्राओं का दल बुधवार सुबह जनपदीय ज्ञान-विज्ञान मेले में प्रतिभाग करने के लिए रवाना हुआ। सरस्वती शिशु मंदिर, बघौली में आयोजित इस प्रतियोगिता में विद्यार्थी विज्ञान, गणित और कला सहित विभिन्न विषयों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। विद्यालय परिसर से दल को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। विद्यार्थियों में प्रतियोगिता को लेकर उत्साह नजर आया। छात्रों के मार्गदर्शन और सुरक्षा के लिए विद्यालय के वरिष्ठ स्टाफ के सदस्य भी साथ गए हैं।

उन्नाव हाईवे पर अज्ञात वाहन ने ट्रक को मारी टक्कर

उन्नाव। उन्नाव के लखनऊ-कानपुर नेशनल हाईवे पर बुधवार सुबह करीब 4 बजे सड़क हादसा हो गया। नवीन मंडी के पास एक अज्ञात वाहन ने ट्रक को टक्कर मार दी। हादसे में ट्रक सवार एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य लोग घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को तत्काल अस्पताल भेजा।

सवारी बैठाने को लेकर रिक्शा चालकों में मारपीट

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव के गांधी चौक पर बुधवार सुबह दो रिक्शा चालकों के बीच जमकर मारपीट हुई। सवारी बैठाने को लेकर उनके बीच विवाद शुरू हुआ था, जो देखते ही देखते बढ़ गया। मारपीट के दौरान दोनों युवकों के कपड़े फट गए। मौके पर मौजूद लोगों ने इस घटना का वीडियो बना लिया, जो बुधवार को सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो वायरल होने के बाद गंगाघाट कोतवाली पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि विवाद किन परिस्थितियों में हुआ और इसमें शामिल युवक कौन हैं। फिलहाल, जांच जारी है।

उन्नाव में रॉल सिटी में पिलर निर्माण के दौरान हादसा, एनडीआरएफ और फायर ब्रिगेड ने चलाया रेस्क्यू ऑपरेशन

शटरिंग खोलते समय जीना ढहने से 2 मजदूरों की मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। जिले के सिकंदरपुर करन ब्लॉक क्षेत्र के आजाद मार्ग स्थित रॉल सिटी कॉलोनी में बुधवार को निर्माणाधीन इमारत में बड़ा हादसा हो गया। इमारत के तहखाने में जीने की शटरिंग खोलते समय अचानक पूरा ढांचा भरभराकर ढह गया। हादसे के समय वहां काम कर रहे तीन मजदूर शटरिंग और मलबे के नीचे दब गए। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। मजदूरों को बचाने के लिए आसपास के लोग जुट गए और पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। हादसे की गंभीरता को देखते हुए फायर ब्रिगेड और राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) की

टीमों को भी बुलाया गया। प्रत्यक्ष घटनाक्रम के अनुसार, निर्माणाधीन इमारत के तहखाने में जीने की शटरिंग खोलने का काम चल रहा था।

इसी दौरान अचानक शटरिंग का पूरा ढांचा ढह गया। वहां काम कर रहे तीन मजदूरों को संभलने का मौका तक नहीं मिला और वे मलबे में दब गए। अचानक हुए हादसे से मौके पर चीख-पुकार मच गई। आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल राहत-बचाव का प्रयास शुरू किया और पुलिस को घटना की जानकारी दी।

हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मच गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसडीएम सदर राजेश विश्वकर्मा, अपर पुलिस अधीक्षक अभिषेक श्रीवास्तव और सीओ सिटी विनी सिंह भारी पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। अधिकारियों ने मौके की स्थिति का जायजा लिया और राहत-बचाव कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए।

66 मामले की जानकारी देते हुए एसडीएम सदर राजेश विश्वकर्मा ने बताया कि रॉल सिटी कॉलोनी में पिलर और जीने के निर्माण का काम चल रहा था। इसी दौरान शटरिंग हटाते समय यह हादसा हुआ। पुलिस ने दोनों मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और उनके परिजनों को घटना की जानकारी दे दी गई है। फिलहाल पुलिस और प्रशासनिक टीमें निर्माण कार्य की गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों की जांच में जुट गई हैं।

अस्पताल पहुंचते ही डॉक्टरों ने दो को घोषित किया मृत

मलबे से निकाले गए मजदूरों में से कानपुर निवासी जयप्रकाश और फतेहपुर निवासी सोहन को 108 एंबुलेंस की मदद से तुरंत जिला अस्पताल पहुंचाया गया। हालांकि, तब तक काफी देर हो चुकी थी और डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया। वहीं, हादसे में घायल एक अन्य मजदूर को भी इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

हरदोई में पड़ोसियों ने लाठी-डंडों और लोहे की रॉड से किया था हमला

मवेशी बांधने की जगह को लेकर मारपीट, बुजुर्ग की मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। कछौना कोतवाली क्षेत्र में मवेशी बांधने की जमीन को लेकर हुए विवाद में मारपीट के दौरान गंभीर रूप से घायल 65 वर्षीय बुजुर्ग रामदीन की इलाज के दौरान मौत हो गई। आरोप है कि पड़ोस में रहने वाले लोगों ने लाठी-डंडों और लोहे की रॉड से उन पर और उनके परिजनों पर हमला किया था। घटना में रामदीन के अलावा उनकी पत्नी, बहू और 18 वर्षीय पोती भी घायल हुई थीं। मंगलवार की देर रात करीब 2:40 बजे हरदोई मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान रामदीन ने दम तोड़ दिया। बुधवार दोपहर करीब दो बजे उनके शव का

पोस्टमार्टम कराया गया। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर मुकदमे में धाराएं बढ़ाई जाएंगी। जानकारी के मुताबिक, 25 अक्टूबर की शाम करीब 7:30 बजे आरोपी प्रेम कथित तौर पर शराब के नशे में धुत होकर आया और गाली-गलौज करने लगा।

मवेशी बांधने की जमीन को लेकर चल रहा था विवाद

मूल रूप से बेनीगंज कोतवाली क्षेत्र के कल्हेपुर गांव के रहने वाले रामदीन पिछले कई वर्षों से अपने परिवार के साथ कछौना कोतवाली क्षेत्र के गनौरा मजरा छनोड्या स्थित अपनी ससुराल में रह रहे थे।

परिवार में उनकी पत्नी रामदेई, तीन बेटे और तीन बेटियां हैं। रामदीन के घर के ठीक सामने आरोपी प्रेम का मकान है। परिजनों के अनुसार, प्रेम के मकान के पास खाली पड़ी जमीन पर मवेशी बांधने को लेकर अक्सर विवाद होता रहता था। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच रंजिश चल रही थी। आरोप है कि 25 अक्टूबर की शाम इसी विवाद ने हिंसक रूप ले लिया।

सीएचसी से मेडिकल कॉलेज किया गया रेफर

मारपीट की घटना के बाद परिजन सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) कछौना लेकर पहुंचे। वहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए हरदोई मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। रामदीन की हालत अधिक गंभीर होने पर उन्हें लखनऊ रेफर किया गया था। परिजनों के मुताबिक, लखनऊ में बेड उपलब्ध नहीं होने के कारण रामदीन को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां सोमवार रात चिकित्सकों ने उनकी स्थिति गंभीर बताते हुए आगे के इलाज को लेकर जवाब दे दिया। इसके बाद परिजन उन्हें लेकर हरदोई मेडिकल कॉलेज पहुंचे।

करवा चौथ से एक दिन पहले उजड़ा सुहाग

बहनोई के अंतिम संस्कार में जा रहे किसान की मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई में बुधवार सुबह करीब 9:30 बजे माधौगंज-नया-गांव मार्ग पर सड़क हादसे में बाइक सवार किसान पुत्तूलाल (50) की मौत हो गई। वह बहनोई के अंतिम संस्कार में शामिल होने जा रहे थे। बांसा मोड़ के पास पीछे से आए अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। गंभीर हालत में उन्हें मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान दोपहर 1:03 बजे उनकी मौत हो गई। हादसे से परिवार में कोहराम मच गया। करवा चौथ की तैयारी कर रहीं पत्नी पुष्पा और उनकी तीन बेटियों का रो-रोकर बुरा हाल है। उन्नाव जिले के बेहटा मुजावर थाना क्षेत्र के कैथोली गांव निवासी पुत्तूलाल खेती करते थे। वह चार भाइयों और चार बहनों में सबसे बड़े थे। हरदोई के सांडी थाना क्षेत्र के

म्यौढ़ा गांव में रहने वाले उनके बहनोई श्रीप्रकाश का मंगलवार को हृदयाघात से निधन हो गया था। बुधवार सुबह करीब 8 बजे पुत्तूलाल बाइक से बहनोई के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए म्यौढ़ा गांव निकले थे। मल्लावां कोतवाली क्षेत्र में माधौगंज-नयागांव मार्ग पर बांसा मोड़ के पास पीछे से आए अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में वह सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची।

हमला : सिंचाई विभाग कॉलोनी की घटना सीसीटीवी में कैद, पेटा इंडिया ने आरोपी पर कार्रवाई और कुत्ते की मेडिकल जांच की मांग की

कुत्ते के सिर पर लाठी से वार, बेहोश होकर गिरा

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। सिंचाई विभाग कॉलोनी में सड़क किनारे सो रहे एक कुत्ते पर लाठी से हमला करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि एक व्यक्ति ने कुत्ते के सिर पर लाठी से वार कर दिया, जिससे वह बेहोश होकर गिर पड़ा। घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बुधवार दोपहर दो बजे एसपी रवीना त्यागी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। उधर, पशु अधिकार संगठन पेटा इंडिया ने भी घटना का संज्ञान लेते हुए आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई और घायल कुत्ते की चिकित्सकीय जांच कराने की मांग की है। पेटा इंडिया के क्रूरता प्रतिक्रिया अधिकारी श्रीकुट्टी बेनेट की ओर से भेजे गए पत्र के मुताबिक, घटना आठ अक्टूबर की है।

पेटा इंडिया ने कार्रवाई की मांग की

पशु अधिकार संगठन पेटा इंडिया ने मामले को गंभीरता से लेते हुए राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) को पत्र भेजा है। संगठन ने पत्र के माध्यम से आरोपी के खिलाफ संबंधित कानूनों के तहत कार्रवाई करने की मांग की है। इसके साथ ही घायल कुत्ते की स्थिति का पता लगाने के लिए उसे सरकारी पशु चिकित्सक के पास ले जाकर चिकित्सकीय जांच कराने का अनुरोध किया गया है। संगठन का कहना है कि कुत्ते को चोट लगने और उसकी स्वास्थ्य स्थिति का पता लगाने के लिए मेडिकल परीक्षण जरूरी है। इससे यह स्पष्ट हो सकेगा कि हमले में उसे कितनी चोटें आई हैं और उसे किस तरह के उपचार की आवश्यकता है।

भारतीय न्याय संहिता और पशु क्रूरता कानून के तहत कार्रवाई की मांग

पेटा इंडिया ने अपने पत्र में भारतीय न्याय संहिता, 2023 और पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 की संबंधित धाराओं के तहत कार्रवाई की मांग की है। संगठन ने घटना से जुड़े सीसीटीवी फुटेज के आधार पर मामले की जांच करने और घायल कुत्ते को आवश्यक चिकित्सा उपलब्ध कराने का अनुरोध भी किया है। घटना के संबंध में एफआईआर दर्ज होने के बाद पुलिस मामले से जुड़े तथ्यों की जांच कर रही है। एसपी रवीना त्यागी के मुताबिक, मामले की जांच जारी है और उपलब्ध तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल घायल कुत्ते की चिकित्सकीय जांच और उसकी मौजूदा स्थिति के बारे में विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है।

पत्र में उल्लेख किया गया है कि हमले के बाद कुत्ता उठकर सड़क की ओर जाने की कोशिश करता है, लेकिन कुछ ही देर में बेहोश होकर गिर जाता है। फुटेज में एक अन्य व्यक्ति उसे सड़क के बीच से खींचकर किनारे ले जाता हुआ भी दिखाई दे रहा है।

तनुज पुनिया ने एमएलसी चुनाव में धांधली का आरोप लगाया

भाजपा को घेरा, एआई से फर्जी वीडियो रोकने को कानून बनाने की मांग

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी में कांग्रेस सांसद तनुज पुनिया ने एमएलसी चुनाव की मतगणना में धांधली का आरोप लगाते हुए भाजपा पर निशाना साधा।

बुधवार को शाम 4 बजे उन्होंने कहा कि लखनऊ में प्रशासन के साथ झड़प हुई, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई।

पुनिया ने लखनऊ में इंडिया गठबंधन समर्थित प्रत्याशी की जीत का दावा किया।

उन्होंने कहा कि जनता बदलाव चाहती है और इस बार भाजपा को हटाकर इंडिया गठबंधन को जिताना चाहती है। दिल्ली के रामलीला मैदान में 1 नवंबर को प्रस्तावित कांग्रेस रैली को लेकर व्यापारियों के विरोध पर भी पुनिया ने प्रतिक्रिया दी।

उन्होंने आरोप लगाया कि विरोध करने वाले व्यापारियों को भाजपा भेज रही है। पुनिया ने कहा कि राहुल गांधी पहले ही कह चुके हैं कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटा दिया जाए या उनका इस्तीफा ले लिया जाए, तो रैली 30 सेकंड में रद्द हो सकती है।

उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष की मांग के बावजूद निर्वाचन आयुक्त के खिलाफ कार्रवाई नहीं होना केंद्र सरकार के समर्थन को दिखाता है।

नेताओं के एआई से बनाए जा रहे फर्जी वीडियो पर पुनिया ने कहा कि तकनीक का इस्तेमाल अच्छे और बुरे, दोनों कामों के लिए हो सकता है।

लोगों को परेशान करने या उनकी छवि खराब करने के लिए एआई का इस्तेमाल गलत है।

उन्होंने ऐसे मामलों को रोकने के लिए कानून बनाने की मांग की।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पिता को लेकर की गई टिप्पणी पर पुनिया ने अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष का समर्थन किया।

उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग से ध्यान हटाने के लिए इस विवाद को तूल दिया जा रहा है।

सम्पादकीय

विपक्ष का उतावलापन

कांग्रेस नेता राहुल गांधी समेत अन्य विपक्षी नेताओं की याचिका पर चुनाव आयोग की ओर से सुप्रीम कोर्ट में दाखिल शपथपत्र पर विपक्ष की प्रतिक्रिया उसकी खीझ को ही अधिक प्रकट कर रही है। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग के इस शपथपत्र पर सभी याचिकाकर्ताओं को दस दिन में अपना जवाब दाखिल करने को कहा है, लेकिन इनमें से कुछ ने तुरंत बयान देना जरूरी समझा। इतना ही नहीं, उन्होंने चुनाव आयोग पर यह आरोप भी मढ़ दिया कि उसने भ्रामक तथ्य पेश किए हैं।

कांग्रेस तो एक कदम बढ़कर कोर्ट के बाहर भी चुनाव आयोग के शपथपत्र के खिलाफ मोर्चा खोलने की तैयारी कर रही है। यह और कुछ नहीं, खुद ही अदालत बनने की हास्यास्पद कोशिश है। लगता है उसे सुप्रीम कोर्ट पर भी यकीन नहीं। आखिर जो मामला सुप्रीम कोर्ट के समक्ष विचाराधीन है, उसका फैसला वही करेगा, न कि याचिका दायर करने वाले।

क्या यह विचित्र नहीं कि विपक्षी दल और विशेषकर कांग्रेस इस मामले में वकील और जज, दोनों की भूमिका निभाने को उतावली है? क्या उसने तय कर लिया है कि सुप्रीम कोर्ट का फैसला कुछ भी हो, वह वोट चोरी का अपना राग अलाप कर लोगों को गुमराह करने की कोशिश करती रहेगी? यदि नहीं तो क्या उसे पता नहीं कि चुनाव आयोग के हलफनामे के जवाब में उसे अपनी दलीलें सुप्रीम कोर्ट के समक्ष रखनी हैं, न कि मीडिया के सामने?

वास्तव में विपक्षी दल इसलिए बेचैन हो उठे हैं, क्योंकि चुनाव आयोग ने अपने शपथपत्र में यह कहा कि मतदाता सूचियों के शुद्धीकरण यानी एसआइआर को लेकर सभी फैसले तीनों चुनाव आयुक्तों की सहमति से लिए गए और फार्म 6 में कोई वैधानिक बदलाव नहीं किया गया। शपथपत्र यह भी कहता है कि इसे तीनों आयुक्तों की सहमति से तैयार किया गया है और आयोग के अंतिम फैसलों पर उन सभी के हस्ताक्षर होते हैं।

शपथपत्र से यह भी साफ होता है कि किसी आयुक्त द्वारा उठाई गई आपत्ति आयोग का अंतिम औपचारिक फैसला नहीं होता और दोनों चुनाव आयुक्तों ने एक अधिकारी के आंतरिक कार्य आवंटन संबंधी जिस आदेश की शिकायत कैबिनेट सचिव से की थी, उसे कभी लागू ही नहीं किया गया। एक तरह से यह शपथपत्र एक मीडिया रपट की ओर से बनाई गई उस धारणा को ध्वस्त कर रहा है कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार दोनों चुनाव आयुक्तों को किनारे कर मनमाने तरीके से फैसले कर रहे हैं।

शायद इसी कारण विपक्ष ऐसी व्यर्थ की बातें कर अपनी बौखलाहट निकाल रहा है कि यह शपथपत्र केंद्र सरकार के दबाव में तैयार किया गया है। एक कांग्रेस सांसद तो यह कह रहे हैं कि यदि सभी फैसले तीनों चुनाव आयुक्तों ने सहमति से भी लिए हैं तो क्या हम उन्हें मान लेंगे? लगता है वे सुप्रीम कोर्ट के फैसले को न मानने का मन बना रहे हैं।

दीपावली के बहाने स्वदेशी विमर्श, स्थानीय अर्थतंत्र व सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का नवोन्मेष

तमसो मा ज्योतिर्गमय की सनातन उद्घोषणा का साक्षात स्वरूप दीपावली पर्व, भारतीय कालगणना और लोकचेतना का चरमोत्कर्ष है। कार्तिक मास की अमावस्या के सघन अंधकार को पराजित करती दीपकों की वह अनंत श्रृंखला जिसे हम दीपमाला कहते हैं, वास्तव में केवल मिट्टी के पात्रों में जलती हुई वर्तिका मात्र नहीं है,वह भारतीय समाज की सामूहिक समृद्धि, पारस्परिक सौहार्द और विकेंद्रीकृत आर्थिक सुदृढ़ता का दैदीप्यमान प्रतीक है किंतु समकालीन कालखंड में, वैश्वीकरण और अनियंत्रित उपभोक्तावाद के अंधानुकरण ने इस पावन आलोक-पर्व के मूल अधिष्ठान को ही संकट में डाल दिया है। जब भारत का उपभोक्ता वर्ग अपनी ही धरती के स्वेद (पसीने) से सिंचित उत्पादों को विस्मृत कर, बहुराष्ट्रीय कंपनियों के आभासी मायाजाल (ओनलाईन प्लेटफॉर्म्स) के सम्मोहन में आबद्ध हो जाता है, तब दीपमाला की वह नैसर्गिक झड़ी एकाएक फीकी पड़ जाती है। बाजार की इस बदली हुई प्रवृत्ति ने एक अत्यंत चिंताजनक और विरोधाभासी परिदृश्य उपस्थित कर दिया है। प्रतिवर्ष भारत की पावन धरा से अरबों-खरबों रुपयों का राजस्व समेटने वाली ये सीमापार की महाकाय कॉर्पोरेट इकाईयां, यहां के उत्सवों में केवल अपने लाभ के अवसर ढूंढती हैं। आपदा, महामारी अथवा किसी सामाजिक विपदा के समय इनका सामाजिक उत्तरदायित्व कागजी आंकड़ों से परे शून्य सिद्ध होता है। इसके विपरीत, हमारे ग्रामीण अंचलों, कस्बों, और नगरों की संकीर्ण गलियों में स्थित पारंपरिक व्यवसायी, जो हमारी अर्थव्यवस्था के वास्तविक रीढ़ हैं, वे अपनी दुकानों की चौखट पर बैठे ग्राहकों की राह टुकुर-टुकुरनिहारने को विवश हैं। यह विमर्श केवल व्यापारिक लाभ-हानि का नहीं है, अपितु यह भारतीय समाज, उसकी अर्थव्यवस्था, और शाश्वत सांस्कृतिक मूल्यों के अस्तित्व की रक्षा का शंखनाद है।

अशोक "प्रवृद्ध"

केरल की वृद्ध संरक्षण पहल से जगेगी नई चेतना

> आज संयुक्त परिवारों का विघटन, महानगरों की भागदौड़, विदेशों की ओर पलायन और बढ़ती व्यक्तिवादी प्रवृत्ति ने बुजुर्गों के जीवन को कठिन बनाया है। कभी दादा-दादी और नाना-नानी परिवार की जीवंत पाठशाला होते थे, उनकी कहानियों में इतिहास, अनुभवों में विवेक और आशीर्वाद में जीवन की पूँजी मिलती थी।

भारत की संस्कृति में माता-पिता को देवतुल्य माना गया है। यहाँ कहा गया है-'मातृदेवो भव, पितृदेवो भव।' जिस देश में माता-पिता के चरणों में स्वर्ग देखने की परंपरा रही हो, उसी देश में यदि वृद्धावस्था में माता-पिता अपने ही घर में उपेक्षा, अपमान, अकेलेपन और असुरक्षा का दंश झेलने को विवश हों, तो यह केवल पारिवारिक विघटन नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक चेतना के सामने खड़ा एक गंभीर प्रश्न है। जिस बुजुर्ग ने अपनी संतान के भविष्य के लिए वर्तमान को खपा दिया, यदि उसी संतान के पास उसके बुढ़ापे के लिए समय, संवेदना और स्नेह न बचे, तो विकास की चमक के बीच मानवीय मूल्यों का अंधेरा साफ दिखाई देता है। ऐसे समय में केरल विधानसभा द्वारा अक्टूबर 2026 में वरिष्ठ नागरिकों के संरक्षण से संबंधित व्यापक विधेयक पारित किया जाना एक आशाजनक पहल है। यह कानून की किताब में जुड़ा एक नया अध्याय भर नहीं, बल्कि बुजुर्गों के जीवन में सम्मान, सुरक्षा और भरोसे का नया सूर्योदय बनने की क्षमता रखता है। भारत में 60 वर्ष और उससे अधिक आयु के नागरिकों की संख्या लगभग 15 करोड़ बताई जा रही है। अनुमान है कि यह आबादी 2036 तक लगभग 23 करोड़ और 2050 तक 34 करोड़ से अधिक हो सकती है। यह बदलती जनसांख्यिकी हमें चेतावनी भी देती है और अवसर भी। चिकित्सा विज्ञान की प्रगति तथा बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं ने मनुष्य की आयु बढ़ाई है, लेकिन प्रश्न यह है कि क्या हमने जीवन की बढ़ती अवधि को गरिमापूर्ण बनाने की तैयारी भी की है? सिर्फ लंबी उम्र उपलब्धि नहीं है, उस उम्र में सम्मान, आत्मनिर्भरता और अपनापन बनाए रखना ही वास्तविक उपलब्धि है। केरल की इस पहल का महत्त्व इसलिए बढ़ जाता है कि यह बुजुर्गों की समस्याओं को केवल परिवार की निजी जिम्मेदारी मानकर छोड़ देने के बजाय सामाजिक और संस्थागत दायित्व के रूप में देखती है। विधेयक में वरिष्ठ नागरिकों के साथ शारीरिक एवं मानसिक दुर्व्यवहार, क्रूरता और उनकी इच्छा के विरुद्ध उन्हें बेसहारा छोड़ने जैसे कृत्यों के लिए दंड का प्रावधान किया गया है। इसके साथ संरक्षण इकाइयों, देखभाल केंद्रों के नियमन, देखभालकर्ताओं के प्रशिक्षण और शिकायतों के निवारण जैसी व्यवस्थाओं पर जोर दिया गया है। साइबर धोखाधड़ी से बचाव तथा बुजुर्गों के स्वास्थ्य संबंधी निर्णयों के अधिकार जैसे विषयों को स्थान देना भी बदलते समय की जरूरतों को समझने का संकेत है। इस पहल का मूल संदेश स्पष्ट है-बुजुर्गों की सेवा सद्भावना का विषय अवश्य है, लेकिन उनकी सुरक्षा और गरिमा सुनिश्चित करना सामाजिक व्यवस्था का अनिवार्य दायित्व भी है। इस विधेयक की सबसे संवेदनशील अवधारणा है-'एजिंग इन प्लेस', अर्थात बुजुर्गों को यथासंभव उनके अपने घर और परिचित परिवेश में सम्मानपूर्वक जीवन जीने का अवसर देना। वृद्धाश्रमों की आवश्यकता से इनकार नहीं किया जा सकता, लेकिन माता-पिता के लिए घर का एक कमरा भी तब अधिक मूल्यवान होता है, जब उसमें अपनत्व की गर्माहट हो। बुजुर्गों को केवल भोजन, दवा और बिस्तर नहीं चाहिए, उन्हें बातचीत करने वाला साथी, उनकी बात सुनने वाला कान, उनके अनुभवों को समझने वाला मन और उनके अस्तित्व को स्वीकार करने वाला परिवार चाहिए। उम्र के इस पड़ाव पर कई बार आर्थिक अभाव से अधिक भावनात्मक अभाव पीड़ा देता है। जिस घर में बुजुर्गों की आवाज अनसुनी हो जाती है, वहाँ दीवारें तो रहती हैं, लेकिन परिवार की आत्मा कमजोर पड़ने लगती है। आज उसी अनुभव-संपदा को कई बार अनुपयोगी समझ लिया जाता है। संपत्ति के लिए माता-पिता पर दबाव डालना, उनकी जमा-पूँजी पर अनुचित अधिकार जमाना, बीमारी में उन्हें अकेला छोड़ देना अथवा उनकी भावनाओं को ठेस पहुँचाना सभ्य समाज के माथे पर कलंक है। यह कैसी विडंबना है कि जिन हाथों ने बच्चों को चलना सिखाया, उन्हीं हाथों को बुढ़ापे में सहारे के लिए तरसना पड़े! केरल का विधेयक इस समस्या के समाधान की दिशा में व्यापक दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है। इसमें वरिष्ठ नागरिकों के साथ दुर्व्यवहार और उन्हें बेसहारा छोड़ने पर तीन वर्ष तक के कारावास तथा 50 हजार रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है। देखभाल केंद्रों के पंजीकरण, देखभालकर्ताओं के प्रशिक्षण, शिकायतों के निवारण और साइबर धोखाधड़ी से सुरक्षा जैसी व्यवस्थाएँ भी प्रस्तावित हैं। साथ ही, वरिष्ठ नागरिकों के चिकित्सा संबंधी पूर्वनिर्धारित निर्णयों, कानूनी सहायता और डिजिटल सेवाओं तक पहुँच को महत्त्व दिया गया है। उल्लेखनीय है कि विधानसभा ने यह विधेयक 26 अक्टूबर 2026 को सर्वसम्मति से पारित किया है, इसे कानून के रूप में लागू होने के लिए राज्यपाल की स्वीकृति की प्रक्रिया पूरी करनी होगी। इस पहल का एक दूरदर्शी पक्ष 'सिल्वर इकोनॉमी' की अवधारणा भी है। बुजुर्गों को केवल सहायता प्राप्त करने वाले नागरिकों के रूप में नहीं, बल्कि समाज के सक्रिय योगदानकर्ता के रूप में देखा जाना चाहिए। उनके अनुभव, ज्ञान, कौशल और जीवन-दृष्टि का उपयोग शिक्षा, परामर्श, सामाजिक सेवा, उद्यमिता और सामुदायिक विकास में किया जा सकता है। सेवानिवृत्ति का अर्थ प्रतिभा की समाप्ति नहीं, बल्कि जीवन की दूसरी पारी का आरंभ भी हो सकता है। आवश्यकता इस बात की है कि समाज उन्हें बोझ नहीं, अपनी अमूल्य पूँजी माने। पेड़ जब पुराना होता है, तब भी उसकी छाया कम मूल्यवान नहीं हो जाती। इसी तरह अनुभव की परिपक्वता किसी भी राष्ट्र की विकास-यात्रा को दिशा दे सकती है। अब समय है कि केंद्र सरकार के साथ दूसरे राज्य भी केरल की इस पहल से प्रेरणा लें। केंद्र के माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम, 2007 के प्रभावी क्रियान्वयन की समीक्षा हो तथा आवश्यकतानुसार उसे और सशक्त बनाया जाए। राज्यों में वरिष्ठ नागरिकों के लिए समर्पित संरक्षण इकाइयाँ, सुलभ शिकायत व्यवस्था, निःशुल्क कानूनी सहायता, घर पर स्वास्थ्य सेवाएँ और सुरक्षित सामुदायिक केंद्र विकसित किए जाएँ।

- ललित गर्ग

कथा के अनुसार...

डॉ.नर्मदेश्वर प्रसाद चौधरी

करवा चौथ का व्रत पति की लम्बी उम्र के लिए करती है महिलाएं

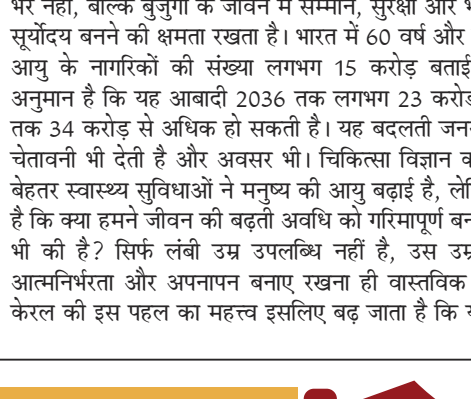

करवा चौथ का व्रत कार्तिक कृष्ण पक्ष के चतुर्थी तिथि को मनाया जाता है। यह व्रत सुहागिन स्त्रियाँ अपने पति की लम्बी उम्र के लिये करती हैं। करवाचौथ के दिन यह व्रत रखने पर सुबह उषाकाल से पहले उठकर कुछ खाना तथा पीना चाहिए। यदि आप उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड से संबंधित क्षेत्र से हैं तो आप उषाकाल से पहले शक्कर और दूध के साथ सूत फेनी लेने का प्रचलन है। इस मिश्रण के सेवन से अगले दिन बिना पानी पीये रहने में मदद मिलती है। दिल्ली और हरियाणा में मीठा खाजा , रसमलाई एवं रबड़ी , मध्यप्रदेश में सरगी में फैनी और रबड़ी, राजस्थान में मीठी कचौरी और दूध रबड़ी, पंजाब में उषाकाल से पहले लिए गए अन्न में सरगी का एक महत्वपूर्ण स्थान है।

परंपरा के अनुसार सरगी सास द्वारा अपनी बहु को करवाचौथ पर दिया जाने वाला बहुमूल्य उपहार है जिसमें काजू बादाम, मीठी मट्ठी और सुहाग की निशानियाँ होती है।

करवाचौथ का व्रत और पूजन पूरे विधि-विधान के साथ होता है। इस महत्वपूर्ण लेख में दर्शाई गई सामग्री और विधि द्वारा करवाचौथ की पूजा की जाती है।

मिट्टी, ताम्बा अथवा पीतल के दो करवे, दूध, जल, धुप, सुपारी, मौलि, अक्षत, दीप, कपूर, सिंदूर, काजल, पुष्प एवं पुष्पमाला, जल के लिए तीन पात्र, नैवेध्य के लिए पूर्ण फल, मेवा या मिठाई, इत्यादि। इस व्रत में पीसी हुई चावल के घोल से दीवाल पर सबसे ऊपर चन्द्रमा बनते हैं उसके नीचे शिव, गणपति और कार्तिकेय का चित्र बनाया जाता है। फिर पीली मिट्टी से माता गौरी बनायी जाती हैं, जिनकी गोद में गणपति को बैठाया जाता है। गौरी को चौकी पर बिठाकर सभी सुहाग चिन्हों से उन्हें सजाया जाता है और उनकी पूजा की जाती है। एक पुष्प को नन्दीश्वर स्वरुप मानकर स्थान दिया जाता है।

करवा में रक्षासूत्र बांधें, तथा हल्दी और आटे के सम्मिश्रण से एक स्वास्तिक बनाएं। एक करवे में जल भरें तथा दुसरे करवे में दूध भरें और इसमें ताम्बे या चांदी का सिक्का डालें। आचमन के लिए छोटे पात्र में जल भर कर रखें तथा साथ में एक चम्मच भी रखें।

पूजा के लिए मंत्र

'ॐ शिवायै नमः' से पार्वती का, 'ॐ नमः शिवाय' से शिव का, 'ॐ षण्मुखाय नमः' से स्वामी कार्तिकेय का, 'ॐ गणेशाय नमः' से गणेश का तथा 'ॐ सोमाय नमः' से चंद्रमा का पूजन करें।

सब तैयारी हो जाने के बाद करवाचौथ की कथा सुनें और फिर चन्द्रमा निकलते ही श्री चन्द्रदेव को अर्ध्य दीजिये।अपने पति को तिलक करें तथा छलनी में चांद के साथ पति को देखें। पति के पैर छूकर उनका आशिर्वाद ले तथा करवे में भरे जल से अपना व्रत खोलें। इसके पश्चात सात्विक तरीके से बना हुआ भोजन ग्रहण करें।

करवाचौथ की कथा

कथा के अनुसार, एक साहूकार के घर उसकी बेटी ससुराल से आई। शाम को सब लोग भोजन कर रहे थे। करवा चतुर्थी होने के कारण बेटी ने सबके साथ भोजन करने से इंकार कर दिया। जब उसे कहा गया कि भोजन करो तो बेटी ने इंकार कर दिया और हठ करने लगी कि चंद्रमा देखने के बाद ही भोजन करूंगी। अपनी बहन का ये हठ उपवास एक भाई से सहन नहीं हुआ क्योंकि उसकी बहन भूख-प्यास से बहुत व्याकुल थी। भूख की वजह से तड़प रही थी। कमजोर हो रही थी। तब भाई ने एक दीपक जलाकर छत पर रख दिया और अपनी बहन से झूठ बोला कि चांद निकल आया है, उसके दर्शन करो और भोजन करो। बहन ने इसे सच मानकर भोजन कर लिया। ऐसा करने के बाद अचानक बहन को पति के निधन की खबर मिली। उसके बाद महिला ने अपनी पति के शव को पास रखकर एक साल तक कठोर उपवास किया जिसके फलस्वरूप करवा देवी प्रसन्न होकर महिला के समक्ष प्रकट हुईं। करवा देवी ने एक खास तरीके से महिला के पति को जिंदा कर दिया। करवा देवी उस महिला के भाई की पत्नी के पास गईं। तब भाई की पत्नी करवा देवी को कसकर पकड़ लेती हैं ताकि करवा देवी उसकी ननद के पति को जिंदा कर दें। भाई की पत्नी करवा देवी को तब तक पकड़े रहती है जब तक करवा देवी ननद के पति को जीवित नहीं कर देती।

मा. प्रधानमंत्री...

प्रवीण मालवीय

हर घर सौर ऊर्जा के संकल्प को साकार करता उत्तर प्रदेश

मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना ने नया कीर्तिमान रचा है। प्रदेश में 8.76 लाख से अधिक रूफटॉप सोलर प्लांट लगाकर उत्तर प्रदेश देश में नंबर एक बना है। उत्तर प्रदेश आज विकास के हर क्षेत्र में नई ऊंचाइयां छू रहा है। मा. मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने सौर ऊर्जा के क्षेत्र में ऐसी ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है, जिसने प्रदेश को देश के अग्रणी राज्यों की कतार में सबसे आगे खड़ा कर दिया है। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के परिणामस्वरूप उत्तर प्रदेश में 8,76,500 से अधिक रूफटॉप सोलर प्लांट स्थापित हो चुके हैं और इंस्टॉलेशन की संख्या के मामले में प्रदेश ने गुजरात को पीछे छोड़ते हुए देश में प्रथम स्थान हासिल किया है।

यह उपलब्धि केवल आंकड़ों की सफलता नहीं, बल्कि मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी की उस विकास नीति का परिणाम है, जिसमें आधुनिक तकनीक, स्वच्छ ऊर्जा, पर्यावरण संरक्षण और आमजन की आर्थिक सुविधा को एक साथ प्राथमिकता दी जा रही है। उत्तर प्रदेश ने सौर ऊर्जा को केवल बिजली उत्पादन का माध्यम न मानकर इसे ऊर्जा आत्मनिर्भरता, रोजगार सृजन और पर्यावरण संरक्षण से जोड़ते हुए एक व्यापक जनअभियान का रूप दिया है।

मा. प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने देश के प्रत्येक परिवार को स्वच्छ और सस्ती ऊर्जा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना की शुरुआत की। मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी ने इस संकल्प को उत्तर प्रदेश में मिशन मोड पर लागू कराने के लिए संबंधित विभागों को स्पष्ट दिशा और गति प्रदान की। ऊर्जा विभाग, यूपीनेडा, विद्युत वितरण निगमों, बैंकिंग संस्थानों और अधिकृत वेंडर्स के समन्वित प्रयासों के साथ योजना को गांव-गांव और घर-घर तक पहुंचाया गया। जिला स्तर पर नियमित समीक्षा, बैंकिंग प्रक्रिया में तेजी, मीटरिंग की निगरानी तथा लंबित मामलों के त्वरित निस्तारण ने योजना की रफ्तार को आगे बढ़ाया। उत्तर प्रदेश की इस सफलता का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि अब सौर ऊर्जा प्रदेश के लाखों परिवारों के जीवन का हिस्सा बन रही है। प्रदेश में 2,942 मेगावाट से अधिक रूफटॉप सोलर क्षमता स्थापित हो चुकी है। इससे प्रतिदिन 1.32 करोड़ यूनिट से अधिक स्वच्छ बिजली उत्पादन की क्षमता विकसित हुई है। रूफटॉप सोलर के माध्यम से परिवारों के बिजली खर्च में कमी आ रही है और वे ऊर्जा उत्पादन में उपभोक्ता के साथ-साथ भागीदार भी बन रहे हैं। इस प्रकार 'बिजली लेने वाले घर' अब 'बिजली बनाने वाले घर' बनने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में सौर ऊर्जा के विस्तार का प्रभाव पर्यावरण संरक्षण पर भी दिखाई दे रहा है। रूफटॉप सोलर के माध्यम से लगभग 11,700 एकड़ भूमि के बराबर भू-आवश्यकता से बचाव हुआ है। साथ ही प्रतिवर्ष 34 लाख टन से अधिक कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में कमी का अनुमान है। यह पर्यावरणीय लाभ लगभग 15 करोड़ से अधिक पेड़ों द्वारा एक वर्ष में अवशोषित किए जाने वाले कार्बन के बराबर है। उत्तर प्रदेश का सौर ऊर्जा मॉडल विकास के साथ पर्यावरण संरक्षण का भी मजबूत उदाहरण बन रहा है।

जरा हटके

योजना में प्रति ...

डॉ0 सीमा गुप्ता

गौवंश बढ़ा रहे ग्रामीण परिवारों में आत्मनिर्भरता

प्रदेश सरकार द्वारा ग्रामीण अर्थव्यवस्था के सुदृढ़ीकरण, दुग्ध उत्पादकता में गुणात्मक वृद्धि तथा उन्नत स्वदेशी गौवंश के संरक्षण एवं संवर्धन के उद्देश्य से 'नन्द बाबा दुग्ध मिशन' के अंतर्गत 'मुख्यमंत्री स्वदेशी गौ-संवर्धन योजना' का सघन क्रियान्वयन किया जा रहा है। दुग्ध विकास विभाग के तत्वावधान में संचालित यह दूरगामी योजना पारंपरिक पशुपालन को एक लाभकारी उद्यम में रूपान्तरित कर ग्रामीण परिवारों की आय में स्थायी वृद्धि सुनिश्चित कर रही है। जनपद गाजियाबाद में जिला प्रशासन द्वारा इस महत्वाकांक्षी योजना को धरातल पर प्रभावी ढंग से उतारने के लिए प्राथमिकता के आधार पर कार्य किया जा रहा है। जनपद के ग्रामीण अंचलों में पशुपालकों को परंपरागत ढर्रे से आगे बढ़ाकर उच्च दुग्ध उत्पादन क्षमता वाली स्वदेशी नस्लों के वैज्ञानिक प्रबंधन से जोड़ने हेतु व्यापक स्तर पर तकनीकी मार्गदर्शन और प्रोत्साहन उपलब्ध कराया जा रहा है।

जिला प्रशासन के सक्रिय मार्गदर्शन में जनपद गाजियाबाद के विकास खण्ड लोनी स्थित ग्राम करेड़ा निवासी श्रीमती दीपा चौहान इस योजना की एक प्रेरक मिसाल बनकर उभरी हैं। वित्तीय वर्ष 2024-25 में उन्होंने क्षेत्रीय पशु चिकित्सालय भोपुरा के सहयोग से 'मुख्यमंत्री स्वदेशी गौ-संवर्धन योजना' के अंतर्गत अपना ऑनलाइन पंजीकरण एवं आवेदन प्रस्तुत किया था। पारदर्शी चयन प्रक्रिया के उपरांत आवेदन स्वीकृत होने पर श्रीमती दीपा चौहान ने एक साहीवाल और एक गिर नस्ल की दो उन्नत स्वदेशी दुधारू गायों का क्रय किया। लगभग 2 लाख रुपये की कुल स्वीकृत परियोजना लागत पर प्रदेश सरकार द्वारा

उन्हें 40 प्रतिशत की दर से 80 हजार रुपये की शासकीय अनुदान राशि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से प्रदान की गई।

योजना के अंतर्गत प्राप्त वित्तीय और तकनीकी संबल से लाभार्थी श्रीमती दीपा चौहान द्वारा स्थापित इस दो-गौवंशीय इकाई का संचालन अत्यंत सुव्यवस्थित ढंग से किया जा रहा है। उन्नत नस्ल की इन स्वदेशी गायों से प्राप्त उच्च गुणवत्तायुक्त और पौष्टिक दूध से जहां एक ओर उनके परिवार को पोषण सुरक्षा प्राप्त हुई है, वहीं दूसरी ओर अतिरिक्त दूध के नियमित विक्रय से परिवार की मासिक आय में उल्लेखनीय वृद्धि भी हुई। शासन की कल्याणकारी नीतियों के प्रत्यक्ष प्रभाव को रेखांकित करते हुए श्रीमती दीपा चौहान ने प्रदेश सरकार की इस पहल के प्रति आभार व्यक्त किया है। उनका मानना है कि समयबद्ध शासकीय अनुदान और पारदर्शी व्यवस्था ने उनके परिवार को आर्थिक आत्मनिर्भरता प्रदान की है। इस सकारात्मक परिणाम से प्रेरित होकर उन्होंने जनपद के अन्य किसानों और पशुपालकों से भी स्वदेशी गौवंश को अपनाकर योजना का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया है। 'मुख्यमंत्री स्वदेशी गौ-संवर्धन योजना' की मूल संरचना के अंतर्गत प्रदेश के पशुपालकों को अन्य राज्यों के मूल प्रजनन क्षेत्रों (ब्रीडिंग ट्रैक्ट्स) से उन्नत स्वदेशी नस्ल की दुधारू गायें क्रय करने हेतु आर्थिक संबल प्रदान किया जाता है। इसके तहत गिर, साहीवाल, हरियाणा और थारपारकर जैसी उच्च दुग्ध उत्पादन क्षमता वाली प्रमाणित नस्लों की दो-गौवंशीय इकाई स्थापित करने का स्पष्ट प्रावधान है।

योजना में प्रति दो-गौवंशीय इकाई की मानक लागत 2 लाख रुपये निर्धारित की गई है। इस पर प्रदेश सरकार द्वारा कुल लागत का 40 प्रतिशत अथवा अधिकतम 80 हजार रुपये (प्रति गाय 40 हजार रुपये) का एकमुश्त अनुदान अनुमन्य है। इस अनुदान राशि में केवल पशु क्रय मूल्य ही नहीं, बल्कि बाह्य राज्यों से पशुओं को लाने का परिवहन व्यय, पारगमन (ट्रांजिट) बीमा तथा पशुओं का अनिवार्य तीन वर्षीय सघन बीमा व्यय भी सम्मिलित है, जिससे पशुपालक को किसी भी प्रकार की वित्तीय अनिश्चितता से सुरक्षा मिलती है। ग्रामीण विकास में महिलाओं की केंद्रीय भूमिका को मान्यता देते हुए योजना में महिला सशक्तिकरण को विशेष अधिमान दिया गया है। दिशा-निर्देशों के अनुसार जनपदवार निर्धारित कुल भौतिक लक्ष्यों का 50 प्रतिशत भाग अनिवार्य रूप से महिला दुग्ध उत्पादकों और गौपालकों के लिए आरक्षित रखा गया है। यह व्यवस्था ग्रामीण परिवेश में महिलाओं को स्वतंत्र आर्थिक स्वावलंबन और उद्यमशीलता की मुख्यधारा से जोड़ने में युगांतरकारी सिद्ध हो रही है। योजना की संपूर्ण कार्यप्रणाली को बिचौलिया-मुक्त और शुचितापूर्ण बनाए रखने के लिए 'नन्द बाबा दुग्ध मिशन' के अधिकृत पोर्टल पर पूर्णतः ऑनलाइन आवेदन व्यवस्था लागू की गई है। प्राप्त आवेदनों की संख्या जनपद के निर्धारित लक्ष्य से अधिक होने की स्थिति में लाभार्थियों का अंतिम चयन पूर्ण निष्पक्षता के साथ कंप्यूटरीकृत ई-लॉटरी प्रणाली द्वारा संपन्न किया जाता है। चयन पत्र निर्गत होने के पश्चात लाभार्थी को दो माह की निर्धारित समयावधि के भीतर अनुमोदित राज्यों से निर्धारित नस्ल की गायों का क्रय करना होता है। पशुओं की प्रामाणिकता और पहचान सुनिश्चित करने के लिए केंद्र सरकार के राष्ट्रीय पशुधन पोर्टल पर डिजिटल ईयर टैगिंग की जाती है। इसके साथ ही सक्षम पशु चिकित्सा दल द्वारा स्वास्थ्य एवं नस्ल परीक्षण प्रमाण पत्र जारी किया जाना अनिवार्य है। भौतिक सत्यापन और आवश्यक अभिलेखों के डिजिटल प्रमाणीकरण के उपरांत अनुदान की पूरी धनराशि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से लाभार्थी के आधार-संबद्ध बैंक खाते में अंतरित की जाती है। जनपद गाजियाबाद में जिला प्रशासन द्वारा लोनी, मुरादनगर, रजापुर एवं भोजपुर विकास खण्डों के सभी पशु चिकित्सालयों और पशु सेवा केंद्रों को नोडल सुविधा केंद्र के रूप में सक्रिय किया गया है, जहां पशुपालकों को पंजीकरण, नस्ल चयन, चारा प्रबंधन और टीकाकरण संबंधी परामर्श सुलभ कराया जा रहा है।

लखीमपुर में बोले स्वतंत्र देव, केशव ने कहा- पहले पुलिस अपराधियों से डरती थी

'मोदी-योगी को छोड़ा तो माथे पर टीका नहीं रहेगा'

टिप्पडी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखीमपुर-खीरी। लखीमपुर खीरी में मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह ने कहा कि अगर मोदी-योगी को छोड़ा तो माथे पर टीका नहीं बचेगा। अगर आज आप सुरक्षित महसूस करते हो तो ये योगी जी की देन है। अगर आस्ट्रेलिया में भी आपका बच्चा फंसा है तो मोदी जी उसे निकालकर हिंदुस्तान लाते हैं। इसलिए मित्रों सभी को छोड़ देना। जातिवाद, क्षेत्रवाद, व्यक्तिवाद, परिवारवाद, वंशवाद सभी को छोड़

देना। एक ही बात देखना- राष्ट्रवाद। नहीं तो श्रीनगर के चौक पर तिरंगा झंडा नहीं लहराएगा। वहीं, डिप्टी सीएम केशव मौर्य ने कहा कि पहले अपराधी पुलिस से नहीं बल्कि, पुलिस अपराधियों से डरती थी। दरअसल, बुधवार को गोला गोकर्णनाथ के कबीरधाम में कबीर महोत्सव का आयोजन किया गया है। यहां लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और प्रभारी मंत्री नितिन अग्रवाल भी शामिल होने पहुंचे हैं।

स्वतंत्र देव सिंह बोले- योगी-मोदी को छोड़ा तो माथे पर टीका नहीं रहेगा

स्वतंत्र देव सिंह ने कहा- अगर तुम सुरक्षित महसूस करते हो तो ये योगी जी की देन है। अगर आस्ट्रेलिया में भी आपका बच्चा फंसा है तो मोदी जी उसे निकालकर हिंदुस्तान लाते हैं। इसलिए सभी को छोड़ देना मित्रों। जातिवाद, क्षेत्रवाद, व्यक्तिवाद, परिवारवाद, वंशवाद सभी को छोड़ देना। एक ही बात देखना- राष्ट्रवाद। नहीं तो श्रीनगर के चौक पर तिरंगा झंडा नहीं लहराएगा और माथे पर टीका नहीं रहेगा। मैं झूठ नहीं बोल रहा हूं। इसलिए आप एक काम आप करो, बाकी मोदी-योगी जी पर छोड़ दो। इनका बस चलेगा तो अपने चम्मच से भोजन करवाएंगे।

अजय मिश्र टेनी ने कहा- भारत की पार्लियामेंट दुनिया की सबसे बेहतर पार्लियामेंट है

कार्यक्रम में पूर्व केंद्रीय गृहराज्य मंत्री अजय मिश्र टेनी भी पहुंचे। उन्होंने मंच से कहा- भारत की पार्लियामेंट ने इतना तकनीकी सुधार किया है कि आज भारत की पार्लियामेंट दुनिया की सबसे बेहतर पार्लियामेंट है। गोला विधायक अमन गिरी, कस्ता विधायक सौरभ सिंह सोनू, सदर विधायक योगेश वर्मा, धौरहरा विधायक विनोद शंकर अवस्थी, गोला नगर पालिका अध्यक्ष विजय शुक्ला भी मौजूद हैं।

- डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के स्वागत की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं।
- वीआईपी मूवमेंट के चलते बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात है।
- डिप्टी सीएम और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला हेलीपैड से पैदल ही मंच तक गए।

66 ओम बिरला ने कहा कि लोकतंत्र में विचार और दृष्टिकोण अलग-अलग हो सकते हैं, लेकिन असहमतियों का भी सम्मान होना जरूरी है। हमें ऐसी वाणी का प्रयोग नहीं करना चाहिए, जिससे किसी के मन में घृणा का भाव पैदा हो। लोकसभा स्पीकर ने कहा कि किसी व्यक्ति को उसके पद से नहीं, बल्कि कर्मों से याद किया जाता है।

यूपी में जलयानों को मिलेगी खास पंजीकरण संख्या

जल परिवहन से विकास और कल्याण तक, यूपी में बनेंगी दो निधियां

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में नदी आधारित परिवहन को सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने के साथ इससे जुड़ी आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने की दिशा में योगी सरकार नई नियामक व्यवस्था लागू करने की तैयारी कर रही है। प्रस्तावित अंतर्देशीय जलयान नियमावली-2026 के तहत यंत्रचालित और गैर-यांत्रिक जलयानों को विशिष्ट पंजीकरण संख्या दी जाएगी। वहीं, जल परिवहन से जुड़े विकास और कल्याण कार्यों के लिए अलग-अलग निधियां गठित करने, घाटों के संचालन में पारदर्शिता बढ़ाने और यात्रियों की सुरक्षा के मानक तय करने का प्रावधान किया गया है। इससे गंगा, यमुना, घाघरा, गोमती, गंडक और बेतवा जैसी प्रमुख नदियों में यात्री परिवहन, नदी पर्यटन, पारंपरिक नौका संचालन और माल परिवहन को अधिक सुरक्षित तथा व्यवस्थित बनाने में मदद मिलने की उम्मीद है। यूपी परिवहन विभाग के मुताबिक प्रस्तावित नियमावली में जल परिवहन से प्राप्त शुल्क और जुर्माने के माध्यम से यंत्रचालित जलयानों के लिए राज्य विकास निधि गठित करने की व्यवस्था है। दूसरी ओर, गैर-यांत्रिक जलयानों से संबंधित गतिविधियों के लिए जिला स्तर पर जिला कल्याण निधि बनाई जाएगी। इस व्यवस्था का उद्देश्य जल परिवहन के नियमन के साथ संबंधित क्षेत्र के विकास और नाविकों के कल्याण के लिए वित्तीय संसाधन उपलब्ध कराना है। नियमावली के तहत जलयानों की पहचान और उनकी स्थिति का आकलन करने के लिए पंजीकरण, सर्वेक्षण एवं मूल्यांकन की जिम्मेदारियां स्पष्ट की जाएंगी। यंत्रचालित जलयानों के पंजीकरण के लिए प्रत्येक जिले में सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) को पंजीकरण अधिकारी नामित करने का प्रावधान है।

फास्ट न्यूज

करुणा परमार को मिली बड़ी जिम्मेदारी

नई दिल्ली। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) ने महिला संगठन को मजबूती देने की दिशा में श्रीमती करुणा परमार को दिल्ली प्रदेश महिला सेल का कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया है। चंद्र प्रभा भाटिया ने विश्वास जताया कि करुणा परमार के कुशल नेतृत्व में दिल्ली प्रदेश महिला सेल को नई ऊर्जा और मजबूती मिलेगी। उनके नेतृत्व में संगठन का विस्तार होगा तथा महिला सशक्तीकरण से जुड़े प्रयासों को नई गति प्राप्त होगी।

अखिलेश यादव को लेडी इन्फ्लुएंसर ने बताया उत्तराखंड का जमाई

देहरादून। हल्द्वानी की सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर ज्योति अधिकारी ने उत्तराखंड के लोगों को घुसपैठिया बताने वाले अखिलेश यादव के बयान पर तंज कसा है। उन्होंने एक वीडियो जारी कर अखिलेश यादव को उत्तराखंड का 'जवाई' (दामाद) बताते हुए कहा कि वे अपने जवाई को समझाकर ससुराल वालों से माफी मंगवा लेंगी। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि अखिलेश यादव को थोड़ा छल लग गया है, वे एक-दो दिन में ठीक हो जाएंगे। हालांकि, जब तक वे अपने बयान पर माफी नहीं मांगते, तब तक विरोध जारी रहेगा।

रामजानकी मंदिर में अखंड रामायण के विश्राम पर भंडारा

बलदेव। मुहल्ला सराय, बलदेव स्थित रामजानकी मंदिर में चल रही अखंड रामायण पाठ के विश्राम के अवसर पर भव्य भंडारे का आयोजन किया गया। भंडारे में हजारों श्रद्धालुओं ने पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया और पुण्य लाभअर्जित किया। इस अवसर पर मंदिर में विराजमान रामदरबार, हनुमान जी एवं शिव परिवार की प्रतिमाओं को आकर्षक परिधान धारण कराए गए।

योगी सरकार का बिजली उपभोक्ताओं को दिवाली गिफ्ट

नवंबर के बिल में 9.17% की मिलेगी छूट

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। योगी सरकार में उत्तर प्रदेश के बिजली उपभोक्ताओं को नवंबर 2026 के बिजली बिल में बड़ी राहत मिलने जा रही है। फ्यूल एंड पावर परचेज एडजस्टमेंट सरचार्ज (एफपीएएएस) के तहत उपभोक्ताओं को 9.17 प्रतिशत की राहत दी जाएगी। इससे नवंबर के बिजली बिल में लागू बिजली शुल्क कम होंगे और घरेलू, व्यावसायिक व अन्य उपभोक्ताओं को सीधा लाभ मिलेगा। यह लगातार पांचवां महीना है, जब उपभोक्ताओं को नकारात्मक एफपीएएएस के माध्यम से राहत मिल रही है। उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएल) के अनुसार, उपभोक्ताओं को जुलाई में 4.43 प्रतिशत, अगस्त में 2.92 प्रतिशत, सितंबर में 7.93 प्रतिशत और अक्टूबर में 5.24 प्रतिशत की राहत दी गई थी। अब नवंबर में यह राहत बढ़कर 9.17 प्रतिशत हो गई है। इससे उपभोक्ताओं को लगातार पांच महीने बिजली बिल में राहत का लाभ मिलेगा। एफपीएएएस व्यवस्था के तहत बिजली खरीद और ईंधन की वास्तविक लागत टैरिफ में शामिल लागत से कम होने पर उसका लाभ उपभोक्ताओं को बिजली बिल में राहत के रूप में दिया जाता है। यह राहत बिजली खरीद लागत के बेहतर प्रबंधन का परिणाम है। यूपीपीसीएल इसका लाभ सीधे उपभोक्ताओं तक पहुंचा रहा है। यह राहत ऐसे समय मिल रही है, जब यूपीपीसीएल प्रदेश में विश्वसनीय और गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति के साथ उपभोक्ता सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए लगातार प्रयासरत है। लगातार पांच महीनों से मिल रही एफपीएएएस राहत उपभोक्ता हितों, पारदर्शी बिलिंग और कुशल बिजली खरीद के प्रति यूपीपीसीएल की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

सिंगापुर बिजनेस फेडरेशन) के उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री से की मुलाकात

सिंगापुर की तकनीक और यूपी का सामर्थ्य मिलकर लिखेंगे वैश्विक विकास की नई इबारतः मुख्यमंत्री

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश को देश का प्रमुख ग्रोथ इंजन बनाने और 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य की ओर तेजी से आगे बढ़ाने के संकल्प के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को राजधानी लखनऊ में सिंगापुर के शीर्ष उद्योगपतियों एवं निवेशकों के 14 सदस्यीय उच्चस्तरीय व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल के साथ विस्तृत चर्चा की। सिंगापुर बिजनेस फेडरेशन के नेतृत्व में आए प्रतिनिधिमंडल ने प्रदेश में लॉजिस्टिक्स, सेमीकंडक्टर, डेटा सेंटर, ग्रीन एनर्जी, अर्बन प्लानिंग और हॉस्पिटैलिटी जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में बड़े निवेश की इच्छा व्यक्त की।

सिंगापुर रोडशो के दौरान राज्य सरकार ने निवेशकों को 'सेफ्टी, स्टेबिलिटी और स्पीड' का जो भरोसा दिया था, प्रदेश आज भी उसी कमिटमेंट के साथ आगे बढ़ रहा है। 'एमओयू से मैन्युफैक्चरिंग' और 'ग्राउंडब्रेकिंग से प्रोडक्शन' तक की पूरी प्रक्रिया में उत्तर प्रदेश सरकार निवेशकों के साथ मजबूती से खड़ी रहेगी और हर स्तर पर आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराएगी। प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आधुनिक सिंगापुर के निर्माता स्वर्गीय ली कुआन यू के विजन ने दुनिया को दिखाया कि किसी देश की वैश्विक पहचान उसके भौगोलिक आकार से अधिक उसकी दृष्टि, कार्यक्षमता और संसाधनों के कुशल उपयोग से बनती है।

66 मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडल के समक्ष जेवर स्थित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के निकट समर्पित 'सिंगापुर सिटी' और हाई-टेक इंडस्ट्रियल टाउनशिप विकसित करने का प्रस्ताव रखा। उन्होंने कहा कि ईस्टर्न और वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के संगम तथा विश्वस्तरीय एक्सप्रेसवे नेटवर्क से जुड़ा यह क्षेत्र अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के लिए उत्तर भारत का प्रमुख सप्लाई चेन हब बनने की क्षमता रखता है। औद्योगिक निवेश के लिए प्रदेश में 75 हजार एकड़ से अधिक का लैंड बैंक उपलब्ध है और 27 इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग एंड लॉजिस्टिक्स क्लस्टर विकसित किए जा रहे हैं।

- उद्योग, लॉजिस्टिक्स और डेटा सेंटर में निवेश पर हुई विस्तृत चर्चा
- 'एमओयू से मैन्युफैक्चरिंग' और 'ग्राउंडब्रेकिंग से प्रोडक्शन' तक निवेशकों के साथ मजबूती से खड़ी है यूपी सरकारः मुख्यमंत्री
- देश के कुल मोबाइल उत्पादन का 55% और 60% कंपोनेंट निर्माण आज उत्तर प्रदेश में हो रहाः योगी आदित्यनाथ
- निवेश को मिली तत्काल जमीनः मुख्यमंत्री ने सौंपा पात्रता प्रमाणपत्र, दो प्रमुख कंपनियों के साथ हुए एमओयू

जनता के सहयोग से तार चोरी करते पकड़ा गया आरोपी, गिरफ्तार

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। सरोजनीनगर थाना क्षेत्र के न्यू रहीमाबाद में घर में घुसकर बिजली की वायरिंग के तार चोरी करने का प्रयास कर रहे एक आरोपी को स्थानीय लोगों की मदद से पकड़ लिया गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से चोरी किया गया तार, प्लास और चाकू बरामद हुआ है। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ पहले से भी कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस के अनुसार, न्यू रहीमाबाद निवासी सुभाष गौतम ने 28 अक्टूबर को सरोजनीनगर थाने में शिकायत दर्ज कराई कि उनके पड़ोस के घर में एक व्यक्ति वायरिंग के तार काटकर चोरी कर रहा था। मौके पर मौजूद लोगों ने तत्परता दिखाते हुए उसे पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर

दिया। शिकायत के आधार पर पुलिस ने अंकित गौतम (31) निवासी रहीमाबाद, थाना बिजनौर, लखनऊ के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने पुलिस को बताया कि वह नशे का आदी है और पैसे खत्म होने पर चोरी कर अपना खर्च चलाता है। पुलिस ने बताया कि आरोपी के खिलाफ बिजनौर थाने में वर्ष 2022 से 2024 के बीच आर्म्स एक्ट और चोरी समेत विभिन्न धाराओं में चार मुकदमे दर्ज हैं। सरोजनीनगर थाने में तार चोरी के प्रयास के मामले में पांचवां मुकदमा दर्ज किया गया है। यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त तरुण गाबा के निर्देश पर अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत की गई। पुलिस उपायुक्त दक्षिणी मोहम्मद मुश्ताक के निर्देशन, अपर पुलिस उपायुक्त रल्लापल्ली वसंथ कुमार के पर्यवेक्षण और एसीपी कृष्णानगर लक्ष्मण वर्मा के मार्गदर्शन में प्रभारी निरीक्षक राजदेव प्रजापति के नेतृत्व वाली पुलिस टीम ने कार्रवाई की। पुलिस ने आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी कर आरोपी को न्यायालय में पेश किया।

7 मांगों को लेकर वकीलों की हड़ताल

रजिस्ट्री दफ्तर का काम बंद कराया, कचहरी में धरना दिया

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर में सात मांगों को लेकर बुधवार को वकीलों ने काम नहीं किया। वकीलों ने कचहरी में धरना दिया और नारे लगाते हुए रजिस्ट्री दफ्तर पहुंचे। यहां उन्होंने काम बंद करा दिया। हड़ताल के चलते कचहरी में कामकाज ठप रहा। फोटो कॉपी और स्टांप की दुकानें भी बंद रहीं। मुकदमों की सुनवाई के लिए दूर-दराज से आए लोगों को अगली तारीख लेकर लौटना पड़ा। वकीलों की मांग है कि अधिवक्ता सुरक्षा कानून बनाया जाए और वरिष्ठ वकीलों को पेंशन दी जाए। सितंबर में हुए प्रदेश स्तरीय सम्मेलन में मांगें पूरी होने तक हर बुधवार काम न करने का फैसला लिया गया था। लोक अदालत का बहिष्कार करने और अदालतों में काम बंद रखने को लेकर जिला जज ने बार एसोसिएशन और लायर्स एसोसिएशन को नोटिस देकर जवाब

मांगा था। इसके बावजूद बुधवार को दोनों संगठनों के वकीलों ने हड़ताल की। बार एसोसिएशन के महामंत्री बिनय कुमार मिश्रा और लायर्स एसोसिएशन के महामंत्री राजीव यादव के नेतृत्व में प्रदर्शन हुआ। हड़ताल के कारण कचहरी में सन्नाटा रहा। अपने मुकदमों की सुनवाई के लिए आए लोगों को तारीख लेकर लौटना पड़ा। सम्मेलन में फैसला लिया गया था कि मांगें पूरी होने तक हर बुधवार वकील अदालतों में काम नहीं करेंगे। इसी फैसले के तहत 28 अक्टूबर को भी हड़ताल की गई। बुधवार सुबह करीब 10:20 बजे वकीलों ने कचहरी गेट पर धरना देकर नारेबाजी शुरू की।

सम्मेलन में हर बुधवार हड़ताल का फैसला

बार एसोसिएशन और लायर्स एसोसिएशन ने 10 और 11 सितंबर को बार एसोसिएशन परिसर में दो दिवसीय प्रदेश स्तरीय सम्मेलन किया था। इसमें अधिवक्ता सुरक्षा कानून बनाने, वरिष्ठ वकीलों को पेंशन देने समेत सात मांगों पर चर्चा हुई थी। सम्मेलन में फैसला लिया गया था कि मांगें पूरी होने तक हर बुधवार वकील अदालतों में काम नहीं करेंगे। इसी फैसले के तहत 28 अक्टूबर को भी हड़ताल की गई। बुधवार सुबह करीब 10:20 बजे वकीलों ने कचहरी गेट पर धरना देकर नारेबाजी शुरू की। इसके बाद वे नारे लगाते हुए रजिस्ट्री दफ्तर पहुंचे। वहां मौजूद वकीलों से भी काम बंद रखने को कहा गया और दफ्तर का काम रुकवा दिया गया।

अभियान : वाराणसी-आगरा-लखनऊ में 86 प्रतिष्ठानों का निरीक्षण

दीपावली से पहले 'शुद्ध ही शुभ है' अभियान तेज

- लखनऊ में भी एक मिठाई प्रतिष्ठान का कारोबार बंद कराया गया
- खाद्य सुरक्षा मानकों में कमियों पर एफएसडीए की ओर से 71 सुधार नोटिस जारी, 30 नमूने संकलित
- प्रतिबंधित पदार्थों के इस्तेमाल और अस्वच्छ परिस्थितियों में निर्माण पर विभाग का सख्त रुख

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। दीपावली के अवसर पर उपभोक्ताओं को सुरक्षित, शुद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण मिठाई और नमकीन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए), उत्तर प्रदेश ने 'शुद्ध ही शुभ है' अभियान के अंतर्गत प्रदेश में खाद्य सुरक्षा जांच तेज कर दी है। इसी क्रम में वाराणसी, आगरा और लखनऊ में मिठाई एवं नमकीन विनिर्माण प्रतिष्ठानों तथा संबंधित खाद्य कारोबार इकाइयों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान खाद्य सुरक्षा मानकों में कमियां पाए जाने पर 71 सुधार नोटिस जारी किए गए और 30 खाद्य नमूने संकलित किए गए।

वाराणसी में 30 प्रतिष्ठानों का निरीक्षण, कोजी स्वीट्स पर गंभीर कमियां

वाराणसी में मिठाई एवं नमकीन विनिर्माण और बिक्री से जुड़े 30 प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान 28 सुधार नोटिस जारी किए गए और खाद्य पदार्थों के 15 नमूने संकलित किए गए। वाराणसी के सिंधी कॉलोनी, पाण्डेयपुर स्थित कोजी स्वीट्स में निरीक्षण के दौरान विनिर्माण परिसर की स्थिति अस्वच्छ पाई गई। परिसर के कई स्थानों पर जलजमाव, फर्श पर अत्यधिक गंदगी और दीवारों पर जाले मिले। अपशिष्ट प्रबंधन की उचित व्यवस्था नहीं थी। खाद्य एवं अखाद्य पदार्थों के रखरखाव में भी कमियां पाई गईं। विनिर्माण में प्रयुक्त मशीनों और बर्तनों की साफ-सफाई संतोषजनक नहीं मिली।

बांके बिहारी मिष्ठान भंडार में स्वच्छता और रखरखाव में कमी

कमला नगर स्थित बांके बिहारी मिष्ठान भंडार में विनिर्माण परिसर की स्थिति अस्वच्छ पाई गई। कई स्थानों पर जलजमाव, फर्श पर अत्यधिक गंदगी और दीवारों पर जाले मिले। अपशिष्ट प्रबंधन की उचित व्यवस्था नहीं थी और विनिर्माण में प्रयुक्त मशीनों तथा बर्तनों की साफ-सफाई में भी कमी पाई गई। पेस्ट कंट्रोल और जल गुणवत्ता से संबंधित रिपोर्ट उपलब्ध नहीं मिली। इन कमियों के आधार पर प्रतिष्ठान की खाद्य कारोबार अनुज्ञप्ति निलंबित किए जाने की अनुशंसा की गई है। मानकों के अनुरूप सुधार के बाद ही विनिर्माण दोबारा शुरू करने की बात कही गई है। आगरा के सेठ गली स्थित हीरा हलवाई के परिसर में भी अस्वच्छ परिस्थितियों में विनिर्माण किए जाने की स्थिति सामने आई। परिसर में कई स्थानों पर जलजमाव, फर्श पर अत्यधिक गंदगी और दीवारों पर जाले पाए गए। इन गंभीर कमियों के मद्देनजर प्रतिष्ठान का खाद्य कारोबार लाइसेंस निलंबित किए जाने की अनुशंसा की गई है।

योगी सरकार में गोवंश संरक्षण को मिला आर्थिक संबल

मंडी परिषद का बजट नौ वर्षों में 15 गुना से अधिक बढ़ा

- निराश्रित गोवंश के भरण-पोषण के लिए 69.16 करोड़ रुपये स्वीकृत, गोसेवा आयोग को पहली किस्त के रूप में 34.58 करोड़ रुपये जारी
- मंडियों की कुल आय का तीन प्रतिशत गोवंश संरक्षण पर खर्च, किसानों के हितों के साथ गोसेवा और संवेदनशील सुशासन को प्राथमिकता

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार निराश्रित गोवंश के संरक्षण, संवर्धन और बेहतर भरण-पोषण के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। इसी क्रम में राज्य कृषि उत्पादन मंडी परिषद ने वित्तीय वर्ष 2026-27 में गोवंश संरक्षण के लिए 69.16 करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं। इसमें से 34.58 करोड़ रुपये की पहली किस्त उत्तर प्रदेश गोसेवा आयोग को जारी कर दी गई है। पिछले नौ वर्षों में इस मद में मंडी परिषद का वार्षिक वित्तीय प्रावधान 4.51 करोड़ रुपये से बढ़कर 69.16 करोड़ रुपये हो गया है, जो 15 गुने से अधिक की वृद्धि को दर्शाता है। योगी सरकार की इस पहल के तहत कृषि मंडियों से प्राप्त राजस्व का एक हिस्सा निराश्रित गोवंश की सेवा और देखभाल पर खर्च किया जा रहा है। मंडी परिषद अपनी कुल आय का तीन प्रतिशत गोसेवा आयोग को उपलब्ध कराती है। इस धनराशि का उपयोग पंजीकृत गोशालाओं में संरक्षित गोवंश के लिए चारा, आश्रय, टीकाकरण, चिकित्सा और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने में किया जाता है। इससे कृषि विपणन व्यवस्था से प्राप्त राजस्व को गोवंश संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण सामाजिक दायित्व से जोड़ा गया है। गोवंश संरक्षण के लिए मंडी परिषद की ओर से दिए जाने वाले अनुदान में वृद्धि की प्रक्रिया वर्ष 2019 में तेज हुई, जब गोसेवा आयोग को अनुदान देने का प्रावधान दो प्रतिशत किया गया। इसके बाद वर्ष 2020 में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंडी परिषद के संचालक मंडल ने परिषद की कुल आय का तीन प्रतिशत गोसेवा आयोग को उपलब्ध कराने का निर्णय लिया।

मथुरा में एसएसपी ने किया पुलिस विभाग में फेरबदल, दो निरीक्षकों और 29 उपनिरीक्षकों के कार्यक्षेत्र बदले

जनशिकायतों के निस्तारण में लापरवाही पर जैत थाना प्रभारी लाइन हाजिर

ट्रांसफर

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा। जनशिकायतों के निस्तारण में लापरवाही की शिकायतों के बाद एसएसपी श्लोक कुमार ने जैत थाना प्रभारी सोनू कुमार को लाइन हाजिर कर दिया है। फरियादियों की ओर से अधिकारियों से लगातार शिकायतें किए जाने के बाद पुलिस विभाग में यह कार्रवाई की गई।

मंगलवार रात जारी आदेश में जिले के दो निरीक्षकों और 29 उपनिरीक्षकों के कार्यक्षेत्र में बदलाव किया गया है। इस फेरबदल के तहत कई थाना प्रभारियों को नई जिम्मेदारी सौंपी गई है, जबकि थानों, चौकियों और पुलिस लाइन में तैनात पुलिसकर्मियों को भी नई जगह भेजा गया है।

चौकी प्रभारियों के कार्यक्षेत्र में भी बदलाव

थाना प्रभारियों के साथ ही कई उपनिरीक्षकों और चौकी प्रभारियों की तैनाती भी बदली गई है। आदेश के तहत वीर सिंह को बलदेव की हनुमान तिराहा चौकी से हाईवे थाने भेजा गया है। हरेन्द्र कुमार को कोसीकलां की गोपाल बाग चौकी से हाईवे की बालाजीपुरम चौकी की जिम्मेदारी दी गई है। मांगराम को कोतवाली की बागबहादुर चौकी से वृंदावन की बिहारी जी चौकी भेजा गया है। भुवनेश दीक्षित को मांट की टोल एक्सप्रेसवे चौकी से बलदेव की अरतौनी चौकी में तैनात किया गया है।

शिकायतों के बाद जैत थाना प्रभारी पर कार्रवाई

जैत थाना क्षेत्र में जनशिकायतों के निस्तारण में लापरवाही को लेकर कई फरियादियों ने अधिकारियों से शिकायत की थी। शिकायतों के सामने आने के बाद एसएसपी श्लोक कुमार ने थाना प्रभारी सोनू कुमार को लाइन हाजिर करने का निर्णय लिया। उन्हें जैत थाने से हटाकर पुलिस लाइन भेज दिया गया है।

पुलिस विभाग की ओर से जारी आदेश के अनुसार निरीक्षक स्तर पर भी बदलाव किए गए हैं। अखिलेश कुमार बघेल को पुलिस लाइन से थाना जमुनापार की अपराध शाखा में अतिरिक्त निरीक्षक बनाया गया है। छोटेलाल को फरह थाना प्रभारी के पद से हटाकर जैत थाना प्रभारी बनाया गया है, जबकि सोनू कुमार को जैत थाने से पुलिस लाइन भेजा गया है।

पुलिस विभाग में किए गए इस बदलाव के तहत फरह थाना प्रभारी छोटेलाल को जैत थाने की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं, हाईवे थाने में वरिष्ठ उपनिरीक्षक के पद पर तैनात राजकुमार को फरह का नया थाना प्रभारी बनाया गया है। इसके अलावा पुलिस लाइन से लेकर विभिन्न थानों और चौकियों में तैनात पुलिसकर्मियों के कार्यक्षेत्र में भी बदलाव किया गया है। भुवनेश दीक्षित को मांट की टोल एक्सप्रेसवे चौकी से बलदेव की अरतौनी चौकी में तैनात किया गया है।

मातृ भारती संगठन ने धूमधाम से मनाया डांडिया उत्सव

महिलाओं ने उत्साह के साथ लिया भाग

तमसा संकेत, संवाददाता

बलदेव। कस्बे के स्थानीय होटल देवी कृपा में मातृ भारती संगठन, बलदेव की ओर से डांडिया उत्सव धूमधाम से आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बलदेव नगर की अनेक महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और डांडिया नृत्य के माध्यम से उत्सव का आनंद उठाया। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीमती सरला अग्रवाल ने की। कार्यक्रम का संचालन राधिका गोयल ने किया, जबकि संगठन की अध्यक्ष बेबी गोयल ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। उत्सव के दौरान महिलाओं में खासा उत्साह देखने को मिला। पारंपरिक अंदाज में आयोजित इस कार्यक्रम ने आपसी मेलजोल और सामाजिक सहभागिता को बढ़ावा दिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में मोहिनी अग्रवाल, अनीता उपाध्याय, गीता रावत, प्रीति चौधरी, रीना अग्रवाल, रुचि अग्रवाल, स्वाति अग्रवाल, जिज्ञासा गोयल, पूनम गर्ग और अंजू रावत सहित अन्य महिलाओं का विशेष सहयोग रहा।

फास्ट न्यूज

आगरा में सपा प्रत्याशी से मारपीट, कुर्ता फाड़ा

आगरा। आगरा में एमएलसी शिक्षक चुनाव की मतगणना के दौरान सपा प्रत्याशी डॉ. आकाश अग्रवाल के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। आरोप है कि मतगणना स्थल पर उनके साथ मारपीट की गई और उनका कुर्ता फाड़ दिया गया। आकाश अग्रवाल ने भाजपा समर्थकों पर हमला करने का आरोप लगाया है। घटना के बाद मतगणना स्थल पर तनाव का माहौल बन गया। सपा और भाजपा समर्थक आमने-सामने आ गए।

गोरखपुर के 40 जायरीन मदीना में एक सप्ताह से फंसे

गोरखपुर। गोरखपुर के जायरीन उमराह करने सऊदी अरब के मदीना गए थे। उन्हें 21 अक्टूबर को भारत लौटना था, लेकिन अब तक वापसी नहीं हो सकी है। पश्चिम एशिया में तनाव और उड़ानों में आ रही रुकावटों के कारण उनका ठहराव बढ़ गया है। इससे यात्रियों का बजट बिगड़ रहा है। सूरजकुंड कॉलोनी के रहने वाले सैयद नदीम अहमद अपनी पत्नी चांदनी खातून के साथ और तकिया कवलदह के मुहम्मद खुर्शीद आलम अपनी पत्नी सानिया खानम, अफजल व आबाद के साथ 3 अक्टूबर को उमराह के मुकद्दस सफर पर सऊदी अरब रवाना हुए थे।

बांके बिहारी मंदिर में मिली लखनऊ की 16 वर्षीय किशोरी

वृंदावन (मथुरा)। बांके बिहारी मंदिर परिसर में संदिग्ध और परेशान स्थिति में घूम रही लखनऊ निवासी 16 वर्षीय किशोरी को वृंदावन पुलिस ने सकुशल बरामद कर उसके परिजनों से मिला दिया। किशोरी घर से नाराज होकर वृंदावन आ गई थी। मिशन शक्ति टीम ने काउंसिलिंग के जरिए उसका भरोसा जीता और परिजनों से संपर्क कर उसे सुरक्षित उनके सुपुर्द कर दिया।

आगरा खंड में दोनों सीट पर पिछले एमएलसी रिपीट, स्नातक पर भाजपा, शिक्षक पर सपा का कब्जा

एमएलसी रिजल्ट ने 2027 चुनाव से पहले बढ़ाई सियासी सरगर्मी

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा खंड स्नातक एवं शिक्षक विधान परिषद चुनाव के नतीजों ने जिले की राजनीति में नई चर्चा शुरू कर दी है। दोनों सीटों पर मौजूदा MLC के दोबारा जीते हैं। स्नातक सीट पर भाजपा ने अपना कब्जा बरकरार रखा, जबकि शिक्षक सीट सपा के खाते में गई। दोनों सीटों के नतीजे भाजपा और सपा के लिए अपने-अपने समर्थक वर्गों में पकड़ का आकलन करने का आधार बनेंगे। इन नतीजों को 2027 के यूपी विधानसभा चुनाव की राजनीति से जोड़कर भी देखा जा रहा है। हालांकि, MLC चुनाव का मतदाता वर्ग विधानसभा चुनाव से अलग होता है। इसलिए इन परिणामों को पूरे आगरा के

जनमत का सीधा संकेत नहीं माना जा रहा। फिर भी, राजनीतिक दलों के संगठन, समर्थक वर्गों तक पहुंच और चुनावी प्रबंधन के लिहाज से नतीजे अहम हैं। भाजपा और सपा दोनों के लिए इन नतीजों से अपने-अपने समर्थक वर्गों तक पहुंच का आकलन करने का अवसर है। विधानसभा चुनाव में स्थानीय नेतृत्व, जातीय समीकरण, बूथ प्रबंधन और क्षेत्रीय मुद्दों की भूमिका अलग होगी। इसलिए एमएलसी चुनाव के नतीजों को विधानसभा चुनाव की जीत-हार का पूर्वानुमान नहीं माना जा सकता। दोनों निर्वाचन क्षेत्रों के नतीजे आगरा खंड में अलग-अलग मतदाता समूहों की राजनीतिक पसंद को सामने लाते हैं। स्नातक सीट पर भाजपा और शिक्षक सीट पर सपा की जीत से यह स्पष्ट है कि दोनों दलों का प्रदर्शन निर्वाचन क्षेत्र के अनुसार अलग रहा। आगरा में भाजपा काफी मजबूत स्थिति में रही है। पिछले दो विधानसभा चुनाव (2022 और 2017) में भाजपा ने आगरा की सभी 9 सीटों पर जीत का परचम फहराकर विरोधियों का पसीना छुड़ा दिया।

डा. मानवेंद्र प्रताप सिंह की जीत से भाजपा ने स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में अपना प्रतिनिधित्व बनाए रखा। पार्टी के लिए यह अपने समर्थक मतदाता वर्ग में पकड़ कायम रखने का संकेत है। हालांकि, शिक्षक सीट पर हार के बाद उसे इस निर्वाचन क्षेत्र में अपने प्रदर्शन की समीक्षा करनी होगी। इससे उनकी व्यक्तिगत राजनीतिक पकड़ के साथ शिक्षक वर्ग में सपा की भूमिका भी चर्चा में है।

सती के श्राप के डर से सुरीर के बघा मोहल्ले में नहीं मनाते करवाचौथ

चांद तो निकलेगा, लेकिन सुहागिनें नहीं करेंगी दीदार

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। चांद पर इंसान के पहुंचने के दौर में भी मथुरा जनपद के सुरीर कस्बे का बघा मोहल्ला अपनी अनोखी परंपरा के कारण चर्चा में है। यहां की हिंदू महिलाएं करवाचौथ का व्रत नहीं रखतीं और न ही चांद का दीदार करती हैं। स्थानीय मान्यता के अनुसार, करीब 250 साल पहले पति की हत्या से आहत एक नवविवाहिता ब्राह्मणी ने मोहल्ले के लोगों को श्राप दिया था। इसके बाद से ही यहां करवाचौथ नहीं मनाने की परंपरा चली आ रही है। करवाचौथ पर जहां देशभर में सुहागिनें पति की लंबी उम्र के लिए निर्जला व्रत रखती हैं और सोलह शृंगार कर चांद की पूजा करती हैं, वहीं सुरीर के बघा मोहल्ले में महिलाएं इस परंपरा से दूर रहती हैं। यहां करवाचौथ का चांद तो निकलता है, लेकिन सुहागिनें उसे देखने से परहेज करती हैं। इस परंपरा का सबसे अधिक मलाल उन नवविवाहिताओं को होता है, जिनका शादी के बाद पहला करवाचौथ होता है। इसी वर्ष विवाह करके आईं प्रिया पत्नी डब्बू ठाकुर भी पति की लंबी उम्र के लिए करवाचौथ का व्रत रखना चाहती थीं, लेकिन ससुराल वालों ने सती के श्राप से जुड़ी मान्यता का हवाला देते हुए उन्हें परंपरा का पालन करने को कहा। करीब आठ वर्ष पहले ब्याहकर आईं सपना की भी पहले करवाचौथ पर व्रत रखने की इच्छा थी, लेकिन पारिवारिक परंपरा के चलते उनकी यह इच्छा पूरी नहीं हो सकी। मोहल्ले की बुजुर्ग सुनहरी देवी, बबीता देवी, सुनीता देवी, कमलेश, गोरा, गीता देवी, जानकी, पूनम, सीमा और गंगाधर का कहना है कि वे व्रत रखने के बजाय परिवार की सलामती और सुख-समृद्धि में विश्वास रखते हैं। वहीं, रामवती का कहना है कि सती माता अब श्राप नहीं, बल्कि आशीर्वाद देती हैं, लेकिन वर्षों से चली आ रही परंपरा को तोड़ने की हिम्मत किसी में नहीं है। स्थानीय मान्यता के अनुसार, करीब 250 साल पहले नौहझील थाना क्षेत्र के रामनगला गांव का एक ब्राह्मण युवक गौना कराकर अपनी नवविवाहिता पत्नी को भैंसा-बुग्गी से घर ले जा रहा था। जब उनकी बुग्गी सुरीर पहुंची तो कुछ लोगों ने उसे रोक लिया और भैंसे पर अपना दावा जताया। इसी बात को लेकर विवाद हुआ, जिसमें ब्राह्मण युवक की हत्या कर दी गई। पति की हत्या से आहत नवविवाहिता ने मोहल्ले के लोगों को श्राप दिया और सती हो गई। कहा जाता है।

मिशन शक्ति टीम ने काउंसिलिंग से सुलझाया पति-पत्नी का विवाद

बलदेव पुलिस की पहल पर दूर हुईं गलतफहमियां

तमसा संकेत, संवाददाता

बलदेव (मथुरा)। महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और पारिवारिक विवादों के समाधान के लिए चलाए जा रहे मिशन शक्ति फेज-6.0 अभियान के तहत थाना बलदेव की मिशन शक्ति टीम ने सराहनीय पहल की। पुलिस टीम ने पति-पत्नी के बीच चल रहे आपसी विवाद को काउंसिलिंग के माध्यम से सुलझाते हुए दोनों के बीच समझौता करा दिया। पुलिस के अनुसार, 27 अक्टूबर को थाना बलदेव क्षेत्र की एक महिला ने पारिवारिक विवाद के संबंध में थाने में शिकायती प्रार्थना पत्र दिया था। मामले को गंभीरता से लेते हुए मिशन शक्ति टीम ने तत्काल कार्रवाई की और महिला के पति को थाने बुलाया।

थाने में मिशन शक्ति की महिला पुलिसकर्मियों और काउंसिलिंग टीम ने पति-पत्नी की बातों को धैर्यपूर्वक सुना। इसके बाद दोनों को पारिवारिक

जीवन में आपसी तालमेल, सम्मान और शांति का महत्व समझाया गया। पुलिस टीम के प्रयासों से दोनों के बीच की गलतफहमियां दूर हुईं और सुलह-वार्ता सफल रही। इसके बाद पति-पत्नी ने पुराने विवादों को भुलाकर आपसी सहमति से आगे मिलजुलकर रहने का निर्णय लिया। समझौता होने के बाद महिला को उसके पति के साथ सकुशल और ससम्मान घर भेज दिया गया। महिला के परिजनों ने पुलिस की त्वरित एवं संवेदनशील कार्रवाई के लिए थाना बलदेव पुलिस और मिशन शक्ति टीम का आभार जताया। यह कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मथुरा के निर्देशन में महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत की गई।

12 साल की बच्ची से रेप करने वाले को उम्रकैद

सोते समय घर से उठा ले गया था, आगरा में पॉक्सो कोर्ट का फैसला

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। खेरागढ़ थाना क्षेत्र में 12 साल की बच्ची से दुराचार के मामले में पॉक्सो कोर्ट ने सख्त फैसला सुनाते हुए दोषी ओमवीर को शेष प्राकृतिक जीवन तक आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट सोनिका चौधरी की अदालत ने दोषी पर 50 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। अदालत ने जुर्माने की पूरी राशि पीड़िता को देने के निर्देश दिए हैं। साथ ही पीड़िता को उचित प्रतिकर दिलाने की प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को फैसले की प्रति भेजने का आदेश दिया है। अदालत ने मामले में प्रस्तुत साक्ष्यों, गवाहों के बयानों, पीड़िता की मेडिकल रिपोर्ट और अभियोजन पक्ष की दलीलों पर विचार करने के बाद आरोपी को दोषी करार दिया। इसके बाद पॉक्सो एक्ट के तहत उसे शेष प्राकृतिक जीवन तक जेल में रहने की सजा

सुनाई गई। अदालत के इस फैसले से स्पष्ट है कि नाबालिग के साथ यौन अपराध के मामले में उपलब्ध साक्ष्यों और गवाही के आधार पर दोष सिद्ध होने पर कठोर दंड दिया जा सकता है। मामले की सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने अदालत के सामने कुल 12 गवाह पेश किए। इनमें पीड़िता और उसके पिता के अलावा चिकित्सकीय तथा पुलिस विभाग से जुड़े अधिकारी भी शामिल थे। गवाहों में डॉक्टर शिखा सिंह, डॉक्टर रुचि रानी गुप्ता, सहायक पुलिस आयुक्त गौरव सिंह और निरीक्षक इंद्रजीत सिंह के बयान भी दर्ज किए गए। अभियोजन पक्ष की ओर से सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता सुभाष गिरि और विशेष लोक अभियोजक विजय किशन लवानिया ने मामले की पैरवी की।

सजा के साथ अदालत ने दोषी पर 50 हजार रुपये का आर्थिक दंड भी लगाया। अदालत ने निर्देश दिया कि जुर्माने के रूप में वसूली गई पूरी राशि पीड़िता को दी जाए, ताकि उसे आर्थिक सहायता मिल सके। दोषी को शेष प्राकृतिक जीवन तक आजीवन कारावास और 50 हजार रुपये जुर्माने की सजा दी गई है।

रात एक बजे घर से उठाकर ले गया

मामला 17 अप्रैल 2025 का है। अभियोजन के मुताबिक, बच्ची का पिता काम के सिलसिले में जगनेर गया था। घर पर उसकी 12 साल की बेटी समेत चार बच्चे अकेले थे। रात करीब एक बजे आरोपी ओमवीर पुत्र हरविलास घर में सो रही बच्ची को उठाकर गांव के बाहर बनी एक वाटिका में ले गया। वहां उसने बच्ची के साथ दुराचार किया। घटना के बाद बच्ची को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। उसे करीब 10 दिन तक अस्पताल में रहना पड़ा। पीड़िता के पिता की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया। पुलिस ने 21 अप्रैल 2025 को आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। वह तभी से जेल में बंद था। आरोपी शादीशुदा है और उसके दो बच्चे हैं।

सजा सुनाने के साथ अदालत ने पीड़िता को उचित प्रतिकर दिलाने की प्रक्रिया पर भी ध्यान दिया। इसके लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को आदेश की प्रति भेजने के निर्देश दिए गए हैं। इसका उद्देश्य पीड़िता को नियमानुसार मिलने वाली आर्थिक सहायता की प्रक्रिया को आगे बढ़ाना है। इस मामले में अभियोजन पक्ष की पैरवी, 12 गवाहों के बयान और मेडिकल रिपोर्ट सहित प्रस्तुत साक्ष्यों के आधार पर अदालत ने अपना फैसला सुनाया। दोषी को शेष प्राकृतिक जीवन तक आजीवन कारावास और 50 हजार रुपये जुर्माने की सजा दी गई है।

पृष्ठ 01 का शेष...

केंद्रीय कर्मचारियों ...

पहला संशोधन सामान्यतः जनवरी और दूसरा जुलाई से प्रभावी होता है। DA केंद्रीय कर्मचारियों को दिया जाता है, जबकि DR पेंशनर्स के लिए होता है। इन दरों का निर्धारण महंगाई के आंकड़ों और संबंधित सरकारी प्रक्रिया के आधार पर किया जाता है। औद्योगिक श्रमिकों के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (AICPI-IW) के आंकड़े महंगाई के आकलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसके आधार पर कर्मचारियों और पेंशनर्स को राहत देने के लिए दरों में संशोधन का निर्णय लिया जाता है। इसी तरह पेंशनर्स को मिलने वाली अतिरिक्त राशि उनकी मूल पेंशन के आधार पर निर्धारित की जाती है।

विपक्ष घोस्ट वोटर्स ...

लेकिन हम व्यवस्था को साफ करने में विश्वास रखने वाले लोग हैं। भाजपा ने दिल्ली में गौरी शंकर मंदिर से शुरू होकर टाउन हॉल तक करीब 500 मीटर लंबी पदयात्रा निकाली। नितिन नवीन के अलावा सीएम रेखा गुप्ता और अन्य नेता भी शामिल हुए। दोस्तों, लोकतंत्र सुरक्षित हाथों में है। लोकतंत्र में लोगों का जो विश्वास है, वह नरेंद्र मोदी के साथ है। अगर लोकतंत्र नरेंद्र मोदी के हाथों में है, तो वह पूरी तरह सुरक्षित है। देश की जनता जानती है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, जो इसी मिट्टी के बेटे हैं, देश के 140 करोड़ लोगों को अपना परिवार मानते हैं। उनके सुख-दुख में अगर कोई उनके साथ खड़ा रहता है, तो वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं। रेखा गुप्ता ने कहा, 'अगर विपक्ष को लगता है कि वे जनता के वोटों से चुनी गई सरकार को हटाकर सत्ता परिवर्तन कर सकते हैं, तो उन्हें यह ख्याल छोड़ देना चाहिए। क्योंकि जनता कह रही है, 'मोदी कहीं नहीं जा रहे हैं।' शाम 5 बजे तक सड़कों पर गाड़ियों की आवाजाही सीमित रहेगी। इस दौरान नेताजी सुभाष मार्ग और निषाद राज मार्ग पर गाड़ियों की आवाजाही प्रतिबंधित या नियंत्रित रहेगी। छत्ता रेल चौक, हनुमान सेतु के नीचे, राजा राम कोहली मार्ग, सुभाष मार्ग के टी-पॉइंट, दिल्ली गेट और शांति वन चौक पर गाड़ियों को दूसरे रास्तों से भेजा जाएगा। ट्रैफिक पुलिस ने लोगों को चांदनी चौक और आसपास के इलाकों में जाने से बचने और यात्रा की योजना पहले से बनाने की सलाह दी है। पुलिस ने जाम से बचने के लिए सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करने और निजी गाड़ियों से आने से बचने की अपील भी की है। INDIA ब्लॉक के नेताओं ने SIR और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर 6 से 13 अक्टूबर के बीच 8 बार प्रदर्शन किए। कॉकरोच जनता पार्टी और लेफ्ट ने भी 10 अक्टूबर को इसी मुद्दे पर प्रदर्शन बुलाया था, लेकिन दिल्ली पुलिस ने इसकी इजाजत नहीं दी। इस दौरान शहर में बैरिकेडिंग की गई थी, 45 मेट्रो स्टेशन बंद रहे और 7 हजार से ज्यादा प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया।

अदालती कार्यवाही ...

यह आदेश न्यायमूर्ति अरुण कुमार सिंह देशवाल ने देवेंद्र कुमार की जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान दिया। सुनवाई के समय कोर्ट के बाहर कॉरिडोर में कुछ अधिवक्ताओं ने तेज आवाज में नारेबाजी शुरू कर दी। इससे न्यायिक कार्यवाही बाधित हुई। कोर्ट को बताया गया कि अधिवक्ता किसी अन्य अदालत में एक वकील की गरिमा से जुड़ी घटना के विरोध में प्रदर्शन और नारेबाजी कर रहे थे। सीसीटीवी फुटेज से होगी अधिवक्ताओं की पहचान कोर्ट ने रजिस्ट्रार प्रोटोकॉल को निर्देश दिया कि परिसर में घटना वाले स्थान के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज प्राप्त की जाए। इसके आधार पर नारेबाजी में शामिल अधिवक्ताओं की पहचान कर अगली सुनवाई तक रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। कोर्ट ने कहा कि पहचान होने के बाद संबंधित अधिवक्ताओं के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई के लिए मामला उत्तर प्रदेश बार काउंसिल को भेजा जा सकता है। इसके साथ ही उनके खिलाफ अवमानना की कार्यवाही भी शुरू की जाएगी। मामले की अगली सुनवाई 19 नवंबर को निर्धारित की गई है। अब सीसीटीवी फुटेज के आधार पर होने वाली पहचान और रजिस्ट्रार प्रोटोकॉल की रिपोर्ट पर नजर रहेगी।

टाटा ग्रुप को बर्बाद ...

सरकार की नीतियां कारोबार को बढ़ावा देने, उद्योग का समर्थन करने और निवेश प्रोत्साहित करने के लिए बनाई गई हैं।' सीतारमण ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने दशकों तक 'लाइसेंस-कोटा राज' के जरिए भारतीय उद्यमियों की भावना को दबाए रखा। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने करोड़ों भारतीयों को गरीबी में धकेला। उन्होंने कहा कि राजनीतिक दलों, नेताओं, सरकारों और संस्थानों की जिम्मेदारी बराबर है। सभी को उद्योग का समर्थन करना, किसानों को मजबूत करना और युवाओं का भविष्य सुरक्षित करना चाहिए। टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा ने टाटा संस के एग्जीक्यूटिव चेयरमैन एन चंद्रशेखरन को दिए गए दूसरे 5 साल के एक्सटेंशन को चुनौती दी है। उन्होंने नियमों की अनदेखी, वोटिंग नियमों के उल्लंघन और 'कॉन्फ्लिक्ट ऑफ इंटरेस्ट' यानी हितों के टकराव के आरोप लगाए हैं। द इकोनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, नोएल टाटा ने टाटा संस के कंपनी सेक्रेटरी को खत लिखकर 17 सितंबर की बोर्ड मीटिंग का रिकॉर्ड मांगा है। इसमें ऑडियो और वीडियो रिकॉर्डिंग, वोटिंग रिकॉर्ड्स और रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज में दाखिल किए गए सभी दस्तावेजों की मांग की है। आरबीआई चाहता है कि टाटा संस शेयर बाजार में लिस्ट हो ताकि पारदर्शिता बनी रहे। हालांकि, 66% हिस्सेदारी रखने वाला टाटा ट्रस्ट्स इसके सख्त खिलाफ है क्योंकि इससे ग्रुप पर उसका कंट्रोल कम हो सकता है। द इकोनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, नोएल टाटा ने टाटा संस के कंपनी सेक्रेटरी को खत लिखकर 17 सितंबर की बोर्ड मीटिंग का रिकॉर्ड मांगा है। इसमें ऑडियो और वीडियो रिकॉर्डिंग, वोटिंग रिकॉर्ड्स और रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज में दाखिल किए गए सभी दस्तावेजों की मांग की है।

फीरोज गांधी कॉलेज में दहेज मुक्त समाज पर संगोष्ठी

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के संदर्भ में शिक्षा

तमसा संकेत, एजेंसी

रायबरेली। रायबरेली के फीरोज गांधी कॉलेज में बुधवार को 'दहेज मुक्त समाजः संकल्प, संवाद और समाधान' विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी हुई। इसमें दहेज प्रथा के सामाजिक, शैक्षिक और मनोवैज्ञानिक पहलुओं पर चर्चा की गई। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में दहेज के खिलाफ जागरूकता और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करना था। संगोष्ठी की संयोजक डॉ. शामिनी श्रीवास्तव ने अतिथियों, वक्ताओं और छात्र-छात्राओं का स्वागत किया। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के State of U.P. v. Ajmal Beg & Others मामले का उल्लेख करते हुए शिक्षा, सामाजिक जागरूकता और लैंगिक समानता को दहेज प्रथा खत्म करने के लिए जरूरी बताया।

कॉलेज के प्राचार्य प्रो. मनोज कुमार त्रिपाठी ने विद्यार्थियों से दहेज के खिलाफ जागरूक रहने और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की अपील की। उन्होंने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य ज्ञान देने के साथ सामाजिक चेतना और जिम्मेदारी विकसित करना भी है। शिक्षक शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अरविंद सिंह ने कहा कि दहेज प्रथा का उन्मूलन केवल कानून और न्यायिक कार्रवाई से संभव नहीं है। इसके लिए कानून का प्रभावी क्रियान्वयन, अधिकारियों का संवेदनशील प्रशिक्षण और व्यापक जनजागरूकता जरूरी है।

40 हजार दर्शकों के पहुंचने की उम्मीद, ईडन पार्क में तीसरी सबसे बड़ी भीड़ होगी

ऑकलैंड में भारत-न्यूजीलैंड चौथे टी20आई के सभी टिकट बिके

बढ़त

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत और न्यूजीलैंड के बीच चौथे टी-20 के सभी टिकट बिक गए हैं। शुक्रवार को ऑकलैंड के ईडन पार्क में होने वाले मैच को देखने 40 हजार से ज्यादा दर्शकों के पहुंचने की उम्मीद है। न्यूजीलैंड क्रिकेट के मुताबिक, यह मैदान पर किसी अंतरराष्ट्रीय मैच की तीसरी सबसे बड़ी दर्शक संख्या हो सकती है।

भारतीय टीम शुरुआती तीनों मैच जीतकर पांच मैचों की सीरीज में 3-0 की अजेय बढ़त बना चुकी है। सीरीज के अब तक चार मैचों के टिकट बिक चुके हैं। इनमें शुरुआती दो मैच और रविवार को हैमिल्टन में होने वाला पांचवां T20I भी शामिल है।

ईडन पार्क में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच के दौरान 40 हजार से ज्यादा दर्शक जुटने का रिकॉर्ड सिर्फ 2 बार बना है। 1982 का वनडे मैचः ऑस्ट्रेलिया के न्यूजीलैंड दौरे के पहले वनडे में करीब 42 हजार दर्शक पहुंचे थे। न्यूजीलैंड ने यह मैच 46 रन से जीता था। उस टीम में रिचर्ड हैडली, जॉन राइट और मार्टिन क्रो जैसे खिलाड़ी शामिल थे। न्यूजीलैंड क्रिकेट के मुताबिक, भारत के न्यूजीलैंड दौरे के लिए अब तक 1.26 लाख से ज्यादा टिकट बिक चुके हैं। इनमें से 71 हजार से ज्यादा टिकट टी-20 सीरीज के 5 मैचों के लिए खरीदे गए हैं। सीरीज के तीसरे टी-20 में भारत ने वेलिंगटन में न्यूजीलैंड को 6 विकेट से हराया था। न्यूजीलैंड के 199 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम ने 13.2 ओवर में जीत हासिल की। अभिषेक शर्मा ने 38 गेंदों पर 113 रन की पारी खेली। उन्होंने 9 चौके और 11 छक्के लगाए। अभिषेक ने वैभव सूर्यवंशी के साथ पहले विकेट के लिए 133 रन की साझेदारी भी की।

न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के बीच मैच देखने 41 हजार दर्शक पहुंचे थे। ग्रांट एलियट के छक्के की मदद से न्यूजीलैंड ने फाइनल में जगह बनाई थी।

2019 का दर्शक रिकॉर्ड टूटने की उम्मीद

न्यूजीलैंड क्रिकेट के मुताबिक, चौथे टी-20 में 40 हजार से ज्यादा दर्शक पहुंच सकते हैं। ऐसा होने पर न्यूजीलैंड में द्विपक्षीय सीरीज के किसी मैच में दर्शकों की मौजूदगी का रिकॉर्ड टूट जाएगा। इससे पहले 2019 में ईडन पार्क में भारत के पुरुष और महिला टीमों के डबल-हेडर मुकाबलों को 36,523 दर्शकों ने देखा था।

न्यूजीलैंड क्रिकेट के चीफ मार्केटिंग एंड कमर्शियल ऑफिसर ग्लेन क्रिचली ने कहा कि ईडन पार्क में भरे स्टेडियम के बीच मैच देखने का अनुभव खास होता है। उन्होंने बताया कि सीरीज को लेकर दर्शकों का उत्साह उम्मीद से ज्यादा है। चौथे टी-20 के सभी टिकट बिकना इसकी पुष्टि करता है।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की कमाई 3,550 करोड़ के पार

एशेज और भारत सीरीज से 483 करोड़ का मुनाफा

नई दिल्ली, एजेंसी

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (CA) को वित्त वर्ष 2025-26 में 601.1 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (करीब 3,550 करोड़) की आय हुई। बोर्ड को इस दौरान 81.8 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (करीब 483 करोड़) का शुद्ध मुनाफा हुआ।

पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में उसे 11.3 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (करीब 67 करोड़) का घाटा हुआ था।

बोर्ड ने बुधवार को अपनी सालाना रिपोर्ट में बताया कि इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू एशेज टेस्ट सीरीज और भारत के खिलाफ वनडे-T20 सीरीज से मीडिया राइट्स, कमर्शियल डील और मैच के दिन टिकटों की बिक्री से रिकॉर्ड कमाई हुई। स्टेडियम में दर्शकों की रिकॉर्ड संख्या ने भी इसमें अहम भूमिका निभाई। इंग्लैंड के खिलाफ एशेज सीरीज के 18 दिन के खेल में कुल 8,59,580 दर्शक स्टेडियम पहुंचे। इस दौरान हर दिन औसतन 47,754 दर्शक मौजूद रहे। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के मुताबिक, सीरीज में दर्शकों की संख्या से जुड़े कई रिकॉर्ड बने। भारत के खिलाफ अक्टूबर-नवंबर में खेली गई सीरीज से भी बोर्ड को अच्छी कमाई हुई। ऑस्ट्रेलिया ने वनडे सीरीज 2-1 से जीती, जबकि भारत ने T20 सीरीज 2-1 से अपने नाम की।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की टीमों ने मैदान पर भी अच्छा प्रदर्शन किया। पुरुष टीम ने घरेलू एशेज सीरीज में इंग्लैंड को 4-1 से हराकर ट्रॉफी अपने पास बरकरार रखी।

कोच बोले- जहर खाया, डोपिंग के चलते 4 साल से बैन थे

गोल्ड मेडलिस्ट पैरा एथलीट नीरज यादव की मौत

नई दिल्ली। तीन बार के एशियन पैरा गेम्स गोल्ड मेडलिस्ट नीरज यादव का मंगलवार रात दिल्ली में निधन हो गया। कोच का दावा है कि उनकी मौत जहर खाने से हुई है। नीरज डोपिंग के चलते 4 साल से प्रतिबंधित थे।

42 साल के नीरज यादव पैरा एथलेटिक्स की एफ-55 कैटेगरी में हिस्सा लेते थे। इसमें खिलाड़ी बैठकर थ्रो करने वाले इवेंट में हिस्सा लेते हैं।

शुरुआती जानकारी के मुताबिक, सोनीपत के एक अपार्टमेंट में घर पर बेहोश मिलने के बाद नीरज को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। दिल्ली के GTB अस्पताल में बुधवार को शव का पोस्टमार्टम कराया गया। मौत के कारणों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

सुमित अंतिल और विपिन कसाना अस्पताल पहुंचे

नीरज के निधन की खबर मिलने के बाद पैरालिंपिक चैंपियन सुमित अंतिल और पैरा-एथलीट विपिन कसाना GTB अस्पताल पहुंचे। उनकी मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है।

भारत के मुख्य पैरा-एथलेटिक्स कोच एस. सत्यनारायण ने बताया, नीरज पिछले 6 महीने से सोनीपत के एक अपार्टमेंट में अपनी मां और पत्नी से अलग रह रहे थे। उनकी मां और पत्नी दिल्ली-उत्तर प्रदेश बॉर्डर के पास रहती थीं। नीरज ने एक बच्ची को गोद लिया था, जो उनकी मां और पत्नी के साथ रहती थी। नीरज ने 2023 में हांगझोउ एशियन पैरा गेम्स में जेवलिन थ्रो और डिस्कस थ्रो में गोल्ड मेडल जीते थे। इसके कुछ दिन बाद डोपिंग मामले में उन पर 4 साल का बैन लगा दिया गया और उनके मेडल छीन लिए गए थे। कोच के मुताबिक, इस कार्रवाई का असर नीरज को मिलने वाली सरकारी नौकरी पर भी पड़ा। उन्होंने बताया कि नीरज के परिवार का खर्च 2018 एशियन पैरा गेम्स में मिली इनामी राशि से चल रहा था। कोच के मुताबिक, नीरज नागोया एशियन पैरा गेम्स में हिस्सा लेना चाहते थे। उन्होंने पूछा था कि क्या वे ट्रायल्स में हिस्सा ले सकते हैं, लेकिन बैन जारी होने के चलते वे ऐसा नहीं कर सके। कोच ने आशंका जताई कि इस वजह से नीरज भावनात्मक तनाव से गुजर रहे थे।

आईसीसी रैंकिंग में ईशान किशन पहले से तीसरे पर आए, पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान दूसरे नंबर पर

अभिषेक शर्मा बने नंबर 1 टी20 बल्लेबाज

चोट के कारण टीम से बाहर चल रहे हार्दिक पंड्या अब भी सबसे ऊंची रैंकिंग वाले भारतीय ऑलराउंडर बने हुए हैं। वे 184 रेटिंग पॉइंट्स के साथ 13वें स्थान पर हैं। जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा नंबर-1 और पाकिस्तान के सईम अयूब नंबर-2 ऑलराउंडर हैं।

दुबई, एजेंसी

न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे मैच में शतक जमाने वाले भारतीय ओपनर अभिषेक शर्मा ताजा ICC रैंकिंग में दुनिया के नंबर-1 टी-20 बल्लेबाज बन गए हैं। पिछले सप्ताह तक टॉप पर रहे ईशान किशन दो स्थान फिसल कर तीसरे नंबर पर आ गए हैं। पाकिस्तान के साहिबजादा फरहाज नंबर-2 पर हैं। भारत के कप्तान श्रेयस अय्यर और तिलक वर्मा भी टॉप-10 बल्लेबाजों में शामिल हैं। अय्यर को पांच स्थान का नुकसान हुआ है। वहीं, तिलक वर्मा ने पिछले सप्ताह की रैंकिंग बरकरार रखी है।

अभिषेक ने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टी-20 मैच में शतकीय पारी खेली थी।

अभिषेक से पहले ईशान ने टी20 रैंकिंग्स पर कब्जा जमाया हुआ था। ईशान जुलाई 2025 से ही नंबर-1 पर बने हुए थे। मगर अभिषेक ने हाल ही में दमदार प्रदर्शन स एक बार फिर नंबर-1 पर कब्जा जमा लिया है।

अक्षर पटेल फिसले, टॉप-10 में कोई भारतीय गेंदबाज नहीं

टीम इंडिया का कोई भी गेंदबाज टॉप 10 में जगह नहीं बना पाया है। अक्षर पटेल एक स्थान फिसलकर 11वें नंबर पर आ गए हैं। अर्शदीप सिंह 15वें और जसप्रीत बुमराह 27वें स्थान पर हैं। अक्षर और अर्शदीप न्यूजीलैंड के खिलाफ मौजूदा सीरीज में खेल रहे हैं। बुमराह को इस सीरीज से आराम दिया गया है।

अफगानिस्तान के राशिद खान नंबर-1 पर बने हुए हैं। ऑस्ट्रेलिया के एडम जंपा दूसरे और इंग्लैंड के राशिद खान तीसरे स्थान पर हैं।

मनोरंजन

'मेरी जिंदगी का सबसे बड़ा चैप्टर खत्म'

मुंबई। CID में ACP प्रद्युम्न का किरदार निभाने वाले एक्टर शिवाजी साटम ने शो के निर्माता बीपी सिंह के निधन पर दुख जताया। बीपी सिंह का मंगलवार को हार्ट अटैक के बाद निधन हो गया। शिवाजी साटम ने उन्हें अपना मेंटर, दोस्त और शिक्षक बताया। उन्होंने कहा कि बीपी सिंह के निधन के बाद उनकी जिंदगी का सबसे बड़ा चैप्टर खत्म हो गया।

CID में दया का किरदार निभाने वाले दयानंद शेट्टी और फिल्ममेकर अशोक पंडित ने भी बीपी सिंह को श्रद्धांजलि दी।

शिवाजी साटम ने वैरायटी इंडिया को दिए इंटरव्यू में कहा,आज मेरी जिंदगी का सबसे बड़ा चैप्टर खत्म हो गया। वह महान इंसान और अच्छे दोस्त थे। मैंने उनसे सब कुछ सीखा। मैं थिएटर से आया था और

निर्माता बीपी सिंह के निधन पर सीआईडी के एसीपी प्रद्युम्न हुए इमोशनल, बोले- उन्हें पद्मश्री मिलना चाहिए था

स्टेज पर एक्टिंग करना जानता था। लेकिन बीपी सिंह ने मुझे कैमरे के सामने एक्टिंग करना सिखाया।

साटम ने बताया कि CID की टीम ने एक ही टेक में 111 मिनट लंबा एपिसोड शूट कर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया था।

अब आसानी से नहीं मिलेगी जमानत, वसूली और दहशत फैलाने के लिए बनाया था निशाना

टाइगर श्रॉफ फायरिंग केस सभी आरोपियों पर लगा एमकोका

मुंबई। मुंबई क्राइम ब्रांच ने एक्टर टाइगर श्रॉफ की कार पर हुई फायरिंग मामले में सभी आरोपियों पर महाराष्ट्र कंट्रोल ऑफ ऑर्गनाइज्ड क्राइम एक्ट (MCOCA) लगाया है।

रिपोर्ट के अनुसार, मुंबई क्राइम ब्रांच के डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस राज तिलक रौशन ने बताया कि सक्षम अधिकारी की मंजूरी के बाद संगठित अपराध से जुड़े एक्ट की धाराएं जोड़ी गई हैं।

18 अक्टूबर को टाइगर की कार पर हुई फायरिंग के एक दिन बाद, 19 अक्टूबर को मामले में भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 109(1) यानी हत्या के प्रयास और धारा 3(5) यानी साझा मंशा के साथ आर्म्स एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत FIR दर्ज की गई थी।

पुलिस के मुताबिक, अनिल पंडित इस मामले में मुख्य आरोपी है। उसने सोशल मीडिया के जरिए अभिनेता पर हमले की जिम्मेदारी लेने का दावा किया था। उसे लॉरेंस गैंग का कथित ऑपरेटिव बताया जा रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक, 27 अक्टूबर को सभी आरोपियों पर MCOCA की धारा 3(1)(ii), 3(2) और 3(4) भी जोड़ दी गई हैं।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, मुंबई क्राइम ब्रांच ने फायरिंग के पीछे की वजह बताई। पुलिस के मुताबिक, यह फायरिंग पैसे वसूलने, गैंग का दबदबा बढ़ाने और लोगों में डर पैदा करने के लिए की गई थी।

अब तक 11 आरोपी गिरफ्तार

फायरिंग के बाद मौके से फरार हुए तीन आरोपियों फूल सिंह, रेहान अंसारी और ऋतिक महतो को 19 अक्टूबर को कोटा रेलवे स्टेशन पर जयपुर जा रही ट्रेन से गिरफ्तार किया गया था। अगले दिन दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने कथित हथियार सप्लायर राधा वर्मा, बबीता राव, कुणाल और सुमित सरोलिया को गिरफ्तार किया। इसके बाद लॉजिस्टिक मदद और फंडिंग करने के आरोप में सरपंच खटक उर्फ अंकित, समीर खत्री और जतिन पंचाल को सोनीपत से गिरफ्तार किया गया। बाद में प्रांजल ठकराल को इंदौर से पकड़ा गया। इस तरह मामले में गिरफ्तार आरोपियों की संख्या 11 हो गई है।

एक्टर इमरान 2 नवंबर तक देश में रह सकेंगे

केंद्र के नोटिस पर हाईकोर्ट की रोक

नई दिल्ली, एजेंसी

अभिनेता इमरान खान को भारत छोड़ने के आदेश पर बॉम्बे हाईकोर्ट से 2 नवंबर दोपहर 3 बजे तक के लिए अंतरिम राहत मिल गई है।

इमरान 10 अक्टूबर को SIR के विरोध में मुंबई के अगस्त क्रांति मैदान में कॉकरोच पार्टी के प्रदर्शन में पहुंचे थे।

एक्टर आमिर खान के भांजे इमरान अमेरिकी नागरिक और OCI कार्ड धारक हैं, इसलिए वह भारत में किसी भी विरोध प्रदर्शन में भाग नहीं ले सकते। इस पर FRRO ने उन्हें नोटिस जारी करके 28 अक्टूबर तक देश छोड़कर जाने को कहा था।

इमरान खान ने इस नोटिस को मनमाना बताते हुए इसके खिलाफ

याचिका दायर की थी। इस पर चीफ जस्टिस महेश चंद्र त्रिपाठी और जस्टिस अद्वैत सेठना की पीठ ने सुनवाई की। कोर्ट में केंद्र सरकार ने कहा कि अगली सुनवाई तक अभिनेता के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। लीगल पोर्टल बार एंड बेंच के मुताबिक, सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (ASG) ने जवाब दाखिल करने के लिए और समय मांगा।

विवेक अग्निहोत्री करेंगे डायरेक्ट, पहलगाम आतंकी हमले के बाद की घटनाओं पर आधारित होगी कहानी

फिल्म 'ऑपरेशन सिंदूर' में कार्तिक निभाएंगे लीड रोल

नई दिल्ली, एजेंसी

एक्टर कार्तिक आर्यन डायरेक्टर विवेक अग्निहोत्री की अपकमिंग फिल्म 'ऑपरेशन सिंदूर' में लीड रोल निभाएंगे। वैरायटी इंडिया ने अपनी एक रिपोर्ट में यह दावा किया है। फिल्म लेफ्टिनेंट जनरल के.जे.एस. 'टाइनी' ढिल्लों की किताब 'ऑपरेशन सिंदूरः द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ इंडियाज डीप स्ट्राइक्स इनसाइड पाकिस्तान' पर आधारित होगी। विवेक अग्निहोत्री ने मार्च में सोशल मीडिया पर इस फिल्म का ऐलान किया था। उन्होंने बताया था कि फिल्म की कहानी पहलगाम आतंकी हमले के बाद की घटनाओं पर आधारित होगी। इसके लिए भारतीय सेना की अलग-अलग टीमों के साथ मिलकर रिसर्च की गई है।

जनरल के.जे.एस. 'टाइनी' ढिल्लों के साथ विवेक ने तस्वीर शेयर की थी।

विवेक के मुताबिक, फिल्म में उस सैन्य अभियान की कहानी दिखाई जाएगी, जिसका असर पूरे इलाके की सुरक्षा पर पड़ा। फिल्म में असली घटनाओं को तथ्यों के साथ दिखाने की कोशिश की जाएगी।

फिल्म को लेकर भूषण कुमार ने कहा था कि यह कहानी खुद सामने आई है और इसे जिम्मेदारी के साथ दिखाना जरूरी है। उन्होंने इसे देश की एक अहम घटना को दर्ज करने की कोशिश बताया। कार्तिक इन दिनों शिमित अमीन की फिल्म 'कैप्टन इंडिया' की शूटिंग कर रहे हैं। यमन में हूती संघर्ष की पृष्ठभूमि पर बनी इस फिल्म की शूटिंग पूरी करने के बाद वह 'ऑपरेशन सिंदूर' पर काम शुरू करेंगे।

'ऑपरेशन सिंदूर' पर बनने वाली फिल्म भूषण कुमार की टी-सीरीज और विवेक अग्निहोत्री की 'आई एम बुद्धा' प्रोडक्शंस का पहला बड़ा कोलैबोरेशन है।

कार्तिक की अगली फिल्म 'नागजिला' 12 फरवरी 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। करण जौहर और महावीर जैन के निर्माण में बन रही इस फिल्म का निर्देशन मृगदीप सिंह लांबा कर रहे हैं। इससे प्रीति मुखुंदन हिंदी फिल्मों में डेब्यू करेंगी। इसके अलावा, अनुराग बसु के निर्देशन में बन रही कार्तिक और श्रीलीला की अनटाइटल्ड म्यूजिकल रोमांटिक ड्रामा फिल्म 30 अप्रैल 2027 को रिलीज होगी। इस फिल्म के निर्माता भूषण कुमार हैं। कार्तिक, कबीर खान के साथ एक अनटाइटल्ड बायोग्राफिकल स्पोर्ट्स ड्रामा में भी काम कर रहे हैं। यह फिल्म कश्मीर की युवा खिलाड़ी तजामुल इस्लाम की जिंदगी से प्रेरित है, जो दो बार किकबॉक्सिंग में विश्व चैंपियन बन चुकी हैं। फिल्म का सह-निर्माण अप्लॉज एंटरटेनमेंट और कार्तिक आर्यन करेंगे।

ऑपरेशन सिंदूर मई 2025 में हुआ था

ऑपरेशन सिंदूर 7 मई 2025 को पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी ठिकानों पर भारतीय सेना की कार्रवाई थी। यह कार्रवाई 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद की गई थी, जिसमें 26 लोगों की मौत हुई थी। ऑपरेशन सिंदूर का मकसद हमले के जिम्मेदार आतंकी ठिकानों को नष्ट करना था।

टी-सीरीज और आई एम बुद्धा प्रोडक्शंस करेंगे निर्माण

फिल्म का निर्माण भूषण कुमार की टी-सीरीज और विवेक अग्निहोत्री के बैनर आई एम बुद्धा प्रोडक्शंस मिलकर करेंगे। यह पहली बार है, जब विवेक अग्निहोत्री और कार्तिक आर्यन किसी फिल्म में साथ काम करेंगे। विवेक इससे पहले 'द ताशकंद फाइल्स', 'द कश्मीर फाइल्स', 'द वैक्सीन वॉर' और 'द बंगाल फाइल्स' जैसी फिल्में निर्देशित कर चुके हैं।

इसके अलावा, कार्तिक के पास अनीस बज्मी की 'भूल भुलैया 4' और करण जौहर की 'कालिया' भी हैं।

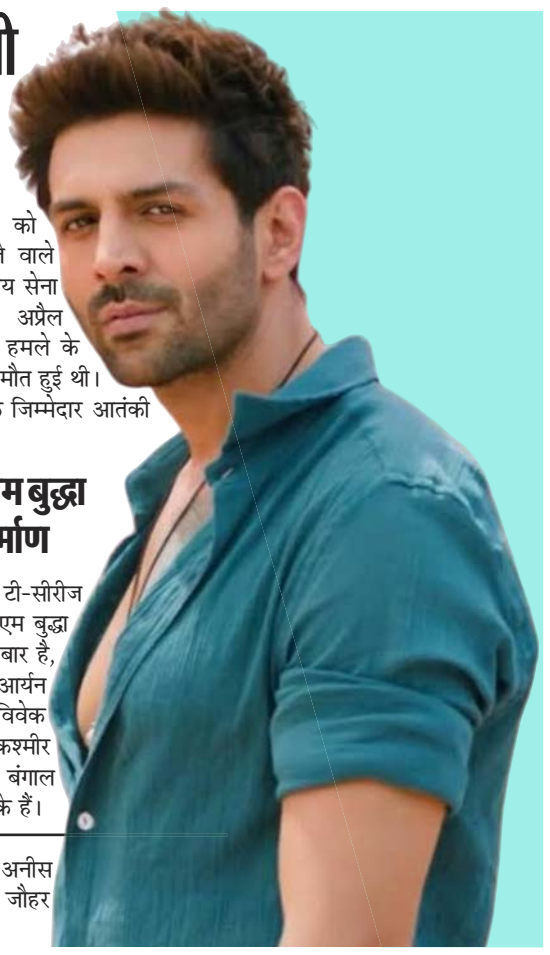

नाबालिग चाकू लेकर पहुंचा, 'अल्लाहु अकबर' का नारा लगाकर अटैक किया, पुलिस ने मार गिराया

सर्बिया में इजराइली दूतावास के बाहर पुलिसकर्मी पर हमला

जांच

बेलग्रेड, एजेंसी

सर्बिया की राजधानी बेलग्रेड में बुधवार को इजराइली दूतावास के बाहर एक नाबालिग ने दो चाकू लेकर पुलिसकर्मी पर हमला कर दिया। उसने 'अल्लाहु अकबर' का नारा लगाया। जवाब में पुलिसकर्मी ने गोली चलाई, जिससे हमलावर की मौत हो गई। घटना के बाद सर्बिया में सुरक्षा का स्तर बढ़ाकर रेड कर दिया गया, जो देश में खतरे का सबसे ऊंचा स्तर है।

सर्बिया में रविवार को संसदीय चुनाव हुए थे। करीब दो साल से चल रहे विरोध प्रदर्शनों के बाद

सर्बिया के बेलग्रेड में इजराइली दूतावास के बाहर तैनात सुरक्षा बलों के जवान।

युवाओं के नेतृत्व वाले आंदोलन ने पूर्व राष्ट्रपति अलेक्जेंडर वुचिच के खेमे को हरा दिया।

हालांकि, अभी नई सरकार नहीं बनी है। ऐसे में वुचिच और उनके सहयोगियों का पुलिस पर नियंत्रण बना हुआ है। छात्र गठबंधन 'स्टूडेंट लिस्ट, स्टूडेंट्स विन' पार्टी को चुनाव से महज 40 दिन पहले ही मान्यता मिली थी।

दो साल में दूसरी बार दूतावास के बाहर हमला

इजराइल का दूतावास बेलग्रेड के एक महंगे इलाके में स्थित है। इसके पास ही अमेरिकी दूतावास भी है। इजराइली दूतावास की सुरक्षा के लिए पुलिस की एक विशेष यूनिट तैनात रहती है। इसके जवानों के पास ऑटोमैटिक हथियार होते हैं।

इसके बावजूद पार्टी ने जीत हासिल की। हालांकि, जीतने वाले

बेलग्रेड में इजराइली दूतावास के बाहर सुरक्षा कर्मियों पर हमले की यह दो साल में दूसरी घटना है। इससे पहले जून 2024 में एक हमलावर ने क्रॉसबो यानी तीर चलाने वाले हथियार से सर्बियाई पुलिस अधिकारी की गर्दन पर हमला किया था।

141 उम्मीदवारों में एक भी छात्र नहीं है। पार्टी ने छात्रों के बजाय एथलीट, किसानों और आम लोगों को चुनाव मैदान में उतारा था। इन उम्मीदवारों का चयन छात्रों ने खुद किया था। चुनाव लड़ने के लिए जरूरी पैसे जुटाने के लिए छात्रों ने क्राउड फंडिंग का सहारा लिया। पार्टी के जीतने वाले उम्मीदवारों में करीब 65% के पास डॉक्टरेट या उससे बड़ी डिग्री है।

इजराइली दूतावास के पास एक शव की जांच करते फॉरेंसिक पुलिस अधिकारी।

हमलावर का आईएसआईएस का समर्थक होने का शक

सर्बिया के कार्यवाहक गृह मंत्री इविका डाचिच ने बताया कि हमले में पुलिसकर्मी के सिर पर मामूली चोट आई है। उन्होंने कहा कि घटना के बाद अहम जगहों पर पुलिस की तैनाती बढ़ाई जाएगी।

AP के मुताबिक, सुरक्षा एजेंसियां पहले से ही हमलावर पर नजर रख रही थीं। उस पर आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट (ISIS) का समर्थक होने का शक था। आरोप है कि उसने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर ISIS का काला झंडा भी दिखाया था।

अधिकारियों ने इस घटना की जांच आतंकी हमले के तौर पर शुरू की है। गृह मंत्री के मुताबिक, हमलावर नाबालिग था और उसकी पहचान अभी नहीं हो पाई है।

स्पेन में बड़ा रेल हादसा दो हाई स्पीड ट्रेनों में भीषण टक्कर

टोलेडो प्रांत में हुई टक्कर से रेल सेवाएं बाधित

मैड्रिड, एजेंसी

सेंट्रल स्पेन में दो ट्रेनों के बीच जोरदार टक्कर हुई है। स्पेन के रेल सिस्टम ऑपरेटर ADIF ने कहा कि यह टक्कर बुधवार सुबह टोलेडो प्रांत में हुई। ब्रिटिश समाचार एजेंसी द इंडिपेंडेंट की रिपोर्ट के मुताबिक, स्पेन में दो हाई-स्पीड ट्रेनों की टक्कर में करीब 39 लोगों की मौत की खबर सामने आई है। TVE की रिपोर्ट के मुताबिक, यह हादसा एक ही दिशा में जा रही दो हाई-स्पीड ट्रेनों के बीच हुआ और एक दूसरी के पिछले हिस्से से टकरा गई, जिससे उसके दो डिब्बे पटरी से उतर गए। पास के शहर उर्दा के मेयर, मैनुअल गैलन ने स्पैनिश सरकारी ब्रॉडकास्टर TVE को बताया कि कई यात्री घायल हुए हैं। घायलों के इलाज के लिए सिविल प्रोटेक्शन अधिकारियों ने उनके टाउन हॉल से एक स्पोर्ट्स पवेलियन तैयार करने को कहा है। पास के एक और गांव के मेयर, लॉस येबेनेस के जीसस पेरेज ने

TVE को बताया कि ऐसा लग रहा है कि हादसा काफी भयानक था। कैस्टिला ला मांचा के रीजनल प्रेसिडेंट एमिलियानो गार्सिया-पेज ने एक्स पर लिखा कि वह क्रैश साइट पर जा रहे हैं। एडिफ (Adif) ने बुधवार को एक्स पर एक संदेश में बताया, 'दो ट्रेनों के आपस में टकराने के बाद मैड्रिड-अंडालूसिया हाई-स्पीड रेल लाइन पर यातायात रोक दिया गया है।' कैस्टिला ला मांचा क्षेत्र के एक सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि सुबह 9 बजे (0800 GMT) के तुरंत बाद रेनफे (Renfe) और इर्यो (Iryo) की ट्रेनें आपस में टकरा गईं, जिससे इर्यो ट्रेन के दो डिब्बे पटरी से उतर गए।

फास्ट न्यूज

'यह यूएस है, आपकी कम्युनिस्ट तानाशाही नहीं'

वाशिंगटन। संयुक्त राष्ट्र महासभा में उस समय भारी हंगामा और तीखी नोकझोंक देखने को मिली, जब अमेरिकी राजदूत माइक वॉल्ट्ज के संबोधन के दौरान क्यूबा के विदेश मंत्री ब्रूनो रोड्रिग्ज पोडियम की ओर बढ़ने लगे। इस पर वॉल्ट्ज ने सख्त लहजे में क्यूबाई राजनयिक को रोकते हुए कहा, 'पीछे हटिए!' यह विवाद क्यूबा पर दशकों पुराने अमेरिकी प्रतिबंधों को हटाने के प्रस्ताव पर होने वाले मतदान से पहले वार्षिक बहस के दौरान हुआ।

नशीली दवा देकर पति दूसरों संग करवाता था पत्नी का रेप

लंदन। यूके के विनचेस्टर क्राउन कोर्ट में चार लोगों पर महिला के साथ दुर्व्यवहार करने का मुकदमा चल रहा है। इन पर एक महिला के साथ बलात्कार/ यौन उत्पीड़न करने का आरोप है। आरोप है कि महिला के पूर्व पति ने उसे नशीला पदार्थ दिया। उसके साथ हुए दुर्व्यवहार का वीडियो बनाया और उसकी जानकारी के बिना उसे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर डाल दिया। 48 वर्षीय नॉर्मन मैक्सोनी, 62 वर्षीय रिचर्ड विल्किंस, 32 वर्षीय कॉनर सैंडरसन-डॉयल और 38 वर्षीय मोहम्मद हसन ने अपने ऊपर लगे आरोपों से इनकार किया है।

फ्लाईदुबई फ्लाइट के हीरो कैप्टन स्मित मच्छर का यूएई में सम्मान

दुबई। यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान ने मंगलवार को कैप्टन स्मित मच्छर और फ्लाईदुबई की फ्लाइट एफजड1073 के क्रू सदस्यों को 'फर्स्ट-क्लास ऑर्डर ऑफ जायद II' से सम्मानित किया। दुनिया भर से मिल रही तारीफ के बीच कैप्टन को ये सम्मान मिला है। कैप्टन मच्छर को उड़ान के दौरान हुई एक गंभीर आतंकी घटना में यात्रियों की सुरक्षा के लिए दिखाए गए साहस और प्रयासों के लिए ये दिया गया है।

सोमालिया में अल-कायदा से जुड़े अल-शबाब ग्रुप ने 20 जवान किए ढेर

मोगादिशु, एजेंसी

इस्लामी चरमपंथी लड़ाकों ने हमले में सोमालिया के कम से कम 20 सैनिकों को मार डाला। ये हमला चरमपंथी लड़ाकों ने घात लगाकर किया है। हमले में बचे एक सैन्य अधिकारी ने यह जानकारी दी।

सरकार ने सैन्य वाहनों को नुकसान पहुंचने की बात तो स्वीकार की लेकिन सैनिकों के हताहत होने के बारे में कोई भी जानकारी नहीं दी। अल-कायदा से जुड़े अल-शबाब समूह ने दक्षिणी सोमालिया के जामीका गांव के पास सोमवार को हुए इस हमले की जिम्मेदारी ली है। ये समूह लगभग दो दशकों से सोमालिया की सरकार के खिलाफ लड़ रहा है।

रक्षा मंत्रालय ने बताया कि कई घंटों तक चली लड़ाई में उनके सैनिकों ने लगभग 75 आतंकवादियों को मार गिराया और 56 को घायल कर दिया। वहीं, अल-शबाब ने दावा किया कि उसने कुल 321 सैनिकों को मार डाला है और कुछ सैनिकों को बंदी बनाने के साथ-साथ सैन्य उपकरण भी जब्त किए हैं। हताहतों की संख्या और पकड़े गए सैनिकों एवं उपकरणों के दावों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है।

काफिले के साथ जा रहे एक सैन्य अधिकारी, अब्शीर अब्दीकरीम ने मंगलवार देर रात फोन पर 'द एसोसिएटेड प्रेस' को बताया कि हमले के बाद उन्होंने अपने कम से कम 20 साथी सैनिकों के शव देखे। उन्होंने बताया कि सैनिक लीगो से आगे बढ़कर बे क्षेत्र के बुरहाकाबा जिले में जामीका पहुंचे, जहां उनकी आतंकवादियों के साथ भारी गोलीबारी हुई। उन्होंने कहा कि पहले लापता बताए गए कुछ सैनिक मंगलवार को बालेडोगले पहुंच गए, जबकि बाकी सैनिकों का अभी भी कोई पता नहीं है।

पत्नी और दो बेटियां भी साथ, सरकार ने पासपोर्ट रद्द किया, अमेरिका में मांग सकते हैं राजनीतिक शरण

ब्राजील में राष्ट्रपति चुनाव हारने वाले बोल्सोनारो अमेरिका भागे

ब्राजीलिया, एजेंसी

ब्राजील में राष्ट्रपति चुनाव हारने के बाद दक्षिणपंथी नेता फ्लावियो बोल्सोनारो अमेरिका रवाना हो गए हैं। रॉयटर्स के मुताबिक, फ्लावियो के एक सहयोगी ने मंगलवार को इसकी पुष्टि की। सरकार ने उनका पासपोर्ट भी रद्द कर दिया है।

एक अमेरिकी अधिकारी ने भी रॉयटर्स को बताया कि फ्लावियो अमेरिका आ रहे हैं। उनकी पत्नी और दो बेटियां भी साथ हैं। वे अमेरिका में राजनीतिक शरण मांग सकते हैं।

फ्लावियो रविवार को हुए राष्ट्रपति चुनाव में मौजूदा राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा से हार गए थे। नतीजा काउंटिंग के दूसरे चरण में आया जिसमें फ्लावियो को 48% और लूला को 52% वोट मिले।

ब्राजील में राष्ट्रपति चुनाव के दूसरे दौर में हार के बाद मीडिया से बात करते लिबरल पार्टी के उम्मीदवार फ्लावियो बोल्सोनारो। तस्वीर 25 अक्टूबर 2026 की है।

पहले चरण में किसी को भी 50% वोट नहीं मिले थे। हार के बाद फ्लावियो ने नतीजों को स्वीकार नहीं किया था। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने कहा है कि बोल्सोनारो अमेरिका आना चाहें तो वे इसकी मंजूरी दे देंगे। ट्रम्प ने उन्हें अच्छा इंसान बताया और ब्राजील के चुनाव को अजीब और बेहद खराब करार दिया। ट्रम्प ने इससे पहले ब्राजील के चुनाव नतीजों पर सवाल उठाए थे। उन्होंने बिना सबूत चुनाव में धांधली का दावा किया।

फ्लावियो ने अपने चुनाव अभियान के दौरान अमेरिका के साथ रिश्ते मजबूत करने का वादा किया था। वहीं, लूला ने ट्रम्प पर ब्राजील के चुनाव में दखल देने का आरोप लगाया है। फ्लावियो के अमेरिका जाने की खबरों के बीच यह भी कहा गया कि वे पहले अर्जेंटीना पहुंचे थे। अर्जेंटीना में उनके करीबी सहयोगी और दक्षिणपंथी राष्ट्रपति जेवियर मिलेई की सरकार है।

पासपोर्ट जमा नहीं किया, पुलिस ने जांच शुरू की

फ्लावियो को सोमवार को ब्राजील के सुप्रीम कोर्ट ने 24 घंटे के भीतर पासपोर्ट जमा करने का आदेश दिया था। उनके खिलाफ भ्रष्टाचार, मनी लॉन्ड्रिंग और टैक्स चोरी के मामलों में जांच चल रही है। पुलिस को आशंका थी कि वे जांच से बचने के लिए देश छोड़ सकते हैं। मंगलवार सुबह 11 बजे तक फ्लावियो ने पासपोर्ट जमा नहीं किए। पुलिस को उनके देश छोड़कर भागने का शक हुआ। इसके बाद उनकी तलाश शुरू कर दी गई। मंगलवार शाम तक पासपोर्ट जमा नहीं होने पर अधिकारियों ने उनके पासपोर्ट रद्द कर दिए।

पिता भी चुनाव हारने के बाद अमेरिका गए थे

फ्लावियो के पिता और ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जैर बोल्सोनारो ने भी 2022 में लूला से चुनाव हारने के बाद नतीजों को स्वीकार नहीं किया था। वे अमेरिका चले गए थे और लंबे समय तक वहीं रहे। बाद में ब्राजील लौटने पर उन्हें तख्तापलट की साजिश रचने के मामले में गिरफ्तार किया गया और 27 साल जेल की सजा सुनाई गई।

फ्लावियो के छोटे भाई एडुआर्डो बोल्सोनारो भी अमेरिका में रहते हैं। उन्होंने चुनाव से पहले कहा था कि अगर फ्लावियो चुनाव हारते हैं, तो उन्हें ब्राजील छोड़ देना चाहिए।

विपक्ष ने चेताया, कहा- भारत को खतरा लगा तो नतीजा भुगतना पड़ेगा

पाकिस्तान के करीब जा रहे मालदीव राष्ट्रपति

माले, एजेंसी

मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के पाकिस्तान से बढ़ते रिश्तों पर देश में विरोध शुरू हो गया है। मुइज्जू 20 से 22 अक्टूबर तक पाकिस्तान के दौरे पर थे। इस दौरान दोनों देशों के बीच स्वास्थ्य, शिक्षा, व्यापार, रक्षा और समुद्री सुरक्षा समेत 20 समझौते हुए।

इसे लेकर पूर्व राष्ट्रपति मोहम्मद नशीद ने चेतावनी दी है कि अगर भारत को अपनी सुरक्षा पर खतरा लगा, तो मालदीव को इसके गंभीर नतीजे भुगतने पड़ सकते हैं।

मालदीव के विपक्षी दल मालदीवियन डेमोक्रेटिक पार्टी (MDP) के अध्यक्ष और पूर्व राष्ट्रपति मोहम्मद नशीद ने 25 अक्टूबर को

अड्डू सिटी में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मुइज्जू के पाकिस्तान दौरे की आलोचना की। नशीद ने आरोप लगाया कि मुइज्जू ने भारत-पाकिस्तान के लंबे समय से चले आ रहे तनाव को नजरअंदाज किया और मालदीव को दोनों देशों के विवाद के बीच ला खड़ा किया। न्यूज आउटलेट सन ऑनलाइन के मुताबिक उन्होंने कहा कि ऐसे हालात में छोटे देशों, खासकर मालदीव के लिए खतरे ज्यादा होते हैं लेकिन राष्ट्रपति ने इन जोखिमों पर ध्यान नहीं दिया।

मुइज्जू के पाकिस्तान दौरे पर भारत ने भी प्रतिक्रिया दी है। विदेश

मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने 21 अक्टूबर को मुलाकात की थी।

मालदीव के राष्ट्रपति की 11 साल बाद पाकिस्तान यात्रा

मुइज्जू का यह दौरा 11 साल में किसी मालदीवी राष्ट्रपति की पहली पाकिस्तान यात्रा थी। दोनों देशों ने अगले दो साल में आपसी व्यापार को करीब 1.3 करोड़ डॉलर से बढ़ाकर 20 करोड़ डॉलर करने पर भी सहमति जताई है। इस दौरान प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने जम्मू-कश्मीर और सिंधु जल संधि पर पाकिस्तान का पक्ष रखा। पहलगाम आतंकी हमले के बाद अप्रैल 2025 में भारत ने सिंधु जल संधि स्थगित कर दी थी। पाकिस्तान ने भारत के इस फैसले का विरोध किया है।

मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने 24 अक्टूबर

पूर्व विदेश मंत्री अब्दुल्ला शाहिद ने भी दौरे की आलोचना की। शाहिद ने आरोप लगाया कि मुइज्जू फिर से भारत विरोधी अभियान शुरू कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ने 2023 में भी इसी तरह की राजनीति की थी।

को कहा कि भारत दोनों देशों के बीच हुए समझौतों पर करीब से नजर रख रहा है। भारत के लिए मालदीव रणनीतिक रूप से अहम है। यह देश हिंद महासागर के उन समुद्री रास्तों के करीब है, जहां से अंतरराष्ट्रीय व्यापार होता है। ऐसे में वहां रक्षा और समुद्री सुरक्षा से जुड़े बदलाव भारत के लिए भी मायने रखते हैं।

अनंत की स्पीच पर भावुक हुए मुकेश अंबानी

जियो शेयर लिस्टिंग के इवेंट में परिवार के साथ मौजूद थे

नई दिल्ली, एजेंसी

जियो प्लेटफॉर्म्स का शेयर 1,358 पर लिस्ट हुआ है, जो इसके 1,119 के इश्यू प्राइस से 21% ज्यादा है। लिस्टिंग के मौके पर रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी भावुक हो गए, जब उनके बेटे अनंत ने जियो की कामयाबी की कहानी बताई।

जियो प्लेटफॉर्म्स का मार्केट कैप 12.50 लाख करोड़ रुपए हो गया है। यह रिलायंस के बाद मार्केट कैप के हिसाब से देश की दूसरी सबसे बड़ी कंपनी बन गई है। रिलायंस का मार्केट कैप 16 लाख करोड़ रुपए है। एयरटेल का मार्केट कैप 12.20 लाख करोड़ रुपए हैं।

जियो की लिस्टिंग के मौके पर अनंत अंबानी ने रिलायंस की विरासत और लोगों के प्यार को याद करते हुए कहा, रजियो को पूरे देश का आशीर्वाद मिला है। मां ने कहा

'जियो मेरे लाल', दादी ने कहा 'जुग जुग जियो' और दोस्तों ने कहा 'जियो यार'।र उन्होंने कहा कि जियो को भारत की जनता ने बनाया है और देश के लोगों के सपनों को पूरा करना ही उनका असली सपना है।

मार्केट एक्सपर्ट्स के मुताबिक, अगर आपने सिर्फ लिस्टिंग गेन के लिए पैसा लगाया है, तो लिस्टिंग के दिन मुनाफा वसूलना सही स्ट्रैटेजी होगी। लॉन्ग-टर्म इन्वेस्टर्स को शेयर को पोर्टफोलियो में होल्ड करने की सलाह है। एक्सपर्ट्स को उम्मीद है कि कंपनी का शेयर कुछ समय में 1,500 से 1,800 तक जा सकता है।

सम्मान : दुबई प्रिंस बोले- वे हमारी पहचान हैं, प्लेन क्रैश कराने की कोशिश नाकाम की थी

पायलट मच्छर को यूएई का सम्मान, राष्ट्रपति ने गले लगाया

अबू धाबी, एजेंसी

UAE ने फ्लाईदुबई की फ्लाइट को क्रैश से बचाने वाले भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मच्छर को 'जायद II- फर्स्ट क्लास' से सम्मानित किया। इस दौरान UAE के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान ने मच्छर को गले लगाया। दुबई के क्राउन प्रिंस शेख हमदान ने स्मित को अपने देश की पहचान बताया। जायद-II, UAE के सबसे बड़े सम्मानों में से एक है।

फ्लाईदुबई फ्लाइट के पायलट मच्छर ने 30 सितंबर को प्लेन क्रैश कराने की कोशिश नाकाम कर दी थी। यह प्लेन दुबई से तेल अवीव जा रही था। इस दौरान को-पायलट ने उन पर हमला कर दिया था।

दुबई के क्राउन प्रिंस शेख हमदान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर लिखा,कैप्टन स्मित मच्छर ने

कैप्टन स्मित मच्छर को दुबई के क्राउन प्रिंस शेख हमदान ने UAE का जायद II सम्मान दिया।

हिम्मत, जिम्मेदारी और इंसानी जान की परवाह करने की मिसाल पेश की। हमें गर्व है कि वे हमारी टीम का हिस्सा हैं, हमारे देश की कहानी का हिस्सा हैं और UAE की पहचान का हिस्सा हैं।

कैप्टन मच्छर जब चोटों का इलाज करा रहे थे, तब दुबई के क्राउन प्रिंस शेख हमदान उनसे मिलने पहुंचे थे। उन्होंने कैप्टन की हिम्मत और लोगों की जान बचाने के प्रयासों की तारीफ की थी। 30 सितंबर को फ्लाईदुबई की फ्लाइट FZ1073 दुबई से तेल अवीव जा रही थी। इसी दौरान विमान के को-पायलट ने कॉकपिट में कैप्टन मच्छर पर हमला कर दिया। हमले में कैप्टन घायल हो गए। उन्होंने बताया था कि को-पायलट ने सिर पर कई वार किए। को-पायलट ने विमान को गिराने की कोशिश में कैप्टन पर कॉकपिट में ही मौजूद इमरजेंसी कुल्हाड़ी से हमला किया था। इस दौरान मच्छर ने विमान से हाईजैक का संकेत भी भेजा था।

यूएई के नेताओं ने कहा- कैप्टन मच्छर पर गर्व है

राष्ट्रपति बिन जायद ने फ्लाइट के क्रू के सदस्यों को भी सम्मानित किया। इस दौरान UAE के उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और दुबई के शासक शेख मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम भी मौजूद थे।

UAE के नेताओं ने कैप्टन मच्छर और क्रू के सदस्यों की हिम्मत और जिम्मेदारी की तारीफ की। उन्होंने कहा कि मुश्किल हालात में भी क्रू ने यात्रियों की सुरक्षा को सबसे ज्यादा महत्व दिया।

दुबई के क्राउन प्रिंस शेख हमदान 3 अक्टूबर को कैप्टन स्मित से अस्पताल में मिलने गए थे।

फ्लाइट में हुए हमले में कैप्टन मच्छर गंभीर रूप से घायल थे। यह तस्वीर 30 सितंबर को उन्हें अस्पताल ले जाते समय की है। फ्लाइट में हुए हमले में कैप्टन मच्छर गंभीर रूप से घायल थे। यह तस्वीर 30 सितंबर को उन्हें अस्पताल ले जाते समय की है।

इजरायल चुनाव में जीत की ओर नेतन्याहू, ट्रंप ने लिया क्रेडिट

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि उनके समर्थन से इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को इजरायल के 26वें नेसेट (संसद) चुनाव में पासा पलटने में मदद मिली, जिससे मौजूदा प्रधानमंत्री का प्रदर्शन उम्मीद से कहीं बेहतर रहा।

शुरुआती नतीजों में नेतन्याहू का गुट आगे तो है, लेकिन सरकार बनाने के लिए जरूरी बहुमत से पीछे रह गया है। सुबह 7:58 बजे तक 57.3% मतपेटियों की गिनती के बाद केंद्रीय चुनाव समिति द्वारा जारी शुरुआती नतीजों में नेतन्याहू समर्थक गुट को 55 सीटें मिलती दिख रही हैं, जबकि नेतन्याहू विरोधी गुट को 49 सीटें मिल रही हैं।

अरब पार्टियों के 16 सीटें जीतने का अनुमान है। वहीं, 'रिजर्विस्ट्स' (2.6% वोट), 'पीपल ऑफ इजरायल' (1.7% वोट) और 'चारेदी पब्लिक' (0.2% वोट) जैसी पार्टियां 3.25% की उस न्यूनतम सीमा (इलेक्टोरल थ्रेशोल्ड) को पार नहीं कर पाईं, जो नेसेट में प्रवेश के लिए जरूरी है।

सैनिकों सहित अन्य लोगों के वे वोट जो दोहरे लिफाफों (डबल एनवेलप) में डाले गए थे उनकी गिनती बाद में की जाती है। बुधवार को ट्रंप ने 'ट्रुथ सोशल' पर इरविंग सी. श्वाट्र्ज की एक टिप्पणी शेयर की, जिसमें कहा गया था, 'जब राष्ट्रपति ट्रंप ने बीबी नेतन्याहू का समर्थन किया, तो पूरा पासा ही पलट गया। अब एक महान प्रधानमंत्री की करारी हार के बजाय, ऐसा लग रहा है कि नेतन्याहू ने पीछे रहने के बावजूद जोरदार वापसी की है यह एक तरह का गतिरोध है, या यूं कहें कि नेतन्याहू की जीत ही है।'

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676